राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 298
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 10 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 'राष्ट्रीय कवि संगम (दिल्ली प्रदेश) द्वारा किया गया ' श्री राम वनगमन पथ काव्य यात्रा का अभिनंदन व आभार
पेज 5 आगरा : ताजमहल में लड्डू बांटने पहुंचे हिंदू महासभा कार्यकर्ता, पुलिस ने बाहर ही रोका
पेज 7 चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के विरोध को कुचल रही पाक सेना, प्रदशनकारियों के खिलाफ लगाए जिहादी

युपी : दो बाइक टकराई, 2 सगे भाई समेत 5 की मौत

अमरोहा में बारात के बाद वापस लौट रहे थे, हादसे में 5 साल की बच्ची ने भी दम तोड़ा

अमरोहा। अमरोहा के आदमपुर थाना इलाके के घड़ियाल चौराहे पर सोमवार रात करीब 8 बजे तीन बाइक आपस में टकराने से 5 साल की बच्ची और दो सगे भाइयों समेत 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया। हादसे में मरने वाले चार लोग एक ही बाइक पर सवार थे, जबकि दूसरी बाइक पर सवार तीन लोगों में से एक की मौत हो गई।

मामला अमरोहा के हसनपुर कोतवाली का है। यहां आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव गुरैठा खादर निवासी चमन सिंह की बारात अल्लीपुर मिलक आई थी। शादी में शामिल होने के लिए आदमपुर थाना क्षेत्र के गुरैठा निवासी सतपाल भी शामिल होने आए थे।

बाइक पर 4 लोग सवार थे

सोमवार रात को कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सतपाल बाइक से घर लौट रहे थे। उनके साथ बाइक पर भाई नरेश, फूलसिंह और 5 साल की छवि भी सवार थी। जैसे ही उनकी बाइक आदमपुर थाना इलाके में दढियाल चौराहे के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार रहे अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी। तभी पीछे आ रही एक और बाइक ने टक्कर मार दी, जिसमें थाना हसनपुर के काला शहीद निवासी आकाश, कपिल बृजेंद्र सवार थे।

सामने से आ रही बाइक ने मारी टक्कर

तीन बाइक की जोरदार भिड़ंत में 55 वर्षीय फूल सिंह, 35 वर्षीय नरेश, 22 वर्षीय सतपाल और पांच वर्षीय मासूम बेटी छवि की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार 26 साल के आकाश ने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, हादसे में घायल बृजेंद्र और कपिल को प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। उनकी भी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद से परिवार के लोगों में कोहराम मचा है।

5 लोगों की हादसे में मौत

इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक चंद्र प्रकाश शुक्ल ने बताया कि सोमवार रात आठ बजे दो बाइक की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई। दो लोग घायल हो गए हैं। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

वहीं, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

शाहीन बाग में बुलडोजर

अतिक्रमण हटाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट का दखल देने से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली में करीब दो साल पहले नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन से देशभर में सुर्खियों में आया शाहीन बाग आज फिर हल्ला-हंगामे के दौर में है। वजह- एमसीडीका बुलडोजरज् यहां आज से अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जाना था। इसके लिए एमसीडी के बुलडोजर जैसे ही शाहीन बाग पहुंचे, हंगामा शुरू हो गया। लोगों के विरोध के बाद दोपहर करीब 12.30 बजे एमसीडी के बुलडोजर वापस चले गए। इसके बाद लोगों ने यहां तिरंगा लहराया।

इधर, शाहीन बाग में अतिक्रमण हटाने की मुहिम के खिलाफ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सवादी यानी CPIM ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में यह कहते हुए दखल देने से इनकार कर दिया कि याचिका किसी भी प्रभावित पक्ष की बजाय एक राजनीतिक दल ने दायर की है। कोर्ट ने कहा कि अदालत को इन सब के लिए मंच नहीं बनाया जाना चाहिए। कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने की मुहिम से प्रभावित लोगों से हाईकोर्ट जाने को कहा है।

इससे पहले, पुलिस फोर्स न मिलने की वजह से सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होने को लेकर संदेह बना हुआ था, लेकिन करीब 10.30 बजे दिल्ली पुलिस ने फोर्स मुहैया कराने पर रजामंदी दे दी। इसके बाद 11 बजे के लगभग एमसीडी के बुलडोजर शाहीन बाग की मुख्य सड़क पर पहुंच गए।

बुलडोजर पर चढ़ीं महिलाएं, सड़क पर धरना

इसके पहले, सोमवार को कार्रवाई के विरोध में लोग बुलडोजरों के सामने लेट गए। कुछ महिलाएं बुलडोजर पर चढ़ गईं। वहीं, कुछ जगहों पर लोग सड़कों पर ही धरने पर बैठ गए। हंगामा बढ़ते देख पुलिस ने लोगों को वहां से हटाया। कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया। इसके बावजूद कार्रवाई का विरोध जारी रहा। विरोध के बाद अफसरों ने कहा कि फिलहाल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रोक दी गई है।

जहांगीरपुरी में रोकना पड़ा था एमसीडी का बुलडोजर

इससे पहले, जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती के दिन हुई हिंसा के बाद वहां भी बुलडोजर से अतिक्रमण हटाया गया था। हालांकि, तब कार्रवाई बहुत ज्यादा लंबी नहीं चल सकी थी, क्योंकि इस पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश आ गया था। कोर्ट ने फिलहाल जहांगीरपुरी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर स्टे लगाया है।

कहां-कहां चलना है एमसीडी के बुलडोजर?

दिल्ली पुलिस से फोर्स मिलने के बाद दक्षिण दिल्ली एमसीडी ने अगले 5 दिनों तक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाने की तैयारी पूरी कर ली है। इसके मुताबिक, आज यानी 9 मई को दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

- 9 मई : शाहीन बाग जी ब्लाक से जसोला नहर और कालिंदी कुंज पार्क
- 10 मई : एनएफसी बोधि धर्म मंदिर नजदीक गुरुद्वारा रोड
- 11 मई : मेहरचंद मार्केट, लोधी कालोनी, साईं मंदिर और जेएलएन मेट्रो स्टेशन
- 12 मई : इस्कान मंदिर, धीरसेन मार्ग, कालका देवी मार्ग
- 13 मई : खाड़ा कालोनी नियर कालिंदी कुंज

तेलंगाना : सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 9 हुई

ड्राइवर की तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण टक्कर हुई

हैदराबाद। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में रविवार को हुए सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या नौ हो गई है। कल रात चार और लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 16 अन्य घायलों का दूसरे अस्पताल में इलाज चल रहा था और उनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह दुर्घटना उस समय हुई जब टाटा एस वाहन जिसमें 25 लोग यात्रा कर रहे थे, येलारेड्डी मंडल में हसनपल्ली गेट के पास विपरीत दिशा में आ रहे एक ट्रक से टकरा गया। हादसे में ट्रॉली ऑटो के चालक समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक और घायल उसी जिले के पिटलम मंडल के चियालर्गी गांव के रहने वाले हैं और पड़ोसी गांव में हाल ही में मारे गए एक रिश्तेदार के दशा दिन कर्म अनुष्ठान में शामिल होने के बाद अपने गांव लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक, टाटा एस के ड्राइवर की तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण टक्कर हुई। मृतकों की पहचान ड्राइवर सैउलु (25), लच्छवा (45), अंजव्वा (40), वीरमणि (38), असयव्वा (40), वीरव्वा (70), गंगामणि (45), येलैया (45) और पोचैया (44) के रूप में हुई है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतकों और घायलों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

सड़क दुर्घटना पीडितों के परिजनों को सहायता राशि देने की घोषणा

तेलंगाना परिवहन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने हसनपल्ली सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को पचास हजार रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। गौरतलब है कि कामारेड्डी जिले के हसनपल्ली में रविवार को लॉरी और टाटा ऐस वाहन की भिंडत में नौ लोगों की मौत हो गयी थी। जिनमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और अन्य 10 घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि पीड़ित दुर्घटना के समय ट्राली-ऑटो से येल्लारेड्डी मार्केट से पिट्टलम मंडल के चिल्लरगी गांव लौट रहे थे। घायलों को इलाज के लिए बांसवाड़ा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें कुछ की हालत गंभीर है।

देश में 24 घंटे में 3,410 लोग कोविड मुक्त हुए

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के संक्रमण 3, 207 नये मामले सामने आये

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में उतार-चढ़ाव के बीच पिछले 24 घंटे में 3,410 लोग कोविड मुक्त हुए, जिसक साथ ही इस बीमारी से स्वस्थ होने वालों का आकड़ा बढ़कर 42560905 हो गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि देश अब तक एक अरब 90 करोड़ 34 लाख 90 हजार 396 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। इस समय देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की दर 0.05 प्रतिशत, रिकवरी रेट 98.74 फीसदी तथा मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है।

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना के संक्रमण 3,207 नये मामले सामने आये हैं। इसके साथ ही देश में कुल संक्रमितों की संख्या चार करोड़ 31 लाख पांच हजार 401 हो गयी हैं। इस दौरान 29 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 524093 हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी में सक्रिय मामले 16 घटकर 5,939 रह गए हैं। वहीं 1,438 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 18,62,136 पर पहुंच गया जबकि मृतकों की संख्या 26,179 पर स्थिर है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान 429 सक्रिय मामले घटकर 1,607 हो गयी। राज्य में इस दौरान महामारी से 513 और मरीजों के उबरने से कोरोना से मुक्त होने वालों की कुल संख्या 20,51,245 हो गयी। इस दौरान मृतकों की संख्या बढ़कर 23,510 हो गई है।

हरियाणा में सक्रिय मामले 50 बढ़कर 2,700 हो गये हैं। इस दौरान 463 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वाले मरीजों की कुल संख्या 9,83,284 हो गयी जबकि मृतकों का आंकड़ा 10,620 पर स्थिर है।

केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 63 बढ़कर 3,026 हो गये हैं। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 292 बढ़कर 64,71,947 हो गयी जबकि मृतकों की संख्या 69,271 है।

कर्नाटक में कोरोना के सक्रिय मामले 19 बढ़कर 1,964 हो गये हैं जबकि 92 लोगों के स्वस्थ होने के बाद कोरोना मुक्त होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 39,06,689 हो गयी है। मृतकों का आंकड़ा 40,104 पहुंच गया है।

महाराष्ट्र में इस दौरान सक्रिय मामले 27 बढ़कर 1,304 हो गये हैं। राज्य में 196 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 77,30,127 हो गयी। वहीं इस जानलेवा वायरस के संक्रमण से एक व्यक्ति की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,47,847 हो गया है।

मिजोरम में सक्रिय मामले 14 घटकर 235 रह गये हैं। इस दौरान राज्य में 30 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 2,26,804 हो गयी। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 697 है।

तमिलनाडु में पिछले 24 घंटों में 21 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 478 तक पहुंच गयी है। यहां इस दौरान 68 लोगों के कोरोनामुक्त होने के बाद महामारी से उबरने वालों की कुल संख्या 34,15,850 हो गयी, जबकि मरने वालों की संख्या 38,025 पर बरकरार है।

कोविड टीकाकरण में 190.34 करोड़ टीके लगे

नयी दिल्ली। देश भर में राष्ट्रीय कोविड टीकाकरण अभियान के अंतर्गत 190.34 करोड़ से अधिक कोविड टीके लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि आज सुबह सात बजे तक 190 करोड़ 34 लाख 90 हजार 346 कोविड टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के 3207 नये मरीज सामने आये हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या 20 हजार 403 हो गयी है। यह संक्रमित मामलों का 0.05 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 0.95 प्रतिशत हो गयी है। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 3410 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख 60 हजार 905 कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में तीन लाख 36 हजार 776 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में अब तक कुल 84 करोड़ 10 लाख 29 हजार 858 कोविड परीक्षण किए गये हैं।

ओडिशा के भद्रक में तेज बारिश शुरू; मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल में लोगों को सुरक्षित जगह जाने को कहा

एजेंसी

भुवनेश्वर/कोलकाता। बंगाल की खाड़ी में प्रवेश करने के बाद साइक्लोन असानी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। ओडिशा डिजास्टर रैपिड एक्शन फोर्स के टीम लीडर विवेकानंद दास ने बताया- ओडिशा का भद्रक में तेज बारिश शुरू हो गई है। इससे होने वाली किसी भी मुश्किल से निपटने के लिए टीम भद्रक पहुंच गई है। यहां से 11 मछुआरों को रेस्क्यू किया गया है। बंगाल में उत्तर चौबीस परगना, कोलकाता और सुंदरबन के इलाके में बारिश हो रही है। बंगाल में सभी छोटी उड़ानों को रद्द किया गया है।

भारतीय मौसम विभाग ने ओडिशा, बंगाल और आंध्र प्रदेश में तूफानी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विभाग ने लोगों से कहा है कि वे किसी सुरक्षित जगह शरण लें।

भारतीय मौसम विभाग भुवनेश्वर के वरिष्ठ वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने बताया- कल ओडिशा के तटीय इलाकों में भारी बारिश के आसार हैं। हालांकि, अगले 48 घंटों में तूफान के कमजोर होने की भी संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक साइक्लोन असानी का असर सबसे अधिक अंडमान निकोबार से लगभग 610 किमी उत्तर-पश्चिम में, पोर्ट ब्लेयर से 500 किमी पश्चिम में, विशाखापत्तनम से 810 किमी दक्षिण-पूर्व और पुरी से 880 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग चंडीगढ़ के डायरेक्टर मनमोहन सिंह ने कहा कि असानी तूफान का असर नार्थ इंडिया में नहीं है।

पर्यटन

इसके अलावा 55 प्रतिशत भारतीय तीन दिन की छोटी यात्राओं को प्राथमिकता देते हैं

कोविड की मार से उबर रहा है पर्यटन, 'हिल स्टेशन' और 'बीच' पहली पसंद

नयी दिल्ली। कोविड की मार से पर्यटन क्षेत्र उबर रहा है और लगभग 61 प्रतिशत भारतीय मनाली और गोवा सहित कई घरेलू स्थलों की यात्रा की योजना बना रहे हैं।

पर्यटन से जुड़े एक अध्ययन में कहा गया है कि लगभग 94 प्रतिशत लोगों ने देश के भीतर ही पर्यटन को वरीयता दी है। अध्ययन के अनुसार 44 प्रतिशत भारतीय ठहरने के लिए होटल को वरीयता देते हैं जबकि शेष उसके बाद निजी विला और आवासों का स्थान आता है। इसके अलावा 55 प्रतिशत भारतीय तीन दिन की छोटी यात्राओं को प्राथमिकता देते हैं।

अध्ययन में कहा गया है कि एक-तिहाई से अधिक भारतीय मनाली को अपना मनपसंद 'हिल स्टेशन' मानते हैं और गोवा पसंदीदा 'बीच' है।

कोविड महामारी के कारण लागू किये लॉकडाउन के बाद देश के अधिकांश हिस्से में पर्यटन पूरी तरह से खुल गया है। 'ओयो मिड-समर वैकेशन इंडेक्स 2022' के अनुसार अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा के खुलने के बावजूद 2022 में स्थानीय गंतव्यों को देखने का आकर्षण बना रहेगा। वर्ष 2020 के लॉकडाउन के बाद इस बार गर्मी में हर दूसरा भारतीय यात्री अपने पहली पर्यटन यात्रा पर निकलने की योजना बना रहे हैं। दिसम्बर 2021 में जब घरेलू पर्यटन खुला तो अधिकांश लोगों ने महामारी के कारण एक लम्बे समय के बाद अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलने के लिए यात्रा करने को वरीयता दी थी। छोटी यात्राएं अभी भी पर्यटकों की पहले पसंद बनी हुई हैं।

अध्ययन में कहा गया है कि प्रतिशत से अधिक लोगों ने अपने दोस्तों के साथ घूमने का विकल्प चुना, तो वहीं 26.5 प्रतिशत परिवार के साथ छुट्टियां बिताना पसंद करेंगे। मात्र 13 प्रतिशत लोग इस बार की गर्मी में अकेले ही घूमने-फिरने की इच्छा जाहिर की। एक-चौथाई लोगों के लिए 'हिल स्टेशन' सबसे मनपसंद गंतव्य बन कर उभरे हैं। करीब 22 प्रतिशत लोगों ने 'हिल स्टेशन' और 'बीच' दोनों विकल्प चुना हैं। हिल स्टेशनों के मामले में एक-तिहाई से अधिक भारतीयों ने मनाली को अपने मनपसंद हिल स्टेशन के रूप में चुना, जिसके बाद लगभग 20 प्रतिशत लोग इस बार की गर्मी में कश्मीर जाना चाहते हैं। अन्य लोकप्रिय विकल्पों में सिक्किम, ऊटी और मैकलॉएडगंज का उल्लेख भी हुआ।

ट्रस्ट के खिलाफ सड़कों पर छात्र : टीचर ने दिया इस्तीफा तो 400 स्टूडेंट्स विरोध में उतरे

इस्तीफा वापस नहीं लेने पर स्कूल छोड़ने की दी धमकी

सूरत। स्कूल-कॉलेजों में विवाद को लेकर स्टूडेंट्स का विरोध प्रदर्शन तो आपने अनेकों बार देखा होगा। लेकिन, गूजरात के सूरत शहर का यह मामला हटके है।

यहां करीब 400 स्टूडेंट्स अपने प्रिंसिपल से इस्तीफा लिए जाने का विरोध कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन में स्टूडेंट्स के साथ अभिभावक भी शामिल हैं। हालांकि, अब तक स्कूल ट्रस्ट की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है।

सूरत के रांदेर इलाके में ट्रस्ट द्वारा संचालित लोकमान्य स्कूल के प्रिंसिपल (कॉमर्स फैक्ल्टी के टीचर भी) जिज्ञेशभाई पटेल ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। जब यह बात स्टूडेंट्स को मालूम हुई तो वे स्कूल प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर उतर आए। स्टूडेंट्स का कहना है कि ट्रस्ट द्वारा उनसे जबर्दस्ती इस्तीफा लिया गया है।

विरोध प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स ने बताया कि प्रिंसिपल जिज्ञेशभाई न सिर्फ उन्हें अच्छे से कॉमर्स सब्जेक्ट ही पढ़ाते हैं, बल्कि बच्चों की समस्याएं भी सुलझाते हैं।

स्कूल की व्यवस्था में सुधार व स्टूडेंट्स के हक के लिए अपनी आवाज ट्रस्टियों के सामने भी उठाते रहते हैं। यही बात ट्रस्टियों को पसंद नहीं आती। इसे लेकर कई बार उनका ट्रस्टियों से विवाद भी हो चुका है।

हनुमान चालीसा कर रहे स्टूडेंट्स और अभिभावक

जिज्ञेशभाई का इस्तीफा वापस लिए जाने की डिमांड कर रहे स्टूडेंट्स स्कूल के बाहर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं। स्टूडेंट्स के साथ अभिवावक भी शामिल हैं। स्टूडेंट्स का यह भी कहना है कि अगर उनका इस्तीफा वापस नहीं लिया गया तो वे सभी स्कूल से एलसी (लीविंग सर्टिफिकेट) ले लेंगे।

शार्ट न्यूज

कश्मीर में बादल फटा, तीन प्रवासी मजदूरों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में सोमवार को एक ईंट भट्ठे के ऊपर बादल फटने से कम से कम तीन गैर स्थानीय मजदूरों की मौत हो गयी। तीनों प्रवासी मजदूर उत्तर प्रदेश के निवासी थे। सूत्रों ने कहा कि चांदपोरा इलाके में एक ईंट भट्ठे में बादल फटने से वहां काम करने वाले तीन गैर-स्थानीय श्रमिकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले सलीम मंसूरी, कैसर मंसूरी और मोहम्मद रईस के रूप में हुई है। शवों को चिकित्सकीय एवं कानूनी औपचारिकताओं के लिए जिला अस्पताल बडगाम भेज दिया गया है।

कश्मीर में 'हाइब्रिड' आतंकवादी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने एक 'हाइब्रिड' आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बारामूला के डेलिना घाट के तौहीद अहमद हारून को संयुक्त बलों ने एक मोबाइल वाहन जांच चौकी (एमवीसीपी) के पास गिरफ्तार किया। इस जांच चौकी को बारामूला जिले में जुहामा क्रॉसिंग के पास स्थापित किया गया था। बारामूला पुलिस अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान एक व्यक्ति को संदिग्ध हरकत करते हुए देखा गया जो कनीसपोरा की ओर आ रहा था। जांच दल को देखते ही उसने मौके से भागने का प्रयास किया। उस व्यक्ति को हालांकि बाद में पुलिस ने पकड़ लिया और तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्तौल, एक मैगजीन और पिस्तौल की नौ गोलियां बरामद की गई। उन्होंने कहा कि आतंकवादी ने बारामूला और उसके आस-पास के इलाकों में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे से ये अवैध हथियार एवं गोला-बारूद हासिल किए थे। पुलिस ने बताया कि बारामूला थाने में शस्त्र और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मणिपुर में मंत्री का सीमा पर आईसीपी के उचित रखरखाव का आह्वान

इम्फाल। मणिपुर के कपड़ा, वाणिज्य और उद्योग मंत्री नेमचा किपजेन ने कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित मणिपुर एकीकृत रसद नीति, 2022 यहां की रसद बुनियादी इंतजामों को बेहतर बनाएगी। मंत्री ने सोमवार को सीमावर्ती शहर मोरेह में स्थित इंटीग्रेटेड चेक प्वाइंट (आईसीपी) का दौरा किया और भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बातचीत की। नेमचा ने मोरेह में आईसीपी के बुनियादी ढांचे के उचित रखरखाव का आह्वान किया क्योंकि इससे न केवल भारत के गेटवे टू ईस्ट को रणनीतिक लाभ मिलेगा, बल्कि यह भारत, म्यांमार और अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के बीच व्यापार के लिए एकमात्र व्यवहार्य भूमि मार्ग भी है। उन्होंने आईसीपी और केंद्र एवं राज्य सरकार की अन्य विकासात्मक गतिविधियों/ परियोजनाओं के उचित रखरखाव के लिए स्थानीय नागरिक समाजों और ग्रामीणों से भी सहयोग की मांग की। इस दौरान मंत्री ने तेंगनौपाल जिले में औद्योगिक एस्टेट के लिए जगह के साथ-साथ मोरेह में व्यापार केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सीमावर्ती शहर के रास्ते काकचिंग जिले के कुराओपोकपी औद्योगिक एस्टेट का भी निरीक्षण किया।

उत्तराखंड हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के रिक्त पदों को जल्द भरने की मांग

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय में अधिवक्ता कोटे से तीन न्यायाधीशों के पद रिक्त होने पर न्यायालय के अधिवक्ताओं ने सोमवार को नाराजगी व्यक्त करते हुए केन्द्र सरकार से जल्द पदों को भरने की मांग की है। उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता व पूर्व सांसद डा. महेंद्र सिंह पाल ने पत्रकारों से कहा कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय में लंबे समय से अधिवक्ता कोटे के न्यायधीशों के तीन पद रिक्त हैं। वर्तमान में उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश का पद भी रिक्त है और इसी के चलते उच्च न्यायालय की कोलोजियम से किसी अधिवक्ता के नाम की संस्तुति नहीं हो सकी है। उन्होंने केन्द्र सरकार से इन पदों को भरने की मांग की है। उन्होंने देहरादून में विधि विश्वविद्यालय खोलने की घोषणा का भी विरोध किया है।

केरल उच्च न्यायालय ने आरोपियों की सजा रखी बरकरार

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने वर्ष 2006 के जम्मू-कश्मीर आतंकवादी भर्ती मामले में मुख्य आरोपी और लश्कर-ए-तैयबा के पूर्व स्वयंभू दक्षिण भारतीय कमांडर थदियांतविदा नज़ीर सहित नौ लोगों की दोषसिद्धि और सजा को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति सी जयचंद्रन की खंडपीठ ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए मामले के तीन आरोपियों को बरी कर दिया, जिनमें एमएच फैसल, मोहम्मद नवास और उमर फारूक शामिल हैं। इन आरोपियों के द्वारा जम्मू-कश्मीर के आतंकी शिविरों में केरल से युवाओं को भर्ती किया जाता था और उन्हें देश के खिलाफ साजिश रचने के लिए हथियारों का प्रशिक्षण दिया जाता था। यह मामला तब सामने आया जब सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में इनमें से चार की मौत हो गई थी। डिवीजन बेंच ने अक्टूबर, 2013 एर्नाकुलम एनआईए स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा जिसमें 13 लोगों को दोषी ठहराया गया और मामले में पांच को बरी कर दिया गया। एक तरफ जहां आरोपी ने फैसले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की, वहीं, एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने भी पांच लोगों को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती देते हुए याचिका दायर की। कोर्ट ने बीएसएनएल द्वारा जारी कॉल रिकॉर्ड स्टेटमेंट को भी मामले के संदर्भ में एक अहम सबूत माना।

कोरोना से जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों को तीन-तीन लाख की वित्तीय सहायता

फिल्लौर। पंजाब पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वी.के. भावरा ने सोमवार को सम्मान और कृतज्ञता के तौर पर पंजाब पुलिस के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान राज्य के नागरिकों की रक्षा करते हुए अपनी जान कुर्बान की थीं। फिल्लौर में महाराजा रणजीत सिंह पंजाब पुलिस अकादमी (पी.पी.ए.) में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए डीजीपी ने पंजाब पुलिस के कोविड-19 शहीदों के प्रत्येक परिवार को वित्तीय सहायता के तौर पर तीन-तीन लाख रुपए के चैक सौंप कर सम्मानित भी किया। यह समारोह पंजाब पुलिस के वैलफेयर विंग द्वारा मैनकाइंड फार्मा के सहयोग से महामारी के दौरान शहीद हुए पंजाब पुलिस के कर्मचारियों के परिवारों को सम्मानित करने के लिए करवाया गया। इस मौके पर एडीजीपी कल्याण अर्पित शुक्ला, एडीजीपी शिकायत एम.एफ. फारूकी, डायरेक्टर पी.पी.ए. फिल्लौर ए.डी.जी.पी. अनीता पुंज, मैनकाइंड फार्मा के डिवीजनल सेल्स मैनेजर सुशील कुमार वेशभूषा और अनिल खंडूरी उपस्थित थे। डीजीपी भावरा ने उनके त्याग को अद्वितीय और कभी न भूलने वाला बताया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण पंजाब पुलिस फोर्स के तकरीबन 94 जवानों की जान गई थी, जिनमें दो राजपत्रित अधिकारी और 18 होम गार्ड हैं।

शरीर से जुड़वा इंजीनियर सोहना और मोहना एसएसए के पद पर पदोन्नत

अमृतसर। एक शरीर से जुड़े हुए दो भाइयों और पंजाब बिजली बोर्ड में इंजीनियर सोहना और मोहना की परेशानी को देखते हुए बिजली बोर्ड ने उनको एसएसए के पद पर पदोन्नत करते हुए उनका तबादला मानांवाला बिजली कार्यालय में कर दिया। इंजीनियर सोहना सिंह और मोहना सिंह, जो एक ही धड़ के साथ जुड़े हुए हैं, ने ऊर्जा मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ से अपने घर से कार्यालय की दूरी संबंधी परेशानी को बताते हुए नजदीकी कार्यालय में तबादले की गुहार लगाई थी। दोनों भाई इस समय पर शक्ति कालोनी, मजीठा रोड अमृतसर में आरटीएम की पोस्ट पर तैनात हैं और अभी भी पिंगलवाड़ा के मानांवाला स्थित कैंपस में रहते हैं। उनका पालन पोषण भक्त पूरन सिंह पिंगलवाड़ा में हुआ है।

अमानतुल्लाह खान और पार्षद पर एफआईआर दर्ज करने की मांग

शाहीन बाग में बुलडोजर के विरोध के मामले में एसडीएमसी के महापौर ने कार्रवाई के लिए लिखा पत्र

नई दिल्ली । दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) के महापौर मुकेश सूर्यान ने शाहीन बाग में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में बाधा उत्पन्न करने को लेकर कुछ राजनीतिक दलों के नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए पत्र लिखा है। दरअसल, इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए महापौर को दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की तरफ से एक पत्र प्राप्त हुआ है। महापौर ने बताया कि शाहीन बाग में नौ मई 2022 को दक्षिण दिल्ली नगर निगम द्वारा पहले से निश्चित किए गए अवैध अतिक्रमण की कार्रवाई को कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा सरकारी कार्रवाई को बाधित किया गया है।

शाहीन बाग और जहांगीरपुरी में भारतीय संविधान और कानून लागू नहीं होता

उन्होंने कहा कि मेरे संज्ञान में आया है कि शाहीन बाग में वहां के विधायक मोहम्मद अमानतुल्लाह खान तथा निगम पार्षद मोहम्मद अब्दुल वाजिद खान ने सरकारी कार्रवाई में बाधा डालने का कार्य किया है। पत्र में उन्होंने कहा कि इस विषय में संज्ञान लेकर निगम द्वारा संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के संबंध में विभाग द्वारा एफआईआर दर्ज कराए जाए।

शाहीन बाग से बिना कार्रवाई के लौटा बुलडोजर

बता दें कि, शाहीन बाग में सोमवार को अतिक्रमण पर कार्रवाई के लिए गए नगर निगम के बुलडोजर को बैरंग ही लौटना पड़ा। अतिक्रमण रोधी अभियान को अंजाम देने के लिए एसडीएमसी के दस्ते के पहुंचते ही महिलाओं सहित सैकड़ों स्थानीय लोगों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया था। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा शासित एसडीएमसी और केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कार्रवाई रोकने की मांग की। कुछ महिलाएं बुलडोजर के सामने आकर खड़ी हो गईं। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के नेता भी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई के विरोध में सड़क पर बैठ गए। इस विरोध प्रदर्शन के कारण शाहीन बाग, कालिंदी कुंज, जैतपुर, सरिता विहार और मथुरा रोड सहित अन्य क्षेत्रों में भारी जाम लग गया था। विरोध प्रदर्शन के चलते अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों को नहीं हटाया जा सका और निगम का बुलडोजर बिना चले ही वापस लौट गया।

शाहीन बाग और जहांगीरपुरी में भारतीय संविधान और कानून लागू नहीं होता

जगह-जगह बन रहे मिनी पाकिस्तान : कपिल मिश्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के शाहीन बाग में अतिक्रमण पर कार्रवाई के लिए गए नगर निगम के बुलडोजर के बैरंग लौटने पर भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने हैरानी जताई है। एक वीडियो जारी कर मिश्रा ने कहा कि शाहीन बाग में भारतीय संविधान और कानून लागू नहीं होता है और पुलिस और बुलडोजर की भी वहां नो एंट्री है।

भाजपा नेता ने कहा कि आज शाहीन बाग में बुलडोजर गया और वापस आ गया। लोग उसके आगे लेट और कुछ लोग बुलडोजर पर चढ़ गए। पुलिस और बुलडोजर इन सबकी शाहीन बाग में नो एंट्री है। यही नगर निगम और दिल्ली पुलिस दिल्ली के गांधी नगर, विश्वास नगर, विजय नगर, अमर

कॉलोनी में कार्रवाई करती है। वहां कानून लागू होता है। लोगों के विरोध के बावजूद भी होता है, लेकिन आज कुछ इलाके ऐसे हो गए हैं जैसे कि शाहीन बाग, जहांगीरपुरी, सीमापुरी यहां पर भारतीय कानून, भारतीय संविधान, पुलिस और नगर निगम की नो एंट्री है। इन इलाकों में भारत का कोई संविधान लागू नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि ऐसी जगहों को क्या कहा जाए जहां पर ना पुलिस जा सकती है और ना भारत का संविधान और ना कानून लागू होता है। शाहीन बाग, जहांगीरपुरी, सीमापुरी जैसे कुछ इलाके अवैध हथियार, अवैध धंधों और अवैध घुसपैठियों के अड्डे बन चुके हैं।

कपिल मिश्रा ने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि जब भारत का कानून और संविधान लागू ही नहीं होने दे रहे हैं तो इन जगहों को क्या कहा जाएगा। यह तो दिल्ली में और देश में कई जगहों पर छोटे-छोटे मिनी पाकिस्तान बनते जा रहे हैं।

शाहीन बाग से बैरंग लौटा बुलडोजर

बता दें कि, शाहीन बाग में सोमवार को अतिक्रमण रोधी अभियान को अंजाम देने के लिए दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) के बुलडोजर के पहुंचते ही महिलाओं सहित सैकड़ों स्थानीय लोगों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया था। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा शासित एसडीएमसी और केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कार्रवाई रोकने की मांग की। कुछ महिलाएं बुलडोजर के सामने आकर खड़ी हो गईं।

आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के नेता भी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई के विरोध में सड़क पर बैठ गए। इस विरोध प्रदर्शन के कारण शाहीन बाग, कालिंदी कुंज, जैतपुर, सरिता विहार और मथुरा रोड सहित अन्य क्षेत्रों में भारी जाम लग गया था। विरोध प्रदर्शन के चलते अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों को नहीं हटाया जा सका और निगम का बुलडोजर बिना चले ही वापस लौट गया।

बीएसएफ ने सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराया, दो जगह से 12 पैकेट हेरोइन बरामद

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर सेक्टर में रविवार की मध्यरात्रि को नशीले पदार्थों की खेप के साथ एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराने में सफलता प्राप्त की है।

बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने सोमवार को बताया कि रविवार की मध्यरात्रि को लगभग 2315 बजे, अमृतसर जिले के दाओके और भरोपाल गांवों के सामान्य क्षेत्र में बीएसएफ के सतर्क जवानों ने पाकिस्तान से भारत आने वाले ड्रोन की आवाज सुनी। उन्होंने बताया कि सैनिकों ने ड्रोन की आवाज की दिशा में गोलीबारी की और फिर सीमा बाड़ के किनारे खेत में ड्रोन गिरने की आवाज भी सुनी। पूरे इलाके को तुरंत घेर लिया गया और पुलिस और वायुसेना स्टेशन बरनाला को तुरंत सूचित किया गया।

अधिकारी ने बताया कि सामान्य क्षेत्र की तलाशी के दौरान, तलाशी दल ने ग्राम-भरोपाल, जिला अमृतसर के गुरुद्वारा के पास खेत में पीले रंग के चिपकने वाले टेप में लिपटे एक

हेक्साकॉप्टर (ड्रोन) और एक काले रंग का बैग बरामद किया। हेक्साकॉप्टर में एक होल्डिंग और रिलीजिंग मैकेनिज्म था और इस मैकेनिज्म के साथ लोहे की रिंग के जरिए कंसाइनमेंट को लटका दिया गया था। हेक्साकॉप्टर के तीन विंग रॉड क्षतिग्रस्त स्थिति में पाए गए। उन्होंने बताया कि खेप खोलने पर हेरोइन के 09 पैकेट (सकल वजन-10.670 किलोग्राम) बरामद किया गया।

बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि एक अन्य घटना में सुबह के समय, सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने अमृतसर सेक्टर के अटारी क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बाड़ के आगे गश्त दौरान खेत से हेरोइन के संदिग्ध तीन पैकेट प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए।

पर्यटक नदी के समीप जाकर जान जोखिम में न डालें, परामर्श जारी

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश में बढ़ते तापमान के साथ नदियों का जल स्तर निरंतर बढ़ने के मद्देनजर परामर्श जारी किया गया है कि कोई सैलानी नदी के समीप न जाएं और न ही नदी में उतरने की कोशिश करें।

जिलाधीश कुल्लू आशुतोष गर्ग ने आज यहां जारी करते हुये कहा कि प्राय: सैलानियों को नदी-नालों के करीब सेल्फी लेते हुए देखा गया है। इस प्रकार का प्रयास जानलेवा हो सकता है। उन्होंने होटल संचालकों, टैक्सी चालकों तथा आम लोगों से आग्रह किया है कि वे बाहरी प्रदेशों से आए पर्यटकों को पर्वतीय नदी-नालों के खतरों के प्रति सचेत करें।

श्री गर्ग ने कहा कि चेतावनी जारी करने के बावजूद सैलानी अति उत्साह में नदी के समीप चले जाते हैं और उन्हें यह एहसास नहीं है कि पहाड़ों में नदी का जल स्तर अक्समात बढ़ जाता है जो जीवन के लिये खतरा बन सकता है। नदी-नाले आजकल उफान पर हैं और ऐसे में नदी से 10 फुट की दूरी बनाकर रखें ताकि अचानक बहाव आने पर अपनी जान बचाई जा सके।

उपायुक्त ने जिले के समस्त एसडीएम को नदी नालों के किनारों पर चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिये हैं। इसके अलावा अनेक स्थानों पर पुलिस के जवान भी सैलानियों को सावधान कर रहे हैं। मनीकर्ण घाटी में पार्वती नदी उफान पर है और बड़ी संख्या में युवा सैलानी जो मनीकर्ण और कसोल घूमने के लिये आ रहे हैं, नदी के किनारे जाने से बचें। नदी का तेज बहाव थोड़ी सी भूल के कारण जानलेवा बन जाता है।

उन्होंने कहा कि राफ्टिंग करते समय कोई भी सैलानी नदी की लहरों के साथ अटखेलियां करने की कोशिश न करें।

बदसलूकी पर इंडिगो के सीईओ ने मांगी माफी, दिव्यांग को देगा इलेक्ट्रिक वीलचेयर

नई दिल्ली। दिव्यांग किशोर को फ्लाइट में न बैठने देने के मामले के तूल पकड़ने पर इंडिगो के सीईओ रॉन्जॉय दत्ता ने खेद व्यक्त किया है। यही नहीं उन्होंने इलेक्ट्रिक वीलचेयर खरीदकर देने की भी बात कही है। इंडिगो एयरलाइन कंपनी के प्रतिनिधि ने रांची एयरपोर्ट पर दिव्यांग किशोर को फ्लाइट्स पर चढ़ने देने से रोक दिया था। यही नहीं किशोर के परिवार और अन्य यात्रियों की ओर से जब इसे लेकर आपत्ति जताई गई तो एयरलाइन कंपनी के कर्मचारी ने उनसे बहस भी की थी। 7 मई को हुए वाकये को लेकर कंपनी के सीईओ ने माफी मांगते हुए कहा है कि हम सभी को इस घटना से दुख पहुंचा है। उन्होंने बयान जारी करते हुए कहा कि अप्रैल महीने में ही 75,000 दिव्यांग लोगों ने इंडिगो एयरलाइन से सफर किया था और पूरी संवेदनशीलता के साथ हमारे क्रू मेंबर्स ने उनकी मदद की। इंडिगो के सीईओ ने कहा, हम यह बात अच्छी तरह से समझते हैं कि फिजिकली चैलेंज्ड बच्चों की केयर करने वाले माता-पिता समाज के सच्चे हीरो हैं। हम पीड़ित परिवार से दिल की गहराईयों से माफी मांगते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इंडिगो के कर्मचारी ने कहा था कि दिव्यांग किशोर फ्लाइट के लिए एक रिस्क हो सकता है। उसका कहना था कि शराब पिए हुए पैसेंजर और दिव्यांग किशोर यात्रा के लिए फिट नहीं हैं। बता दें कि इस घटना के सामने आने पर उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का भी बयान सामने आया था। उनका कहना था कि इस मामले की मैं निजी तौर पर जांच करूंगा। सिंधिया ने कहा था कि इस मामले में मैं जीरो टोलरेंस की नीति अपनाऊंगा।

उन्होंने कहा कि एयरलाइन स्टाफ का दुर्व्यवहार करना गलत है और इस मामले की मैं निजी तौर पर जांच करते हुए ऐक्शन लूंगा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था औ लोगों ने इंडिगो एयरलाइन के स्टाफ के व्यवहार की तीखी आलोचना की थी।

लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने औजला को सौंपी सेना की 15वीं कोर की कमान

श्रीनगर। लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडे ने सोमवार को सेना की 15वीं कोर की कमान लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह औजला को सौंपी।

श्रीनगर में सेना के प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी दी। लेफ्टिनेंट पांडे ने 2021 में जिस समय 15वीं कोर की कमान संभाली थी उस समय हालात बेहद खराब थे। जम्मू कश्मीर में दो बड़ी चुनौतियां थी एक ओर तो आतंकवाद से निपटना था तो दूसरी और कोविड-19 महामारी की दूसरी जानलेवा लहर का भी सामना करना था।

प्रवक्ता ने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान नियंत्रण रेखा पर और केंद्र शासित प्रदेश के अंदरूनी इलाकों में भी सुरक्षा की स्थिति में काफी सुधार हुआ। नागरिक प्रशासन और सुरक्षा बलों ने मिलकर कश्मीर में हालात सामान्य करने के लिए पूरी गंभीरता से काम किया और इसी का

नतीजा था कि आतंकवाद की घटनाओं में न केवल प्रभावी कमी दर्ज की गयी बल्कि आतंकवादियों की संख्या में भी सर्वाधिक कमी दर्ज की गयी।

उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल पांडे के कार्य काल में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तकनीकी खुफिया तंत्र प्रभावी तरीके से लगाया गया जिसने सीमापार से होने वाली घुसपैठ में जबरदस्त कमी आयी। इसके साथ साथ युद्ध विराम समझौतों ने नियंत्रण रेखा के करीब रहने वाले लोगों की मदद के लिए नये तरीके से प्रयास करने में मदद मिली। सेना ने एक ओर आतंकवादी के आकाओं को निशाना बनाया तो दूसरी ओर सीमावर्ती इलाके में रहने वाले युवाओं को विभिन्न नये क्रियाकलापों में हिस्सा लेने का अवसर देकर उनके अंदर छिपी प्रतिभा निखारने का काम किया। युवाओं के लिए सांस्कृतिक से लेकर खेलों के क्षेत्र में नये नये मौकों का सृजन किया। सेना के इन्हीं सब प्रयासों का परिणाम था कि इस दौरान इलाके में आतंकवादियों की संख्या घटकर अपने अभी तक के निम्नतर स्तर 150 पर जा पहुंची।

इसके साथ ही सेना ने अंदरूनी इलाकों में हिंसा के कुचक्र को तोड़ने के लिए जम्मू कश्मीर पुलिस और दूसरे केंद्रीय सुरक्षा बलों से प्राप्त सूचना के आधार पर आम लोगों को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए आतंकवादियों को हाशिये पर पहुंचाया। सेना की इस पहल के कारण स्थानीय लोगों के आतंकवादियों का साथ देने की प्रवृत्ति में कमी आयी और स्थानीय आतंकवादियों ने हथियार भी डाले। इसके साथ ही ऐसे कई कार्यक्रम भी शुरू किये गये जिससे सफेद कॉलर आतंकवादियों के युवाओं को गुमराह कर उनमें कट्टरता भरने और हिंसा के रास्ते पर धकेलने की संभावनाएं कम हुई।

लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने सेना और आम जनता के बीच संबंधों को सुधारने का काफी प्रयास किया। कश्मीर में शांति और स्थिरता लोन के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयासों को देखते हुए ही राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 26 जनवरी 2022 को उन्हें उत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया। अपने विदाई संदेश में लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने चिनार कॉर्प की तारीफ करने हुए कहा कि जवान पूरे समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने प्रदेश में शांति और समृद्धि लाने के लिए जम्मू कश्मीर पुलिस, केंद्रीय बलों, नागरिक प्रशासन और समुदाय के लोगों द्वारा दिये गये सहयोग की सराहना की साथ ही राज्य के लोगों और चिनार कोर को बधाई दी।

अज़ान विरोधी कार्यकर्ता आतंकवादी : हरिप्रसाद

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता बी के हरिप्रसाद ने सोमवार को अजान के खिलाफ अभियान चलाने वालों को आतंकवादी और ऑक्टोपस करार देकर एक नये विवाद को जन्म दिया। श्री हरिप्रसाद ने यहां संवाददाताओं से अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए असामाजिक तत्वों का इस्तेमाल करने के लिए राज्य में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, संघ परिवार के कई फ्रिंज संगठन हैं। वे ऑक्टोपस की तरह हैं जिनका उपयोग उनके द्वारा राज्य सरकार की विफलता को कवर करने और धार्मिक समुदायों में वैमनस्य पैदा करने के लिए किया जा रहा है। ऐसा करने वालों को आतंकवादी माना जाना चाहिए और यूएपीए अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

इससे पहले, कर्नाटक भर में 1,000 से अधिक मंदिरों ने मस्जिदों से अज़ान के लिए लाउडस्पीकर के उपयोग का मुकाबला करने के लिए राज्य भर में सुबह पांच बजे से सुबह छह बजे तक हनुमान चालीसा और सुप्रभात भजन बजाए।

श्री राम सेना और अन्य हिंदू समूहों की ओर से समर्थित इस अभियान के तहत मंदिरों में मंत्रोच्चार किये गए। बेंगलुरु, मैसूर, मांड्या, बेलगाम, धारवाड़, हुबली, कलबुर्गी और राज्य भर के अन्य स्थानों में स्थित मंदिरों में मंत्रोच्चार किये गये। सेना के संस्थापक और अध्यक्ष प्रमोद मुतालिक ने सुबह पांच बजे मैसूर जिले के एक मंदिर में लाउडस्पीकर के माध्यम से मंत्रोच्चार का आरंभ किया। इस बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के खिलाफ उच्चतम न्यायालय के आदेश को लागू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, इस संबंध में उच्चतम न्यायालय का एक आदेश है। उच्च न्यायालय ने शीर्ष अदालत के आदेश को कैसे लागू किया जाए, इस पर भी दिशा-निर्देश दिए हैं। अभी के लिए, मैंने सभी डीसी को इस संबंध में (धार्मिक स्थानों पर लाउडस्पीकर के खिलाफ) सुप्रीम कोर्ट के आदेश को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया है।

मुस्लिम कांग्रेस सांसदों के एक समूह ने भी आज श्री बोम्मई से मुलाकात की और राज्य में शांति एवं सद्भाव सुनिश्चित करने की मांग की। नेताओं के समूह में विधानसभा में विपक्ष के उप नेता यूटी खादर और राज्यसभा सदस्य सैयद नसीर हुसैन शामिल थे। कांग्रेस नेताओं ने श्री बोम्मई से कहा कि ध्वनि प्रदूषण के मुद्दे को किसी विशेष धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। खादर ने बोम्मई से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, यहां धर्म, जाति या पार्टी का कोई मुद्दा नहीं है। हमें और हमारे बच्चों को खुशी से रहना चाहिए और सरकार को इसके लिए माहौल बनाना चाहिए।

जयपुरवासियों ने खरीदे एक करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक के मसाले

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2022 में एक करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक के मसालों की बिक्री हुई।

जवाहर कला केन्द्र पर गत 30 अप्रैल से प्रारम्भ हुये मेले का सोमवार को समापन हो गया है। सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार मुक्तानंद अग्रवाल ने श्रेष्ठ स्टॉलों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह मेला सहकारी समितियों के व्यवसाय में वृद्धि करने के अच्छे प्रयास का एक बेहतर प्लेटफार्म प्रदान करता है। अग्रवाल ने बताया कि सहकार मसाला मेले का वास्तविक लाभ किसानों और आम उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए सहकारी संस्थाओं के विशेष उत्पाद सहकारिता के भण्डारों पर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि आमजन को कॉनफैड के माध्यम से पहली बार 15 जैविक उत्पाद उपलब्ध कराने की शुरूआत की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सहकारिता सीधे रूप में तीन करोड़ से अधिक लोगों से जुडी हुई है और यह उनकी मुस्कराहट का एक कारण है। उन्होंने कहा कि हम सहकारी संस्थाओं को आमजन की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करेंगे और उन्हें वन स्टॉप के रूप में विकसित कर एक ही छत के नीचे गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एवं सेवायें उचित मूल्य पर उपलब्ध करायेंगे। उन्होंने बताया कि सहकार मसाला मेले में सर्वाधिक बिक्री के लिए अन्य प्रदेशों में केरल स्टेट कोऑपरेटिव मार्केटिंग फैडरेशन, शीर्ष संस्थाओं में कॉनफैड, जिला भण्डारों में कोटा सहकारी उपभोक्ता भण्डार व क्रय विक्रय सहकारी समितियों में भीनमाल ने पहला स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि मेले में कारोबार एवं डिसप्ले की दृष्टि से समितियों को पुरस्कृत किया गया है।

शार्ट न्यूज

उपाध्यक्ष-पालिका परिषद् ने ग्रीन पार्क मार्केट एसोसिएशन के दुकानदारों और व्यापारियों के साथ उपाध्यक्ष-डीडीए से मुलाकात की

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने आज उपाध्यक्ष – दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से उनके डीडीए कार्यालय, विकास सदन, नई दिल्ली में ग्रीन पार्क मार्केट एसोसिएशन के दुकानदारों और व्यापारियों के साथ दुकानों की सीलिंग से संबंधित मुद्दे पर मुलाकात की । इस अवसर पर ग्रीन पार्क मार्केट एसोसिएशन के भागीरतलाल, राकेश ठकराल, विजय इसरानी, संजीव डांग, वत्स और श्री भुवन शर्मा भी उपस्थित थे। उपाध्याय ने बताया कि दुकानदारों को अपनी दुकानों की सीलिंग के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । उन्होंने कहा की कुछ दिन पहले मैं ग्रीन पार्क मार्केट एसोसिएशन के दुकानदारों और व्यापारियों के साथ आयुक्त – दक्षिणी एमसीडी कार्यालय भी इस समस्या के निवारण हेतु मिला था । उपाध्याय ने वीसी–डीडीए से अनुरोध किया कि कृपया इस मामले को देखें क्योंकि दुकानदार किसी भी अर्थव्यवस्था में रीढ़ की हड्डी की तरह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । उन्होंने कहा कि ये दुकानें उनके लिए आजीविका का मुख्य स्रोत हैं। आज अखिल भारतीय दिल्ली विकास प्राधिकरण इंजीनियर्स एसोसिएशन (एआईडीडीईए) के नवनियुक्त पदाधिकारी – परम यादव ने भी उपाध्यक्ष–डीडीए से मुलाकात की और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट करके धन्यवाद दिया।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बाइक से स्टंट करना पड़ा भारी, कटा 10 हजार का चालान

नई दिल्ली। दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे पर जान जोखिम में डालकर स्टंट करने वाले युवक की बाइक का यातायात पुलिस ने 10 हजार 500 रुपये का चालान काटा है। रविवार को बाइक से स्टंट करते युवक की फोटो वायरल हुई थी, जिसके बाद पुलिस ने एक्सप्रेसवे पर लगे कैमरों की फुटेज के माध्यम से चालान काटने की कार्रवाई की है। उधर, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) द्वारा उपलब्ध कराए गए रिकॉर्ड के आधार पर दिल्ली–मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल पर चढ़ने वाले दोपहिया वाहनों के भी चालान काटने शुरू कर दिए हैं। दोनों एक्सप्रेसवे पर दोपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित है लेकिन इसके बाद भी लगातार दोपहिया वाहन दौड़ रहे हैं, जिसके चलते लगाकर हादसे हो रहे थे। पुलिस की तैनाती के बाद भी एक्सप्रेसवे पर वाहनों को जाने से नहीं रोका जा रहा था। इसको लेकर हिंदुस्तान की टीम ने शनिवार को दोनों एक्सप्रेसवे पर पड़ताल की थी, जो रविवार के अंक में प्रकाशित हुई। पड़ताल के दौरान दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे पर गंग नगर पुल के पास मेरठ की तरफ जा रहा एक युवक बाइक से स्टंट करते हुए कैमरे में कैद हुआ था, जिसकी फोटो खबर के साथ प्रकाशित की गई। इसके बाद रविवार को एनएचएआइ के आदेश पर टोल एजेंसी ने दोनों एक्सप्रेसवे से जुड़े हरियाणा और यूपी के जिलों के संबंधित थानों में बाइक नंबरों के साथ चालान काटे जाने के लिए तहरीर दी थी। साथ में पूर्व के पत्र का भी हवाला दिया गया था कि नियम के तहत एक्सप्रेसवे पर दो पहिया वाहनों का चलना यातायात के लिहाज से सुरक्षित नहीं है। इसके चलते लगातार हादसे हो रहे हैं। बीते महीने मेरठ में तेज गति से चलते बाइक डिवाइडर से जा टकराई थी, जिसके चलते युवक फ्लाईओवर से 30 फीट नीचे जा गिरा थी, जिसमें उसका जान भी चली गई थी। इसके बाद यातायात पुलिस ने चालान काटने की कार्रवाई शुरू की गई है।

डबल मर्डर का आरोपी अनिल नागर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, 25 हजार का था इनाम

गाजियाबाद। गाजियाबाद स्थित वेव सिटी में बीती 20 अप्रैल की रात हुई नोएडा निवासी दो युवकों की हत्या के मामले में पुलिस ने कुख्यात बिल्लू दुजाना के भाई अनिल नागर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था। आरोपी के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल हुई पिस्टल और बाइक बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, रंजिश में दोनों युवकों की हत्या की गई थी। घटना में शामिल बिल्लू दुजाना और उसके दो साथियों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। गाजियाबाद के एसपी सिटी निपुण अग्रवाल ने रविवार को बताया कि 20 अप्रैल की रात वेव सिटी में दो युवकों की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई थी। मृतकों की पहचान गौतमबुद्धनगर में बादलपुर थानाक्षेत्र स्थित डेयरी मच्छा निवासी जितेंद्र और गिरधरपुर निवासी हरेंद्र के रूप में हुई थी। जितेंद्र की पत्नी प्रीति ने गौतमबुद्ध नगर के गांव दुजाना निवासी कुख्यात बिल्लू नागर और उसके चचेरे भाइयों अनिल और विनोद नागर के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था। एसपी सिटी ने बताया कि रविवार तड़के सूचना मिली कि दोहरे हत्याकांड में शामिल आरोपी बाइक से गांव जाने वाला है। सूचना पर पुलिस ने डायमंड फ्लाईओवर के पास घेराबंदी कर दी। बाइक सवार संदिग्ध युवक को आता देख पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वह मुड़कर भागने लगा। पीछा करने पर हड़बड़ाहट में आरोपी की बाइक फिसल गई, जिसके बाद वह पुलिस पर फायरिंग करते हुए पैदल भागने लगा। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की तो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान दुजाना निवासी अनिल नागर के रूप में हुई, जो मुख्य आरोपी बिल्लू दुजाना का चचेरा भाई है। पूछताछ में अनिल नागर ने बताया कि उसने बिल्लू दुजाना और उसके एक साथी के साथ दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। भाई की हत्या का लिया बदला –एसपी सिटी ने बताया कि वर्ष 2017 में बिल्लू के सगे भाई अरुण की नगर कोतवाली क्षेत्र की पंचवटी कॉलोनी में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने अरुण के नौकर समेत तीन लोगों को जेल भेजा था। घटना के वक्त बिल्लू जेल में बंद था। उसे शक था कि सट्टे की रकम की खातिर जितेंद्र और हरेंद्र ने उसके भाई अरुण की हत्या कराई है। भाई की हत्या का राज जानने के लिए जेल से बाहर आकर बिल्लू ने जितेंद्र को कई बार बुलाया, लेकिन दहशत के चलते जितेंद्र नहीं आया। बिल्लू व्हॉट्सएप कॉल करके जितेंद्र को धमकी भी दे रहा था। एसपी सिटी ने बताया कि भाई की हत्या का बदला लेने के लिए ही बिल्लू ने जितेंद्र और हरेंद्र की हत्या की।

अब दिल्ली में लिथियम आयन बैट्री से चलेंगे ई-रिक्शा, परिवहन विभाग ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली में अब उन्हीं कंपनी और फर्म को ई–रिक्शा बेचने की इजाजत होगी, जिनके ई–रिक्शा लिथियम आयन बैट्री से चलते हैं। इसे लेकर परिवहन विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि लिथियम आयन बैट्री से तैयार ई–रिक्शा बेचने की ही अनुमति होगी। साथ ही दिल्ली परिवहन विभाग की ओर से जारी वैध ड्राइविंग लाइसेंस खरीदार के नाम पर होने पर ही उसे ई–रिक्शा बेचा जाएगा। दरअसल, लिथियम बैट्री को सुरक्षित माना जाता है। अगर कोई हादसा होता है तो उससे बैट्री से किसी तरह का नुकसान होने का खतरा नहीं रहता है, जबकि दूसरे तरह की बैट्री हादसे के वक्त फट सकती है, जिससे अंदर भरा तेजाब नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि, लिथियम बैट्री की कीमत लेड एसिड सेल बैट्री की तुलना में तीन से चार गुना होती है। बिन लाइसेंस ऑटो पर भी कार्रवाई – सरकार उन ऑटो चालकों पर भी कार्रवाई कर रही है, जो बिना लाइसेंस के ऑटो चला रहे हैं। बीते दिनों से इनके खिलाफ कार्रवाई चल रही है। ऐसे अवैध ऑटो जब्त किए जा रहे हैं। साथ ही सरकार ने व्यवस्था की है कि कंपनी और एजेंसी उसी सूरत में ई–रिक्शा को बेचेगी जब रिक्शा चालक के पास परिवहन विभाग की तरफ से जारी वैध ड्राइविंग लाइसेंस होगा।

कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बीच हुआ अकादमिक समझौता

कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बीच में अकादमिक समझौता हुआ है। इस अकादमिक समझौता में डिजिटल विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री कौशल किशोर अग्रवाल जी और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रंजीत कुमार बरमन जी ने हस्ताक्षर करते हुए प्रसन्नता जाहिर की। बता दें कि इस अकादमिक समझौते से दोनों विश्वविद्यालयों के युवाओं में आत्मनिर्भर बनने का सपना साकार होगा। इस आकादमिक समझौते में यह निर्धारित किया गया है कि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,DUSR द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों व विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में छात्रों व प्रतिभागियों के बीच सूचना प्रसारित करेगा साथ ही पाठ्यक्रम अथवा कार्यक्रम पूरा होने के बाद प्रथम पक्ष DUSR द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा और प्रमाण पत्र पर द्वितीय पक्ष के नाम और लोगो का भी उचित तरीके से उल्लेख किया जाएगा। इस अकादमिक समझौते के अनुसार DUSR छात्रों अथवा प्रतिभागियों से सीधे या द्वितीय पक्ष के माध्यम से पाठ्यक्रम शुल्क के रूप में लागत की राशि वसूल करेगा साथ ही दोनों संस्थानों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से दोनों पक्ष पेशेवर व शैक्षणिक सहयोग में संलग्न होने के लिए तैयार रहेंगे। इस आकादमिक समझौते में इस बात का भी उल्लेख किया गया है कि संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में ऑनलाइन भागीदारी के साथ सार्वजनिक वार्ता, प्रस्तुतियों, व्याख्यान, प्रशिक्षण सत्र, शोध कार्य, और अन्य कार्यक्रम आयोजित करने की संभावना पर दोनों पक्ष सहमत हैं। इस समझौते के अनुसार केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अपने विभागों व स्कूलों और संबद्ध कॉलेजों एवं संस्थानों के साथ–साथ लाभार्थी छात्रों, विद्वानों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा ताकि इस एमओयू के आदर्श वाक्य को प्रथम पक्ष डीयूएसआर से जोड़ा जा सके। बता दें कि अकादमिक समझौते के सुअवसर पर ष्ठस्क्रऔर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपतियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि– निश्चित ही इस शैक्षणिक समझौते से अकादमिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा मिलेगा साथ ही यह एमओयू हमारी प्रतिबद्धता और सहयोग को मजबूती प्रदान करेगा और छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। गौरतलब है कि भारत में युवा वर्ग की आबादी सबसे ज्यादा है लिहाज़ा युवाओं के जोश, उनके कौशल और तकनीक का लोहा समूचा विश्व मानता है। आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के लिए यह और भी अधिक महत्वपूर्ण है कि भारत में कुल आबादी के करीब 65 फीसदी लोग 35 वर्ष से कम आयु के है। भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल हैं इस दृष्टि से DUSR और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बीच हुआ यह अकादमिक समझौता देश के युवाओं की स्किल को बढ़ाने के अलावा उन्हें सशक्त बनाने की एक बड़ी पहल है। यह अकादमिक समझौता नवाचार के साथ युवाओं एवं विद्यार्थियों में कौशल विकसित करने के लिए संकल्पित है।

क्या है केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय...

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना 15 अक्टूबर, 1970 को पूरे देश में संस्कृत के विकास और प्रचार के लिए सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के तहत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई थी। यह पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। यह संस्कृत के प्रचार और विकास के लिए एक शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करता है और संस्कृत अध्ययन के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं और योजनाओं को तैयार करने और लागू करने में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सहायता करता है। इसने भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा 1956 में स्थापित संस्कृत आयोग द्वारा संस्कृत भाषा और शिक्षा के सभी पहलुओं के प्रसार और विकास पर विचार करने के लिए की गई विभिन्न सिफारिशों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक नोडल निकाय की भूमिका ग्रहण की है।संस्कृत ने सभी भारतीय भाषाओं के विकास और भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोई भी भारतीय भाषा संस्कृत की सहायता के बिना विकसित नहीं हो सकती। संस्कृत प्राचीन विज्ञानों का सैद्धांतिक आधार भी प्रदान करती है। इसलिए, भारत के सर्वांगीण विकास के लिए संस्कृत को संरक्षित और प्रचारित करना आवश्यक हो जाता है। सरकार इस जिम्मेदारी के प्रति पूरी तरह सचेत है। भारत के, संस्कृत आयोग (1956–57) की सिफारिशों के अनुसरण में एक केंद्रीय संस्कृत बोर्ड का गठन किया, जिसने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की स्थापना की सिफारिश की। तदनुसार, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की स्थापना अक्टूबर 1970 में विकास के लिए सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई थी। पूरे देश और विदेश में संस्कृत सीखने का संरक्षण और प्रचार। संस्थान पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित है और केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण एजेंसी के रूप में काम करता है।

क्या है DUSR

कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय (एक आभासी मेटा विश्वविद्यालय) गैर सरकारी संगठन–व्यवहारिक विकास एवं शोध संस्था की एक इकाई है जो वर्ष 2002–03 में संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत है। कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय ऑनलाइन माध्यम से संचालित एक आभासी मेटा विश्वविद्यालय है जो युवाओं में व्यावसायिक कौशल विकसित करने, व्यावसायिक उद्यमी नागरिकों में व्याप्त कौशल को अद्यतन करने तथा भारतीय ज्ञान पद्धति ,जीवन मूल्य और कौशल विकास को केंद्रीभूत करके कार्य करने के लिए संकल्पित है।
कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय शैक्षिक तकनीक को आत्मसात करके मानव जीवन व्यवहार के सभी प्रमुख आयामों पर केंद्रित व्यावहारिक– व्यावसायिक शिक्षण प्रशिक्षण को प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वामपंथी इतिहासकारों ने भारत के गौरवपूर्ण इतिहास को खंडित किया : शेखावत

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने किया महाराणा पुस्तक का वर्चुअल विमोचन, बोले- यह पुस्तक देश में नई चर्चा का सूत्रपात करेगी

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को डॉ. ओमेन्द्र रतनू की पुस्तक महाराणा का वर्चुअल कार्यक्रम में विमोचन किया। शेखावत ने कहा कि मुगलकाल से लेकर ब्रिटिशकाल के बाद और आज तक वामपंथी इतिहासकारों ने हमें हमारे पूर्वजों के गौरवपूर्ण इतिहास से दूर रखने का काम किया। यह पुस्तक देश के झूठ परोसने वाले वामपंथी इतिहासरों पर तमाचा है और देश में एक नई चर्चा का सूत्रपात अवश्य करेगी।
केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप के गौरवपूर्ण इतिहास को वामपंथी इतिहासकारों ने खंडित किया और उसे एक जाति विशेष तक सीमित रखने का प्रयास किया, लेकिन महाराणा प्रताप का शौर्य और प्रेरक इतिहास तत्कालीन समय के अखण्ड भारत के एक व्यक्ति से जुड़ा हुआ था। इस पुस्तक को पढ़ने के बाद मैंने जाना की इस पुस्तक में वर्णित राजस्थान के वीरों का इतिहास आने वाली पीढ़ी को प्रेरणा और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को बढ़ाएगा। डॉ. ओमेन्द्र रतनु बताया कि मैंने महाराणा पुस्तक को लिखने से पहले 4 साल तक सिसोदिया वंश और महाराणाओं के जीवन का गहन अध्ययन किया। पूरे मेवाड़ में घूम–घूमकर युद्धस्थलों, महाराणाओं के जीवन से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों, किले और महलों में जाकर तथ्य जुटाए।
यह पुस्तक महाराणाओं के जीवन के कई ऐसे अनकहे पहलू समाज के सामने रखेगी, जो पूर्व इतिहासकारों द्वारा महाराणा प्रताप और सिसोदिया वंश के बारे में कहे गए कई झूठों से पर्दा उठाएगी। डॉ. रतनु ने कहा कि पुस्तक से होने वाली आय का एक हिस्सा समाजहित के कार्यों में खर्च किया जाएगा।
पूर्व आईएएस व जयपुर डायलॉग के संस्थापक संजय दीक्षित, ख्यातनाम इतिहासकार नारायण लाल उपाध्याय तथा रमणीक मान सिंह ने भी कार्यक्रम में मेवाड़ के इतिहास और महाराणा प्रताप के जीवन के विषय में अपने विचार साझा किए।
वर्चुअल कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा के नेता कपिल मिश्रा, प्रभात प्रकाशन के प्रभात और समाजसेवी निमितेकम संस्था के अध्यक्ष जय आहूजा भी उपस्थित रहे।

बर्थ-डे पार्टी में शराब पिलाकर लूटी युवती की आबरू, पीजी मालिक के दोस्त का था जन्मदिन

गुरुग्राम । दिल्ली से सटे गुरुग्राम के पीजी में रहने वाली एक 26 वर्षीय युवती को दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है पीजी मालिक के दोस्त की बर्थ–डे पार्टी में पीड़िता को शराब पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित युवती की ओर से पुलिस को दी गई शिकायत के आधार पर गुरुग्राम सेक्टर–40 थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि अभी तक इस मामले में किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस के मुताबिक, सेक्टर–40 थाना क्षेत्र स्थित एक पीजी में रहने वाली युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि वह एक निजी कंपनी में काम करती है। बीते महीने 16 अप्रैल को पीजी मालिक के दोस्त की बर्थ–डे पार्टी का आयोजन पीजी में किया गया था। उसका आरोप है कि पार्टी में शराब पिलाने के बाद पीजी मालिक के दोस्त ने उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस घटना के बाद से पीड़ित युवती काफी डरी और सहमी हुई थी और उसी के कारण पुलिस को शिकायत नहीं दी थी, लेकिन अब अब घटना के 20 दिन बाद इस मामले में शिकायत दी गई है। जांच अधिकारी ने बताया कि युवती की शिकायत पर शनिवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पीजी मालिक और उसका दोस्त दोनों फरार हैं।

रात 3 बजे तक शराब की बिक्री दिल्ली के लिए घातक : बिधूड़ी

सिर्फ टैक्स के लालच में केजरीवाल सरकार दिल्ली को कर रही है बर्बाद

गौरवशाली भारत संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने नई शराब नीति के तहत राजधानी में रात 3 बजे तक बार और रेस्टोरेंट्स खोलकर शराब सर्व करने की छूट देने के केजरीवाल सरकार के फैसले को राजधानी के लिए घातक और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। उन्होंने कहा है कि यह फैसला सिर्फ सरकारी खजाना भरने के लिए है। इससे दिल्ली की संस्कृति, कानून–व्यवस्था और सुरक्षा के लिए भारी खतरा पैदा होगा। बिधूड़ी ने उपराज्यपाल से अनुरोध किया है कि वह इस मामले पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की पहल करें।

बिधूड़ी ने कहा है कि दिल्ली में बार और रेस्टोरेंट रात 11 बजे तक खुला करते थे लेकिन नई शराब नीति के तहत अब उन्हें 3 बजे तक खोलने की छूट से दिल्ली का जीवन पूरी तरह चौपट हो जाएगा। मीडिया में आई खबरों के अनुसार दिल्ली पुलिस भी इस फैसले के पक्ष में नहीं है लेकिन दिल्ली सरकार ने टैक्स के लालच में यह फैसला लेते हुए पुलिस से भी सलाह–मश्वरा करने की जरूरत नहीं समझी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि नई शराब नीति के तहत सरकार ने किसी नियम–कायदे या परंपरा की परवाह नहीं की। अब दीवाली, रामनवमी और होली पर भी शराब के ठेके खोले जा रहे हैं जो हिंदू संस्कृति के साथ क्रूर मजाक है। ड्राई डे 21 से घटकर 3 किए जा चुके हैं। गली–गली में शराब की दुकानें खोलने के लिए मास्टर प्लान के नियमों की परवाह नहीं की गई और नॉन–करफर्मिंग और रेजिडेंशियल इलाकों में भी शराब के ठेके खोल दिए गए हैं जिससे छोटी उम्र के बच्चे भी शराबी बन रहे हैं। शराब की क्वालिटी पर भी सरकार का कोई नियंत्रण नहीं रहा क्योंकि अब शराब की क्वालिटी की जांच का अधिकार भी शराब ठेकेदारों को ही दे दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने नई शराब नीति में वही सब फैसले किए हैं जो शराब ठेकेदार चाहते थे। यहां तक कि उनका कमीशन भी 2 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया है। इन सब फैसलों से भ्रष्टाचार और स्कैंडल की साफ झलक मिलती है। बिधूड़ी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भाजपा इस सारी स्थिति को मूक दर्शक बनकर नहीं देख सकती।

'राष्ट्रीय कवि संगम (दिल्ली प्रदेश) द्वारा किया गया ' श्री राम वनगमन पथ काव्य यात्रा का अभिनंदन व आभार

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। 'श्री राम वनगमन – पथ काव्य यात्रा' सामान्य जन को श्री राम जी के संदेश से जोड़ते हुए, अशोक वाटिका (श्रीलंका) से अयोध्या तक की 45 दिनों की लंबी यात्रा का समापन 10 अप्रैल राम नवमी के दिन अयोध्या में हुआ। यात्रा के दौरान 200 स्थानों से भी अधिक जगहों पर कवि सम्मेलन आयोजित हुए, जिसमें श्री राम जी के चरित्र, पुरुषार्थ उनके त्याग व बलिदान की गाथा सुनाई गई। यात्रा में मुख्य रुप से ज्यादातर समय कई कवि जुड़े रहें साथ ही राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री जगदीश मित्तल जी जिन्होने पूरी यात्रा की संरचना की और अपना पूरा समय यात्रा को दिया। देश के बड़े कवि व राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. अशोक बत्रा जी पूरी यात्रा में साथ रहे । सभी के योगदान से यात्रा सफल रहीं और ज्यादा से ज्यादा देशवासियों को यात्रा व श्री राम जी के संदेश से जोड़ा गया। यात्रा के सफल आयोजन पर राष्ट्रीय कवि संगम, दिल्ली प्रदेश इकाई द्वारा श्री राम वनगमन पथ – काव्य यात्रा आभार व कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। श्री कपिल गर्ग (प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय कवि संगम) द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष द्वारा सभी व्यवस्थाओं कार्यक्रम संचालन व कार्यक्रम की सफलता में उनका मुख्य व महत्वपूर्ण योग्दान रहा । कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे विशेषत: वह लोग जिनकी मेहनत, लगन , प्रेरणा व समर्थ से यात्रा सफल हुई उनके अनुभव को इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के ऑडिटेरियम में बैठे सभी श्रोताओं ने सुना। यात्रा के दौरान प्रभु श्रीराम के चरण चिन्ह साथ रहे । यात्रा के बाद यह चरण चिन्ह दिल्ली में पधारे जिससे इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के साथ साथ पूरी दिल्ली का माहौल राममय हो गया । श्री राम जी के चरण चिन्ह आते ही ऐसा महसूस हुआ की खुद श्री राम हमारे साथ कार्यक्रम में शामिल हो गए। कार्यक्रम में कई महत्वपूर्ण अतिथि मौजूद रहे जिसमें पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी , संस्थापक परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश व संरक्षक, राष्ट्रीय कवि संगम जी का सानिध्य प्राप्त हुआ। स्वामी जी ने यात्रा के लिए सभी राष्ट्रीय कवि संगम के पदाधिकारियों का अभिनंदन किया । स्वामी जी ने श्री राम जी के मार्ग पर चलने की शिक्षा दी और सभी श्रोताओं को श्री राम जी के नाम से जोड़ दिया। पूज्य स्वामी जी ने कहा आज हमें पर्यावरण और दिल्ली में मुख्यता यमुना जी को बचाने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि कहीं हमें भविष्य में यह ना कहना पड़े की यमुना एक नदी थी। कार्यक्रम में श्री रमेश अग्रवाल, चेयरमैन , अग्रवाल पैकर्स मूवर्स, डॉ नंद किशोर गर्ग, कुलाधिपति महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय हिमाचल, श्री विनीत गुप्ता, अध्यक्ष, महाराजा अग्रसेन टेक्निकल एजुकेशन सोसायटी, श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, चेयरमैन , कॉन्टिनेंटल मिलकोस (इंडिया), श्री चतुर्भुज अग्रवाल, चेयरमैन, वंदना ग्रुप, रायपुर , श्री शिव खेड़ा, इंटरनेशनल मोटीवेटर व लेखक, श्री जादूगर सम्राट शंकर ,अंतरराष्ट्रीय जादूगर , श्री नरेश बंसल, राज्यसभा सदस्य, उत्तराखंड, श्री सत्यभूषण जैन, प्रसिद्द समाजसेवी , श्री जगदीश मित्तल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय कवि संगम, श्री पूरन चंद अग्रवाल, सैन्य सामग्री सप्लायर, श्री प्रदीप कुमार पांडे, कैंप कमांडर, एनएसजी ग्रह मंत्रालय, श्री हंसराज रल्हन, सोनेटेक कैसेट, व श्री मनमोहन गुप्ता, प्रभारी राष्ट्रीय कवि संगम, दिल्ली –हरियाणा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे साथ ही राष्ट्रीय कवि संगम के राष्ट्रीय सह महामंत्री श्री महेश शर्मा ,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री ईश्वर मित्तल व वित्त सचिव श्री अश्विनी अग्रवाल मौजूद रहे। स्वरंगना ग्रुप द्वारा गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, इसके पश्चात अतिथियों का सम्मान हुआ और अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम में श्री राम जी का गुणगान करने के लिए बड़े कवि पहुंचे जिसमें श्री सुदीप भोला, (जबलपुर, म. प्र.) , श्री राजेश चेतन, (दिल्ली), डॉ. अशोक बत्रा (सोनीपत, हरियाणा), श्री अर्जुन सिसोदिया (बुलंदशहर, ऊ. प्र.) श्री रसिक गुप्ता (दिल्ली), श्री विनय विनम्र (दिल्ली) व श्रीमती कल्पना शुक्ला (दिल्ली) कविगणों द्वारा प्रस्तुति की गई। सभी कवियों ने मिलकर कार्यक्रम में समा बांध दिया और सभी श्रोता कवियों की कविताएं सुन मंत्रमुग्ध हो गए। श्री जादूगर सम्राट शंकर जो देश विदेश में जादू का बड़ा नाम है उनके द्वारा जादू की प्रस्तुति भी की गई जिसने सभी को चौंका दिया। कविताओं का संचालन डॉ. अशोक बत्रा द्वारा किया गया मंच संचालन व कार्यकर्ताओं का धन्यवाद राष्ट्रीय कवि संगम, प्रदेश अध्यक्ष श्री कपिल गर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्तायो का योगदान रहा जिसका धन्यवाद भी कार्यक्रम के अंत में किया गया और कार्यकर्ताओं को श्री राम जी का स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका सम्मान किया गया।
कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री कपिल गर्ग (प्रदेश अध्यक्ष) व सभी उपाध्यक्ष , श्री मनीराम गर्ग, श्री विनय विनम्र, श्रीमती मंजू शाक्य, श्री राजीव अग्रवाल, महामंत्री श्री पी. के. आजाद व कोषाध्यक्ष श्री राहुल गुप्ता , सभी मंत्री,श्रीमती कल्पना शुक्ला, श्री मनोज मिश्रा, श्रीमती सरला मिश्रा, श्री उपेन्द्र पांडे , श्री अमरनाथ व मीडिया प्रमुख श्री दौलत शर्मा एवम समस्त दिल्ली प्रदेश इकाई का योगदान रहा। कार्यक्रम में व्यवस्थाओं की दृष्टी से श्री गौरव गोयल , श्री अमरेंद्र कुमार, डॉ इंदु गुप्ता, श्री प्रदीप पांडे की प्रमुख भूमिका रही।

भाजपा और आम आदमी पार्टी दिल्ली में गरीब लोगों पर बुलडोजर चलाकर नफरत की राजनीति कर रही है : चौ0 अनिल कुमार

दिल्ली में गरीबों पर एम.सी.डी. का नही भाजपा का बुलडोजर चल रहा है : चौ0 अनिल कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार शाहीन बाग में भाजपा शासित निगम द्वारा बुलडोजर की कार्यवाही का जायजा लेने के लिए वहां का दौरा किया। गरीबों के मकानों को तोड़ने से बचाने पर पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को छुड़ाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष कालका जी पुलिस स्टेशन भी पहुँचे। शाहीन बाग में पहुँचकर चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि ने कहा कि 15 वर्षों से दिल्ली नगर निगम में शासित भाजपा दिल्ली में अनाधिकृत अधिग्रहण को लगातार संरक्षण देती रही है परंतु तीनों निगमों के विलय के बाद तुरंत भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता द्वारा बदले की भावना से निगम को पत्र लिखकर दिल्ली में जहांगीर पुरी में बेगुनाह गरीबों पर बुलड़ोजर चलाने के आदेश देना पूरी तरह नफरत की कार्यवाही है। उन्होंने कहा कि यह एमसीडी का नही भाजपा की सोच का बुलडोजर है जो दिल्ली में चल रहा है जिसका दिल्ली की केजरीवाल सरकार मौन समर्थन कर रही है। औखला में शाहीन बाग का दौरा करने के वक्त चौ0 अनिल कुमार के साथ जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार एडवोकेट, कोषाध्यक्ष संदीप गोस्वामी, कम्युनिकेशन विभाग के वाईस चैयरमेन श्री परवेज आलम, अनुज आत्रेय, पूर्व पार्षद खविन्द्र सिंह कैप्टन, हिदायतुल्लाह, महेन्द्र मंगला, आरफा खानम मुख्य रुप से मौजूद थे।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि 15 वर्षों से भ्रष्टाचार के आंकठ में डूबी भाजपा को अचानक अनाधिकृत अधिग्रहण पर कार्यवाही करने की याद कैसे आई। उन्होंने कहा कि पहले जहांगीर पुरी और अब शाहीन बाग में बुलडोजर चलाना सीधा गरीबों पर अत्याचार करने वाला है। भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता गरीब 8 लाख रेहड़ी पटरी वालों को आतंकवादी बताना दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि केन्द्र ने पूरे देश में सभी राज्यों को रेहड़ी पटरी संरक्षण कानून के तहत अजीविका चलाने के लिए इन्हें तहबाजारी के अंतर्गत रेहड़ी पटरी लगाने का अधिकार दिया गया था।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली भाजपा के इशारे पर निगम की कार्यवाही होना दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा और आम आदमी पार्टी मिलकर दिल्ली से गरीब लोगों को अनाधिकृत अधिग्रहण के नाम पर खदेड़ना चाहती है, जिसे कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नही करेगी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में पहले ही 15 लाख से अधिक शिक्षित युवा बेरोजगार है, अब भाजपा दिल्ली में रेहड़ी पटरीवालों को उजाड़कर दिल्ली में बेरोजगारी को बढ़ावा देगी। दिल्ली में बेरोजगारी बढ़ने से अपराध भी बढ़ेंगे जिसके लिए भाजपा जिम्मेदार होगी।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि यह चिंताजनक है कि भाजपा बुलडोजर रेहड़ी पटरी के साथ–साथ दिल्ली के अनाधिकृत कॉलोनियां, गांवों तथा ओ जोन क्षेत्र में बसे 50 गरीब लोगों के मकानों को तोड़ने के लिए भी चलाया जा रहा है।

संपादकीय

अब काशी-मथुरा पर लड़ाओ-भड़काओ वाली सियासत

धर्म और राजनीति दो अलग-अगल विषय है। धर्म से हमें संस्कार मिलते हैं तो राजनीति से देश आगे बढ़ता है,लेकिन देश का यह दुर्भाग्य है कि यहां धर्म और राजनीति को एक ही तराजू पर तौला जाता है। इसी लिए यहां अक्सर ही जाति-धर्म के नाम पर नफरत के बीज बोए जाते हैं।इसी लिए तो अयोध्या के बाद अब काशी और मथुरा का विवाद गरमाया हुआ है।अयोध्या की तरह काशी-मथुरा का विवाद भी मंदिर-मस्जिद से ही जुड़ा है और कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दोनों ही जगह समय-समय पर मंदिर-मस्जिद से जुड़े लोगों के बीच टकराव जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। हालिया विवाद वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर से लगी ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर गहराया हुआ है। वैसे तो ज्ञानवापी मस्जिद काफी समय से विवादित रही है,लेकिन जब से वाराणसी की एक सिविल कोर्ट ने ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर के कुछ इलाकों के सर्वेक्षण का आदेश दिया है,तब से यह विवाद सड़क पर आ गया है और इसमें नेता नगरी के लोग भी कूद पड़े हैं।गत दिवस शुक्रवार को ज्ञानवापी मस्जिद के पास उस समय हालात बेकाबू हो गए जब बड़ी संख्या में लोग यहां नमाज पढ़ने पहुंच गए।भीड़ का आलम यह था कि ज्ञानवापी मस्जिद के आसपास की सड़कें कथित नमाजियों से पट गईं। कथित इस लिए क्योंकि इतनी बड़ी संख्या में यहां कभी यहां तक की ईद में भी इतनी बड़ी संख्या में नमाजियों का हुजूम नहीं देखा गया था। इस लिए यह माना जा रहा है कि यह भीड़ इस लिए जुटी थी क्योंकि उसी समय कोर्ट के आदेश पर सर्वेक्षण करने के लिए आने वाली थी और इस सर्वेक्षण टीम का विरोध करने की घोषणा ज्ञानवापी मस्जिद की देखभाल करने वाली अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने भी की थी।यह लोग लगातार नारेबाजी कर रहे थे। हर क्रिया की प्रतिक्रिया होती है, जब मुस्लिम जुटे तो दूसरे पक्ष से हर-हर महादेव का उद्घोष होने लगा। पुलिस को साधूवाद देना चाहिए जो उसने दोनों ही पक्षों के लोगों को समझा-बुझा कर वहां से हटा दिया,लेकिन इससे इत्तर ऐसे लोग भी जुटे हुए हैं जो नहीं चाहते हैं कि मंदिर-मस्जिद का विवाद आसानी से सुलझ जाए। इसी लिए दिल्ली से लेकर हैदराबाद तक के भाईजान भी इस लड़ाई में अपनी सियासत चमकाने में जुट गए हैं। विवाद उत्तर प्रदेश का हैं अदालत में सुनवाई चल रही है,लेकिन इस विवाद में आगे में घी डालने जैसा काम हैदराबादी ओवैसी कर रहे हैं,जिन्हें विधान सभा चुनाव में यूपी की जनता ने पूरी तरह से रिजेक्ट कर दिया था।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उलमुस्लिमीन यानी एआईएमआईएमएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भी इस विवाद में कूद गए हैं। औवेसी ने एक ट्विट करके कहा सिविल कोर्ट वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे का आदेश रथ यात्रा के रक्तपात और 1980-1990 के दशक की मुस्लिम विरोधी हिंसा का रास्ता खोल रहा है। वाराणसी की अदालत के आदेश की निंदा करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने अपने ट्वीट में कहा,' काशी की ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने का यह आदेश 1991 के पूजा स्थल अधिनियम का खुला उल्लंघन है, जो धार्मिक स्थलों के रूपांतरण पर रोक लगाता है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा,' अयोध्या के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अधिनियम भारतीय राजनीति की धर्मनिरपेक्ष विशेषताओं की रक्षा करता है जो संविधान की बुनियादी विशेषताओं में से एक है।' असदुद्दीन ओवैसी का बयान अदालत के एक आयुक्त के वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद में अदालत के आदेश के अनुसार परिसर का सर्वेक्षण और वीडियोग्राफी करने के एक दिन बाद आया है। गौरतलब हो वैसे तो यह विवाद काफी पुराना है,कहा जाता है कि मुस्लिम बादशाह औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर के एक हिस्से को तोड़कर वहां मस्जिद बनवा दी थी,लेकिन यह बात मुस्लिम लोगों ने कभी स्वीकार नहीं की।ब हरहाल,हाल ही में यह विवाद तब सुर्खियां बटोरने लगा जब दिल्ली की राखी सिंह, लक्ष्मी देवी, सीता साहू और अन्य ने वाराणसी की एक सिविल कोर्ट में एक याचिका दायर कर ज्ञानवापी मस्जिद की बाहरी दीवार पर स्थित श्रृंगार गौरी, भगवान गणेश, भगवान हनुमान और नंदी में दैनिक पूजा और अनुष्ठान करने की अनुमति मांगी थी।

राजनीतिक हितों को साधने के लिए हो रहा पुलिस का इस्तेमाल! शाह के बंगाल दौरे के मायने

वैसे तो पिछले सप्ताह कई खबरें सुर्खियों में रही। परंतु भाजपा नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा की गिरफ्तारी को लेकर जो सियासी हलचल मची, उसकी गूंज चौतरफा सुनाई दे रही है। यही कारण है कि प्रभासाक्षी के खास कार्यक्रम चाय पर समीक्षा में हमने इसी मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की। हमेशा की तरह प्रभासाक्षी के संपादक नीरज कुमार दुबे भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। नीरज कुमार दुबे से बग्गा मामले को लेकर सबसे पहला सवाल तो हमने यही किया कि क्या पुलिस राज्य सरकारों के लिए एक मोहरा बनकर रह गई है? नीरज दुबे इस सवाल का जवाब देते लेकिन उससे पहले उन्होंने यह बात साफ कर दिया कि जिस तरीके से भाजपा नेता बग्गा की गिरफ्तारी हुई है, वह कहीं ना कहीं कानून का खुले तौर पर उल्लंघन था। आम आदमी पार्टी का जिक्र करते हुए नीरज दुबे ने कहा कि वे कहते थे कि हम नई तरह की राजनीति कर रहे हैं, वह वाकई में नई तरह की राजनीति कर रहे हैं। पंजाब में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद आम आदमी पार्टी वहां के राजनीतिक विरोधियों से नहीं बल्कि दिल्ली में केजरीवाल के राजनीतिक विरोधियों से निपटने में लग गई है। इसके लिए पंजाब पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है। नीरज दुबे ने साफ तौर पर कहा कि अगर आप अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कुछ भी बोलते हैं, तो पंजाब में मुकदमा दर्ज होता है। हमने देखा है किस तरीके से पंजाब पुलिस कुमार विश्वास के घर पहुंची थी, अलका लांबा के घर पहुंची थी और अब बग्गा को गिरफ्तार करके ले गई थी। कहीं ना कहीं पंजाब पुलिस का दुरुपयोग कर आम आदमी पार्टी अरविंद केजरीवाल के विरोधियों को निपटाने के लिए कर रही है। इसके साथ ही नीरज दुबे ने एक बड़ा प्रश्न करते हुए यह भी कह दिया कि देखना होगा कि पंजाब को इस वक्त चला कौन रहा है? नीरज दुबे ने साफ तौर पर कहा कि जिस तरीके से पंजाब के मुख्यमंत्री से लेकर अधिकारी तक अरविंद केजरीवाल की क्लास में शामिल हो रहे हैं, उससे साफ तौर पर जाहिर हो रहा है कि पंजाब की सरकार दिल्ली से रिमोट कंट्रोल के जरिए चल रही है। नीरज दुबे ने कहा कि जब आप लोगों से बात करते हैं तो साफ तौर पर पता चल जा रहा है कि आखिर पंजाब में सरकार कौन चला रहा है। यह बात अब पंजाब के लोगों को भी पता चल रहा है और यही कारण है कि केजरीवाल के विरोधियों को लगातार निपटाने की कोशिश की जा रही है। अब सवाल यह है कि क्या पंजाब पुलिस ने जिस तरीके से बग्गा की गिरफ्तारी की, क्या वह तरीका सही था? इसके जवाब में नीरज दुबे ने कहा कि नियम के मुताबिक जब भी किसी पुलिस को दूसरे राज्य में जाकर किसी की गिरफ्तारी करनी होती है तो वहां के स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी जाती है। लेकिन बग्गा के मामले में ऐसा नहीं हुआ और दिल्ली पुलिस पूरे घटनाक्रम से अनजान थी। उन्होंने इस को लेकर कई उदाहरण भी दिए। अगर आप ने गिरफ्तारी से पहले किस लोकल पुलिस को नहीं बताया तो गिरफ्तारी के बाद आपको बताना होता है। ऐसा भी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इसको लेकर जो नियम और कानून बने हुए है वह पूरी तरीके से स्पष्ट हैं। अगर नियम कानून का पालन नहीं होगा तो सवाल उठेंगे और अब इन सवालों का जवाब पंजाब पुलिस और आम आदमी पार्टी की सरकार को देना है। नीरज दुबे ने इस बात को भी स्वीकार किया कि जिस तरीके से राजनीतिक दलों ने पुलिस को मोहरा बनाकर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, वह वाकई चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले कई राज्यों में आते रहे हैं। यह पुलिस की कार्यशैली पर सवाल ही नहीं उठाते बल्कि राजनेताओं पर सवाल उठाते हैं। हरियाणा पुलिस की भूमिका को लेकर भी हमने सवाल उठा दिया। हमने पूछा कि मामला पंजाब पुलिस का था, पंजाब पुलिस के बग्गा की गिरफ्तारी की थी। दिल्ली पुलिस को नहीं बताया था। लेकिन हरियाणा पुलिस की इसमें भूमिका कहां से आ गई।

युगप्रधान अलंकरण समारोह-10 मई, 2022

आचार्य महाश्रमण: महान् आध्यात्मिक कर्मयोद्धा

-ललित गर्ग-

आचार्य महाश्रमण भारत की संत परम्परा के महान् जैनाचार्य है, जिस परंपरा को महावीर, बुद्ध, गांधी, आचार्य भिक्षु, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ ने अतीत में आलोकित किया है। अतीत की यह आलोकधर्मी परंपरा धुंधली होने लगी, इस धुंधली होती परंपरा को आचार्य महाश्रमण एक नई दृष्टि प्रदान कर रहे हैं। यह नई दृष्टि एक नए मनुष्य का, एक नए जगत का, एक नए युग का सूत्रपात कही जा सकती है। वे आध्यात्मिक इन्द्रधनुष की एक अनूठी एवं सतरंगी तस्वीर हैं। उन्हें हम ऐसे बरगद के रूप में देखते हैं जो सम्पूर्ण मानवता को शीतलता एवं मानवीयता का अहसास कराता है। इस तरह अपनी छवि के सूत्रपात का आधार आचार्य महाश्रमण ने जहाँ अतीत की यादों को बनाया, वहीं उनका वर्तमान का पुरुषार्थ और भविष्य के सपने भी इसमें योगभूत बन रहे हैं। विशेषत: उनकी विनम्रता और समर्पणभाव उनकी आध्यात्मिकता को ऊंचाई प्रदत्त रह रहे हैं। भगवान राम के प्रति हनुमान की जैसी भक्ति और समर्पण रहा है, वैसा ही समर्पण आचार्य महाश्रमण का अपने गुरु आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ के प्रति रहा है। 10 मई 2022 को राजस्थान के सरदारशहर में आचार्य श्री महाश्रमण को 'युगप्रधान' अलंकरण प्रदत्त किया जा रहा है, यह उनकी जन्म भूमि भी है, जहां 13 मई 2022 को वे अपना षष्ठीपूर्ति जन्मोत्सव भी मनायेंगे।

आचार्य महाश्रमण जन्म से महाश्रमणता लेकर नहीं आए थे, महाश्रमण कोई नाम नहीं है, यह विशेषण है, उपाधि और अलंकरण है। गुरुदेव तुलसी ने इसे नामकरण बना दिया और आचार्य महाप्रज्ञ ने इसे महिमामंडित कर दिया, क्योंकि उपाधियाँ भी ऐसे ही महान् पुरुषों को ढूँढ़ती हैं जिनसे जुड़कर वे स्वयं सार्थक बनती हैं। 'युगप्रधान' की भी ऐसा ही अलंकरण है। उनके वैशिष्ट्य का राज है उनका प्रबल पुरुषार्थ, उनका समर्पण, अटल संकल्प, अखंड विश्वास और ध्येय निष्ठा। एमर्सन ने सटीक कहा है कि जब प्रकृति को कोई महान कार्य सम्पन्न कराना होता है तो वह उसको करने के लिये एक प्रतिभा का निर्माण करती है।'

निश्चित ही आचार्य महाश्रमण भी किसी महान् कार्य की निष्पत्ति के लिये ही बने हैं। ऐसे ही अनेकानेक महान् कार्यों उनके जीवन से जुड़े हैं, उनमें एक विशिष्ट उपक्रम है अहिंसा यात्रा। आचार्य श्री महाश्रमण ने दिनांक 9 मार्च 2014 को राजधानी दिल्ली के लाल किला प्राचीर से अहिंसा यात्रा का शुभारंभ किया था और इसी दिल्ली में 27 मार्च 2022 को आठ वर्षीय इस ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं विलक्षण यात्रा का समापन तालकटोरा स्टेडियम में होना एक सुखद संयोग है।

जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आनलाइन उद्बोधन हुआ तो रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिडला ने इस अवसर पर साक्षात् सम्बोधित किया।

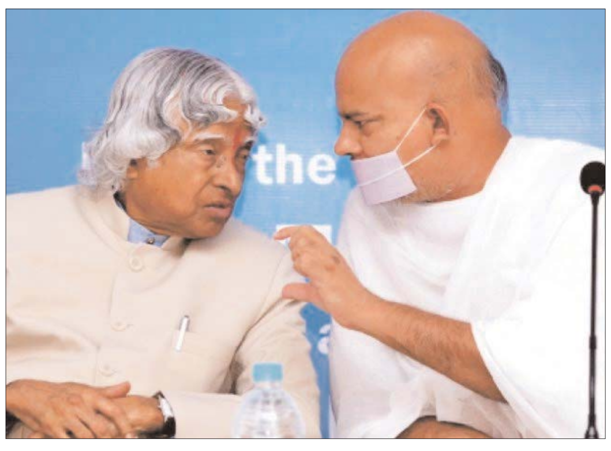

आचार्य महाश्रमण ने उन्नीस राज्यों एवं भारत सहित तीन पड़ोसी देशों की करीब सत्तर हजार किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए अहिंसा और शांति का पैगाम फैलाया। करीब एक करोड़ लोगों को नशामुक्ति का संकल्प दिलाया।

नेपाल में भूकम्प, कोरोना की विषम परिस्थितियों में इस यात्रा का नक्सलवादी एवं माओवादी क्षेत्रों में पहुंचना आचार्य महाश्रमण के दृढ़ संकल्प, मजबूत मनोबल एवं आत्मबल का परिचायक है। आचार्य महाश्रमण का देश के सुदूर क्षेत्रों-नेपाल एवं भूटान जैसे पडौसी राष्ट्रों सहित आसाम, बंगाल, बिहार, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक, तमिलनाडू, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि में अहिंसा यात्रा करना और उसमें अहिंसा पर विशेष जोर दिया जाना अहिंसा की स्थापना के लिये सार्थक सिद्ध हुआ है। क्योंकि आज देश एवं दुनिया हिंसा एवं युद्ध के महाप्रलय से भयभीत और आतंकित है। जातीय उन्माद, सांप्रदायिक विद्वेष और जीवन की प्राथमिक आवश्यकताओं का अभाव- ऐसे कारण हैं जो हिंसा को बढ़ावा दे रहे हैं और इन्हीं कारणों को नियंत्रित करने के लिए आचार्य महाश्रमण अहिंसा यात्रा के विशिष्ट अभियान के माध्यम से प्रयत्नशील बने थे।

भारत की माटी में पदयात्राओं का अनूठा इतिहास रहा है। असत्य पर सत्य की विजय हेतु मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा की हुई लंका की ऐतिहासिक यात्रा हो अथवा एक मुट्ठी भर नमक से पूरा ब्रिटिश साम्राज्य हिला देने वाला 1930 का डाण्डी कूच, बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा हो अथवा राष्ट्रीय अखण्डता, साम्प्रदायिक सद्भाव और अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व भाव से समर्पित एकता यात्रा, यात्रा के महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता।

भारतीय जीवन में पैदल यात्रा को जन-सम्पर्क का सशक्त माध्यम स्वीकारा गया है। ये पैदल यात्राएं सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक यथार्थ से सीधा साक्षात्कार करती हैं। लोक चेतना को उद्बुद्ध कर उसे युगानुकूल मोड़ देती हैं। भगवान् महावीर ने अपने जीवनकाल में अनेक प्रदेशों में विहार कर वहां के जनमानस में अध्यात्म के बीज बोये थे। जैन मुनियों की पदयात्राओं का लम्बा इतिहास है। वर्ष में प्राय: आठ महीने वे पदयात्रा करते हैं। लेकिन इन यात्राओं की श्रृंखला में आचार्य श्री महाश्रमण ने नये स्तस्तिक उकेरे हैं।

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण तो इस युग के महान् यायावर हैं। वे नंगे पांव पदयात्रा करते हैं। शहरों, देहातों, खेड़ों और ग्रामीण अंचलों में जाकर सामूहिक एवं व्यक्तिगत जनसम्पर्क करते हैं। समाज के नैतिक और आध्यात्मिक स्तर को उन्नत बनाने तथा चरित्र और अहिंसा का प्रशिक्षण देने हेतु धर्म, दर्शन, इतिहास, अणुव्रत और सामयिक समस्याओं पर चर्चा करते हैं। लोगों को व्यसनों से मुक्त कर उनकी चेतना में नैतिक उत्क्रांति के बीज वपन करते हैं, समस्त पूर्वाचार्यों से एक विशेष कालखंड में सर्वाधिक लम्बी पदयात्रा करने के फलस्वरूप आचार्य श्री महाश्रमण को पांव-पांव चलने वाला सूरज संज्ञा से अभिहित किया जाने लगा है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने तो यहां तक कहा है कि आचार्य श्री महाश्रमण अहिंसा की साक्षात् प्रतिमूर्ति हैं, आपकी अहिंसा यात्रा नैतिक क्रांति की मशाल बनकर मानव-मानव को अध्यात्म के प्रशस्त पथ पर सतत अग्रसर होने की प्रेरणा दे रही है।

निश्चित ही आचार्य महाश्रमणजी आत्मरंजन या लोकरंजन जैसी धुंधली जीवन दृष्टि से प्रेरित होकर परिव्रज्या नहीं करते। उनके सामने उद्देश्य है-समाज के मूल्य मानकों में परिवर्तन कर उसे ऊँचे जीवन मूल्यों के अनुरूप ढालना।

मानव जीवन के अंधेरे गलियारों में चरित्र का उजाला फैलाना। यात्रा जल की हो या मनुष्य की, उसकी अर्थवत्ता का आधार सदैव समष्टि का हित ही होता है। जल का प्रवाह धरती के कण-कण को हरियाता है, तो रस धार बन जाता है और यायावर समाज का निर्माण और उत्थान करता हुआ निरन्तर आगे बढ़ता है, तो कहलाता है युग पुरुष, युग निर्माता, युगप्रधान।

स्वल्प आचार्य शासना में आचार्य महाश्रमण ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। कृष्ण, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ ही साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, कबीर, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा से ऐसे जीवन मूल्यों को चुन-चुनकर युग की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य उन्होंने किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके प्रवचनों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। योग, तंत्र, मंत्र, यंत्र, साधना, ध्यान आदि के गूढ़ रहस्यों पर उन्होंने सविस्तार प्रकाश डाला है। साथ ही राजनीति, कला, विज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, शिक्षा, परिवार, समाज, गरीबी, जनसंख्या विस्फोट, पर्यावरण, हिंसा, जातीयता, भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण, भ्रूणहत्या और महंगाई के विश्व संकट जैसे अनेक विषयों पर भी अपनी क्रांतिकारी जीवन-दृष्टि प्रदत्त की है। जब उनकी उत्तराध्ययन और श्रीमद् भगवद गीता पर आधारित प्रवचन श्रृंखला सामने आई, उसने आध्यात्मिक जगत में एक अभिनव क्रांति का सूत्रपात किया है। आचार्य महाश्रमण के निर्माण की बुनियाद भाग्य भरोसे नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, पुरुषार्थी प्रयत्न, समर्पण और तेजस्वी संकल्प से बनी है।

हम समाज एवं राष्ट्र के सपनों को सच बनाने में सचेतन बनें, यही आचार्य महाश्रमण की प्रेरणा है और इसी प्रेरणा को जीवन-ध्येय बनाना हमारे लिए शुभ एवं श्रेयस्कर है।

ग्वालियर में बनेगा एरोपॉनिक आधारित आलू बीज उत्पादन केंद्र

इंडिया साइंस वायर

फसलों को रोगों एवं कीटों से बचाने के लिए जूझ रहे किसानों की मुश्किलें अब बढ़ते प्रदूषण और सिमटती कृषि भूमि की चुनौतियों से और बढ़ गई हैं। इन चुनौतियों से लड़ने के लिए कृषि वैज्ञानिक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का विकास करने में जुटे हैं, जिससे फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा बनी रहे। नये जमाने की अभिनव कृषि तकनीकों में अपनी जगह बना चुकी एरोपॉनिक पद्धति इनमें प्रमुखता से शामिल है।

एक नयी पहल के अंतर्गत विषाणु रोग रहित आलू बीज उत्पादन के लिए एरोपॉनिक पद्धति के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्वालियर में एक नया केंद्र स्थापित किया जाएगा, जहाँ आलू के बीजों का उत्पादन करने के लिए खेतों की जोताई, गुड़ाई, और निराई जैसी परंपरागत प्रक्रियाओं की आवश्यकता नहीं होगी। रोगों एवं कीटों के प्रकोप से मुक्त आलू के बीजों का उत्पादन यहाँ अत्याधुनिक एरोपॉनिक पद्धति से हवा में किया जाएगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की शिमला स्थित प्रयोगशाला केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीपीआरआई) के वैज्ञानिकों द्वारा आलू बीज उत्पादन की यह तकनीक विकसित की गई है।

ग्वालियर में एरोपॉनिक पद्धति आधारित आलू बीज उत्पादन केंद्र स्थापित करने के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं मध्य प्रदेश के उद्यानिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह की उपस्थिति में म.प्र. सरकार के साथ बुधवार को नई दिल्ली में एक अनुबंध किया गया है। कृषि अनुसंधान और शिक्षा विभाग (ष्ठ्रक्रश्व) सचिव व आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, आईसीएआर के उप-महानिदेशक (बागवानी विज्ञान) डॉ आनंद कुमार सिंह, मध्य प्रदेश के अपर संचालक-बागवानी डॉ के.एस. किराड़, केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ एन.के. पांडे, और एग्रीनोवेट इंडिया की सीईओ डॉ सुधा मैसूर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

एरोपॉनिक्स, मिट्टी या समग्र माध्यम के उपयोग के बिना हवा या पानी की सूक्ष्म बूंदों के वातावरण में पौधों को उगाने की प्रक्रिया है। एरोपॉनिक के जरिये पोषक तत्वों का छिड़काव मिस्टिंग के रूप में जड़ों में किया जाता है। पौधे का ऊपरी भाग खुली हवा व प्रकाश के संपर्क में रहता है। एक पौधे से औसत 35-60 मिनिकन्द (3-10 ग्राम) प्राप्त किए जाते हैं। चूंकि, इस पद्धति में मिट्टी का उपयोग नहीं होता, तो मिट्टी से जुड़े रोग भी फसलों में नहीं होते। वैज्ञानिकों का कहना है कि पारंपरिक प्रणाली की तुलना में एरोपॉनिक पद्धति प्रजनक बीज के विकास में दो साल की बचत करती है।

यह पद्धति पारंपरिक रूप से प्रचलित हाइड्रोपोनिक्स, एक्वापॉनिक्स और इन-विट्रो (प्लांट टिशू कल्चर) से अलग है। हाइड्रोपॉनिक्स पद्धति में पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक खनिजों की आपूर्ति के लिए माध्यम के रूप में तरल पोषक तत्व सॉल्यूशन का उपयोग होता है। एक्वापॉनिक्स में भी पानी और मछली के कचरे का उपयोग होता है। जबकि, एरोपॉनिक्स पद्धति में किसी ग्रोइंग मीडियम के बिना फसल उत्पादन किया जाता है। इसे कभी-कभी एक प्रकार का हाइड्रोपॉनिक्स मान लिया जाता है, क्योंकि पोषक तत्वों को प्रसारित करने के लिए एरोपॉनिक्स में पानी का उपयोग किया जाता है।केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कृषि के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार अनेक योजनाओं पर मिशन मोड में काम कर रही है। किसानों को फसलों के प्रमाणित बीज समय पर उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

ज्ञान को साझा करना

ज्ञान का दीप जला कर करें अज्ञान का दूर अंधेरा,वो विद्या रूपी ज्ञान अस्त्र है ऐसा

विद्या मनुष्य का असली सौंदर्यबोध होता है जो यश, सुख, समृद्धि प्रदान करने का सभी धनों से श्रेष्ठ धन है, ऐसा वेदों में भी आया है - एड किशन भावनानी

गोंदिया - दुनियां रूपी इस खूबसूरत सृष्टि में विद्या एक ऐसा धन है जो खर्च करने से याने साझा करने से बढ़ता ही चला जाता है जो सभी धनों से सर्वश्रेष्ठ धन है। इसीलिए ही बड़े बुजुर्गों ने कहा है ज्ञान को साझा करें, जैसे एक दीप हजारों दीपों को जलाकर जगमगाहट पैदा कर देता है उसी तरह ज्ञान को साझा करना भी हमारी परंपरा का हिस्सा रहा है। विद्या श्रद्धेय मां सरस्वती का ऐसा अस्त्र है जो मनुष्य का असली सौंदर्य होता है जिसके बल पर हम यश,सुख समृद्धि रूपी धन प्राप्त करते हैं जो सभी धनों से श्रेष्ठ धन हैं ऐसा वेदों कतेबों में भी आया है।

साथियों बात अगर हम विद्या की करें तो यह ज्योत किसी अमीर -गरीब, दिव्यांगों या देशों की सीमाओं तक सीमित नहीं रहती न ही इसे कोई रोक सकता है। हमने दो दिन पहले ही मीडिया द्वारा सुने कि यूपी में एक सब्जी बेचने वाली लड़की जिसके माता -पिता भी सब्जी बेचते हैं वह एक सिविल जज बन गई। महाराष्ट्र में एक ऑटो चालक की बेटी भी सीए में टॉपर आई थी। किसी गरीब के तीनों बच्चे आईएएस बन गए तो हमारे छोटे से शहर गोंदिया में भी स्टाम्प वेंडर के यहां काम करने वाले की लड़की सिविल सर्वेंट बनी।

साथियों बात अगर हम ज्ञान की करें तो, आज के समय की सबसे बड़ी शक्ति ज्ञान ही है। ज्ञान जितना देखने में छोटा, उतनी ही व्यापकता लिए हुए है। ज्ञान का क्षेत्र बहुत विशाल है। यह जीवन -पर्यंत चलता है। आज वही देश सबसे कामयाब है जिसके पास ज्ञान की अद्भुत शक्ति है। यह ज्ञान ही है जो मनुष्य को अन्य जीव-जन्तुओं से श्रेष्ठ बनाता है। ज्ञान दिया जा सकता है या रोका जा सकता है, साझा किया जा सकता है या गुप्त रखा जा सकता है, और इनमें से किसी भी मामले में शक्ति के स्रोत के बराबर है। सामाजिक प्राणी के रूप में शक्ति का प्रयोग मनुष्य को स्थानिक लगता है। ज्ञान शक्ति का स्रोत बन जाता है जब इसे दूसरों के साथ साझा किया जाता है।

साथियों बात अगर हम ज्ञान के महत्व की करें तो, ज्ञान एक चुम्बक की भांति होता है, जो आस-पास की सूचनाओं को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। यदि हमें किसी भी चीज के बारे में बेहतर ज्ञान होता है तब उस सूचना या तथ्य कोआत्मसात करना ज्यादा आसान होता है। ज्ञान सभी के जीवन में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। ज्ञान ही हमें जीवन जीने का सलीका सिखाता है। ज्ञान अर्जन की यात्रा इस संसार में आने के तुरंत बाद शुरु हो जाती है। नवजात सर्वप्रथम अपनी इंद्रियों से ज्ञान प्राप्त करता है। स्पर्श के माध्यम से उसे पता चल जाता है कि कौन अपना है, कौन पराया।

साथियों बात अगर हम सौंदर्य बोध की करें तो, सौंदर्य मतलब सुंदरता और बोध मतलब ज्ञान। यानी सुंदरता की समझ या ज्ञान ही सौंदर्य बोध है। हर किसी में सौंदर्यबोध की भावना होनी चाहिए। सौंदर्यबोध से ही हम किसी की बाह्यं या आंतरिक सुंदरता को मापते हैं। बाहरी सुंदरता उम्र के साथ ढल जाती है मगर आंतरिक सुंदरता स्थायी रहती है।

अगर व्यक्ति दुनिया में नहीं रहता तब भी वह अपने आचार-विचार व व्यवहार आदि गुणों यानी आंतरिक सुंदरता के बल पर लोगों के दिल में जिंदा रहता है। इससे साफ पता चलता है कि व्यक्ति के जीवन में आंतरिक सुंदरता का कितना महत्वपूर्ण योगदान है। किसी के आकर्षक चेहरे को देखकर ही सौंदर्यबोध करना चूक है। असली सुंदरता गुणवान होने में है। सौंदर्यबोध सदियों से हमारे विचार विमर्श का केंद्र रहा है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान आधुनिक परिप्रेक्ष्य की करें तो आज ज्ञान को साझा करने की थ्योरी एक व्यवसाय के रूप में परिणित होते जा रही है? क्योंकि वर्तमान प्रतिस्पर्धा के युग में हर किसी के पास अपनी अपनी थ्योरी और जानकारी होती है जिसके बल पर वह उस प्रोफेशन का मास्टर कहलाता है, और उसी के बल पर उसका रुतबा चलता है, तो वह उसकी चाबी है तो फिर वह अपनी चाबी किसी और को क्यों देगा ? बस!! यही सोच!! ज्ञान साझा करने का रोड़ा अपनी विशालता की ओर बढ़ता जा रहा है जिसे रेखांकित करने की ज़रूरत है।

साथियों बात अगर हम माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 8 मई 2022 को एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, कि हमेशा हमारी परंपराओं ने विशेष तौर पर ज्ञान के क्षेत्र में साझा करने पर जोर दिया है।

इसलिए, हमने जो ज्ञान अर्जित किया है, उसे साझा करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जहां नवाचार और उद्यमिता को सराहा और प्रोत्साहित किया जाता है। नवाचार और उद्यमिता दोनों में न केवल प्रौद्योगिकी के माध्यम से हमारे जीवन को आसान बनाने की क्षमता है, बल्कि कई लोगों को रोजगार के अवसर भी प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईएम, का इको-सिस्टम छात्रों में नौकरी तलाशने वाले के बजाय नौकरी देने वाले बनने की मानसिकता को बढ़ावा देगा। वेदों में ठीक ही आया है कि विद्याधनम्

न चौरहार्यं न च राजहार्य
न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं
विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।।1 ।।
विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं
प्रच्छन्नगुप्तं धनम्
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या
गुरूणां गुरु:।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा
देवता
विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं विद्या-
विहीन: पशु: ।।2 ।।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ज्ञान को साझा करना ज़रूरी हैं।

ज्ञान का दीप जला कर करे अज्ञान का दूर अंधेरा, विद्या रूपी ज्ञान अस्त्र है ऐसा। विद्या मनुष्य का असली सौंदर्यबोध होता है जो यश, सुख, समृद्धि प्रदान करने का सभी धनों से सर्वश्रेष्ठ धन है ऐसा वेदों में भी आया है।

ये कैसी विषम परिस्थितियां

**हृदय द्रवित है
शून्य कल्पनाएं
जीना हुआ संघर्ष
मैं अबोध हूं नहीं ज्ञात है
क्या होता है युद्ध
भेद दिए हैं कोमल मन
इस वार और प्रतिवार ने
किसके दिल की कौन सुने
सब हारे हैं संहार में
सांसों में विग्रह है
नहीं चैन हैं जीवन में
हर आहट भयभीत करती
गूंजे वेदना वायु थल नभ में
मानवता का पाठ पढ़ाते
मानव समझे न मानव को
अहंकार का दानव घूमें
चीत्कार हर घर आंगन में
क्या सही है क्या गलत
शांति की बोली करे पुकार
रोको हनन जीविका का
हो स्वेच्छा सामजस्य का
विस्तार**

पूनम राठौर

शार्ट न्यूज

नाबालिग किशोर ने 8 साल की चचेरी बहन से किया रेप, आरोपी गिरफ्तार

इटावा। इटावा के उसराहार क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है जिसमें एक किशोर ने अपनी चचेरी मासूम बहन से बलात्कार किया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सत्यपाल सिंह ने बताया कि मामला दर्ज करने के बाद दो टीमों के माध्यम से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, चूकि दुष्कर्म का आरोपी भी नाबालिग है इसलिए उसके खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड की नियमावली के अनुसार कार्यवाही अमल मे लाई जा रही है। सूत्रों ने बताया कि 7 मई को उसराहार पुलिस थाने मे दुष्कर्मी के शिकार बेटी की पिता ने लिखित तहरीर देकर अवगत कराया कि चार मई को उसकी 8 साल की बेटी घर पर थी। उसकी पत्नी ने वेटी के रोने की आवाज सुनी तो तत्काल घर के बाहर बने कमरे मे जाकर देखा तो बेटी के गुप्तांग से रक्तश्राव हो रहा था। परिजन तत्काल उसे डॉक्टर के पास ले गए जहां डॉक्टर ने इटावा ले जाने की सलाह दी। इटावा ले जाते समय रास्ते में बच्ची वेहोश हो गई। उपचार के लिए शांति कुन्ती देवी अस्पताल मंडी रोड इटावा मे भर्ती कराकर उपचार कराया। 7 मई की शाम बेटी को होश आया तो उसने रोते हुए अपनी मां को बताया कि ताऊ के बेटे ने उसके साथ गलत काम किया था। घटना की जानकारी होने पर थाना ऊसराहार मे लिखित शिकायत देकर धारा 376 एंव पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज कराया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद एसएसपी के निर्देश पर दुष्कर्मी लडके को शीघ्र गिरफ्तार करने के लिए दो पुलिस टीमें सक्रिय की गई। पुलिस टीमों ने मुखबिर की सूचना पर गिरफतार कर लिया गया। आरोपी भी नाबलिग है जिसे जुवेनाइल जस्टिस वोर्ड के समक्ष प्रस्तुत कर वैधानिक प्रकिया के तहत कार्यावाही अमल में लाई जाएगी।

लखीमपुर हिंसा मामलें में चार आरोपियों को जमानत देने से अदालत का इंकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में आंदोलनरत किसानों को वाहन से कुचलने के मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने सोमवार को चार आरोपियों को जमानत देने से इंकार करते हुए जिम्मेदार पदों पर आसीन लोगों से गैरजिम्मेदार बयानबाजी करने से बचने की उम्मीद जतायी है। इस मामले में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र 'टेनी' के बेटे और मुख्य आरोपी आशीष मिश्र 'मोनू' की जमानत उच्चतम न्यायालय से रद्द होने के बाद सोमवार को उच्च न्यायालय ने जेल में बंद चार अन्य आरोपियों को जमानत देने से इंकार करते हुए अपनी सख्त टिप्पणी में कहा कि केंद्रीय मंत्री ने अगर किसानों को धमकी भरे तथाकथित बयान नहीं दिये होते तो लखीमपुर खीरी में किसानों के साथ हिंसक वारदात नहीं होती। न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह ने अपने आदेश में कहा, उच्च पदों पर आसीन राजनीतिक व्यक्तियों को यह ध्यान में रखते हुए सभ्य एवं शालीन भाषा में सार्वजनिक बयान देना चाहिये, कि उनके बयानों के समाज में क्या नतीजे हो सकते हैं। ऐसे लोगों को गैर-जिम्मेदाराना बयान नहीं देना चाहिए क्योंकि उनके लिये अपने उच्च पद की गरिमा और सामाजिक स्तर के अनुरूप आचरण करना आवश्यक है।
अदालत ने इस मामले की तफ्तीश कर रही जांच एजेंसी के पूरक हलफनामे और आरोप पत्र का हवाला देते हुए कहा कि अगर गृह राज्य मंत्री ने कथित तौर पर धमकी भरे बयान नहीं दिये होते तो यह घटना होती ही नहीं। परिणामस्वरूप उनके बेहद होनहार पुत्र और अन्य आरोपियों के हाथों क्रूरतम, शैतानी, बर्बर, वीभत्स और अमानवीय ढंग कई निर्दोष लोगों की जान न जाती।

योगी के मंत्री ने मूंगफली विक्रेता के घर किया भोजन

इटावा। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सोमवार को दलित मूंगफली विक्रेता के घर पर भोजन किया। बाबूराम चक मूंगफली बेच कर अपने परिवार का भरोस पोषण करते हैं। बाबूराम की पत्नी रूबी बताती है कि उन्होने मंत्री जी को खाने के लिए भिंड,रयाता के अलावा रोटी,चटनी आदि बनाई थी । मंत्री भोजन करने के बाद बेहद खुश हुए है । रूबी बताती है कि उन्होने अपने परिवार के जीवन उत्थान के लिए श्री अग्रवाल से अनुरोध किया है जिस पर उन्होने मदद का भरोसा दिया है । मंत्री के साथ डीएम श्रीमती श्रुति सिंह एसएसपी जय्रपकाश सिंह के अलावा भाजपा अध्यक्ष संजीव राजपूत महामंत्री शिवाकांत चौधरी,प्रशांत राव,अन्नू गुप्ता,जितेंद्र गौड,सुशांत राजपूत आदि भी शामिल रहे । दो दिनी दौरे पर सोमवार को इटावा पहुंचे श्री अग्रवाल ने अधिकारियो से संक्षिप्त बातचीत के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रतिनिधियों और चुंनिदा कार्यकर्त्ताओ से बैठक की। दोपहर सवा दो बजे वह मलिन बस्ती सुमार सती मुहल्ला मे मूंगफली बेचने वाले बाबूराम चक के घर भोजन करने के लिए मंत्री पहुंच गये। भाजपा जिला महामंत्री शिवाकांत चौधरी बताते है कि अग्रवाल दूसरे दिन यात्रि मंगलवार को बसरेहर विकास खंड के खेडाहेलू गांव मे जन चौपाल मे हिस्सा लेगे करीब एक घंटे तक लोगो की समस्याओ को सुनेगे ।

अदालत में ज्ञानवापी मामले की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रहेगी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में वीडियोग्राफी-सर्वे मामले में स्थानीय अदालत में सोमवार को सुनवाई पूरी नहीं हो पाने के कारण यह मंगलवार को भी जारी रहेगी। सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर की अदालत में सोमवार को वीडियोग्राफी के लिये नियुक्त एडवोकेट कमिश्नर ने अपना पक्ष रखा। मस्जिद पक्ष की ओर से एडवोकेट कमिश्नर पर भेदभाव बरतने का आरोप लगाते हुए उन्हें बदलने की मांग की गयी है। अदालत में सोमवार को वादी पक्ष की ओर से कहा गया कि वीडियोग्राफी सर्वे के लिये मस्जिद परिसर में पहुंची टीम शनिवार को अपना काम नहीं कर पायी थी, लिहाजा अदालत से अनुरोध किया गया कि वह सर्वे में बाधा डालने वाले लोगों को हटाने के निर्देश दे। दोनों पक्षों के वकीलों ने सुनवाई के दौरान सर्वे की अगली तारीख तथा एडवोकेट कमिश्नर को बदलने के मुद्दे पर अपनी दलीलें दी। सुनवाई आज पूरी नहीं हो पायी तथा यह मंगलवार को जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि पांच महिला श्रद्धालुओं ने अदालत में याचिका दायर की थी कि उन्हें परिसर में स्थित श्रृंगार गौरी और अन्य देवी देवताओं के नियमित दर्शन पूजन की अनुमति दी जाये। अदालत ने उनकी याचिका पर परिसर की वीडियोग्राफी कर अदालत के समक्ष रिपोर्ट पेश करने के लिये एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया था। गत छह जून को पहले दिन वीडियोग्राफी बिना किसी बाधा के संपन्न हुयी, लेकिन इसके अगले दिन मस्जिद पक्ष के विरोध के कारण यह पूरी नहीं हो सकी।

नैनो यूरिया के उपयोग के लिए झांसी में किसानों को किया गया जागरूक

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के बबीना विकासखंड में इफको के उत्पाद नैनो यूरिया के उपयोग को लेकर किसानों को जागरूक करने के लिए सोमवार को जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में क्षेत्रीय किसानों के अलावा विकास खण्ड बबीना के सहकारी समितियों के सभी सचिवों द्वारा भाग लिया गया। संगोष्ठी में क्षेत्र अधिकारी इफको जीतेन्द्र सिंह ने बताया कि इफको नैनो यूरिया के प्रयोग से एक तरफ जहां कृषि लागत में कमी आती है वहीं दूसरी तरफ नैनो यूरिया का पत्तियो पर छिड़काव करने से नाइट्रोजन की सफलतापूर्वक आपूर्ति हो जाती है, जिससे उत्पादन और उत्पाद की गुणवत्ता में वृद्धि के साथ साथ पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। नैनो यूरिया इफको की तरल यूरिया है जो 500 मिली लीटर की बोतल में उपलब्ध होती है। प्रति बोतल 240 रुपये की कीमत निर्धारित की गयी है तथा लगभग 125 लीटर पानी में एक बोतल नैनो यूरिया का घोल तैयार करके मशीन के माध्यम से छिड़काव किया जाता है तथा एक बोतल नैनो यूरिया दो बोरी यूरिया के बराबर का काम करती है। संगोष्ठी में सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता अनूप कुमार द्विवेदी एवं उप आयुक्त एवं उप निबन्धक सहकारिता झांसी उदय भानु सिंह द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किये गये। सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने क्षेत्रीय किसानों को अवगत कराया कि जनपद में नैनो यूरिया की कुल उपलब्धता 20000 बोतल है एवं इसे प्रत्येक सहकारी समिति उपलब्ध कराया जा रहा है। सहकारी समिति से ही नैनो यूरिया के छिड़काव के लिए मशीन भी किसानों को उपलब्ध करायी जा रही है ताकि बिना किसी समस्या के किसान नैनो यूरिया का लाभ उठा सके।

अखिलेश का आरोप, जाति और धर्म के आधार कर काम कर रही यूपी सरकार

एजेंसी

वाराणसी। विभिन्न आरोपों में वाराणसी जेल में बंद समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं से सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मुलाकात की। उनसे मिलने के बाद अखिलेश ने पत्रकारों से कहा कि यूपी सरकार भेदभाव कर रही है और जाति और धर्म के आधार पर काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो कार्यकर्ता रोजे में उपवास पर थे उन्हें जेल भेज दिया और उन्हें अपनी ईद जेल में मनानी पड़ी। सपा नेता ने भरोसा दिया कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ हैं और उन्हें हर संभव कानूनी सहायता प्रदान की जाएगी। इससे पहले, अखिलेश ने चंदौली कांड में पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए दावा किया कि पुलिस की पिटाई से ही युवती की मौत हुई है। चंदौली में युवती के परिजनों से मिलने पहुंचे अखिलेश ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा कि क्या कोई कल्पना कर सकता है कि पुलिस दबिश (छापे) के बहाने दबंग बनकर दिखाएगी। अखिलेश ने सवाल उठाया कि पुलिस को किसी भी घर में घुसकर मारपीट करने का अधिकारी किसने दिया। किस कानून के तहत, उसे (पुलिस को) लोगों को पीटने का अधिकार मिला।
सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि वह (चंदौली की युवती) पुलिस की पिटाई के कारण मर गई। उन्होंने हत्या के आरोप में भादंसं की धारा 302 (हत्या) के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। अखिलेश ने कहा कि पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाए और उन्हें जेल भेजा जाए। आपको बता दें कि बीते 1 मई को चंदौली में पुलिस की छापेमारी के दौरान एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी जिसके बाद छह पुलिसकर्मियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया था। परिवार वालों ने आरोप लगाया था कि युवती के साथ दुष्कर्म किया गया।

दो साल में एक करोड़ से ज्यादा लोगों ने पाया आरोग्य मेले का लाभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभ उपलब्धता के उद्देश्य से शुरू 'मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों' में अब तक एक करोड़ से ज्यादा लोग स्वास्थ्य लाभ ले चुके हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि फरवरी, 2020 में शुभारंभ होने के बाद से अब तक आयोजित हो चुके 43 मेलों में 01 करोड़ 01 लाख 19 हजार से ज्यादा लोग इन मेलों का लाभ ले चुके हैं। इनमें से 1.54 लाख गंभीर रोगियों को उच्च स्वास्थ्य केन्द्रों पर रेफर किया गया,जबकि 8.81 परिवारों को आयुष्मान भारत- गोल्डेन कार्ड भी मिला। उन्होने दावा किया कि पहले मेले से लेकर बीते 08 मई को 43वें मेले में आमजन की बढ़ती भागीदारी से स्पष्ट है कि जाँच-उपचार, गोल्डेन कार्ड वितरण के साथ स्वास्थ्य योजनाओं की सहज उपलब्धता के कारण यह मेला आमजन में निरंतर लोकप्रिय रहा है। पूर्व के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण में मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला प्रदेश के सभी ग्रामीण एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित किए गए थे। इसके अतिरिक्त गम्भीर रोगियों को सरकारी एम्बुलेंस से उच्चतर चिकित्सा केन्द्रों पर रेफर किया गया। यही नहीं, इन स्वास्थ्य मेलों में कोरोना वायरस से बचाव के समस्त उपाय किए गए थे तथा मेले के माध्यम से जनसामान्य को कोरोना वायरस से बचाव के बारे में अवगत कराते हुए इसके सामान्य लक्षणों के बारे में भी बताया गया।

झांसी में बनने जा रहा है अंतरिक्ष संग्रहालय

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में स्मार्ट सिटी योजना के तहत अंतरिक्ष संग्रहालय बनाया जा रहा है।
मण्डलायुक्त अजय शंकर पाण्डेय ने झांसी स्मार्ट सिटी की संभावित एवं महत्वाकांक्षी योजना, अंतरिक्ष संग्रहालय की सोमवार को समीक्षा की। इस समीक्षा के दौरान स्पेस म्यूजियम के अन्तर्गत होने वाले कार्यों एवं की जाने वाली गतिविधियों को अंतिम रूप दिया। इस योजना की लागत 35 करोड,95लाख,36 हजार,363 है यह योजना नवम्बर, 2022 को झांसीवासियों को लोकार्पित कर दी जायेगी।
मण्डलायुक्त ने बताया कि आकाश, अनादि काल से मनुष्य के लिये जिज्ञासा का स्त्रोत रहा है और अब भी अंतरिक्ष में मनुष्य की जिज्ञासा बनी हुई है। झांसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा यह परियोजना इस प्रकार अंतरिक्ष के लिये आगंतुकों की जिज्ञासा की प्यास को बुझाने का प्रयास है। स्पेस म्यूजियम में यह तकनीक होगी कि जो भारतीय दृष्टिकोण से अंतरिक्ष के इतिहास हमारे ब्रह्माण्ड के काम करने के तरीके, भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास, अंतरिक्ष वाहनों, अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्री और अन्य अंतरिक्ष से सम्बन्धित प्रदर्शनियों के बारे में कुछ तथ्यों को डिजिटल और परस्पर संवादात्मक मीडिया के माध्यम से प्रदर्शित करेगा। अंतरिक्ष संग्रहालय में ब्रह्माण्ड मंडल, ओरिएनटेशन गैलरी,अंतरिक्ष की उत्पत्ति , अंतरिक्ष में विस्फोट, सितारों का जीवन और मृत्यु, काला बौना, लाल बौना , सुपरनोवा धमाका, ब्लैक होल , सौर प्रणाली, अंतरिक्ष का अन्वेषण, भारतीय खगोल विज्ञान, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान, अंतरिक्ष वाहन और अंतरिक्ष पर जीवन जैसे विषयों को दिखाया जायेगा।

बिकरू कांड : विकास दुबे के साथ मां-पत्नी-भाई और बेटों के नाम पर दर्ज 67 करोड़ की संपत्ति जब्त

कानपुर। बहुचर्चित बिकरू कांड के बाद एनकाउंटर में मारे गए हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे और उसके रिश्तेदारों की 67 करोड़ की संपत्तियां जब्त कर ली गई हैं।
जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि अब लखनऊ व कानपुर देहात के डीएम को संपत्तियों पर रिसीवर बैठाने का पत्र भेजा जाएगा। आदेश जारी करके गैंगस्टर कोर्ट भेज दिया गया है। एसपी आउटर अजीत सिन्हा की रिपोर्ट पर डीएम कोर्ट ने इन्हें अटैच कर दिया।
इनमें बिकरू, चौबेपुर, कानपुर देहात और लखनऊ में 13 अचल तो बाकी 10 चल संपत्तियां हैं।
अब संपत्तियों पर तहसीलदार स्तर का अधिकारी बतौर रिसीवर तैनात होगा। कानपुर देहात व लखनऊ डीएम को रिसीवर बैठाने का पत्र भेजा जाएगा। बिकरू कांड को अंजाम देने वाले विकास दुबे, उसकी पत्नी रिचा दुबे और अन्य रिश्तेदार की बेनामी संपत्तियों की काफी समय से जांच चल रही थी। विकास के बिकरू स्थित मकान पर बुलडोजर चलने के बाद उसकी अन्य संपत्तियों पर भी नजर थी।
पुलिस की रिपोर्ट के बाद डीएम कोर्ट ने संपत्तियां जब्त कर लीं। ये संपत्तियां विकास दुबे, उसकी मां सरला दुबे, पत्नी ऋचा दुबे, छोटे भाई दीपू, बेटे आकाश और शानू के नाम पर हैं।

आगरा : ताजमहल में लड्डू बांटने पहुंचे हिंदू महासभा कार्यकर्ता, पुलिस ने बाहर ही रोका

आगरा। विश्व धरोहर ताजमहल का विवादों से नाता गहराता जा रहा है। जगतगुरु परमहंस आचार्य को प्रवेश से रोके जाने के बाद सोमवार को एक बार फिर ताजमहल चर्चा में आ गया। वहां हिंदू महासभा के कार्यकर्ता लड्डू बांटने पहंच गए। बैरियर पर चेकिंग के दौरान मिठाई मिलने पर पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इस पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे ताजमहल को लेकर याचिका दायर किए जाने पर खुशी जाहिर करने आए हैं। बहरहाल, पुलिस ने उन्हें ताजमहल के पश्चिमी बैरियर से आगे नहीं बढ़ने दिया। स्मारक के अंदर जाने से सभी को रोक दिया गया।
कार्यकर्ता लड्डू बांटने ही वाले थे कि पुलिस ने उन्हें रोक दिया। गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में एक याचिका दायर कर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ताजमहल के 22 बंद कमरों की जांच करने का निर्देश देने की मांग की गई है जिससे पता लगाया जा सके कि वहां हिंदू देवताओं की मूर्तियां तो नहीं हैं। याचिका में यह भी मांग की गई है कि एएसआई एक तथ्य-खोज समिति का गठन कर इस पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे। याचिका में दावा किया गया है कि बंद दरवाजों के पीछे हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों को बंद करके रखा है। याचिका में कुछ इतिहासकारों और हिंदू समूहों द्वारा स्मारक के पुराने शिव मंदिर होने के दावों का भी हवाला दिया गया है।
कहा गया है कि कुछ हिंदू समूह और प्रतिष्ठित संत इस स्मारक को कई इतिहासकारों व तथ्यों द्वारा समर्थित पुराने शिव मंदिर के रूप में दावा कर रहे हैं।
वहीं, कई इतिहासकार इसे मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा निर्मित ताजमहल के रूप में मानते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि तेजो महालय उर्फ ताजमहल एक ज्योतिर्लिंग यानि उत्कृष्ट शिव मंदिरों में से एक प्रतीत होता है। याचिका में आगे कहा गया है कि यह सम्मानपूर्वक प्रस्तुत किया जाता है कि चार मंजिला इमारत के ऊपरी और निचले हिस्से (लगभग 22 कमरे) में स्थित कुछ कमरे स्थायी रूप से बंद हैं। पीएन ओक जैसे इतिहासकार और करोड़ों हिंदू उपासकों का दृढ़ विश्वास है कि उन लॉक रूम में भगवान शिव का मंदिर मौजूद है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मददगार साबित हो रही है गुलाबी मीनाकारी

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गुलाबी मीनाकारी अपनी खूबसूरत कारीगरी से जहां पूरी दुनिया में धूम मचा रही है। वही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी मददगार साबित हो रही है।
आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सरकार की 'समर्थ' योजना के अंतर्गत महिलाओं को गुलाबी मीनाकारी का हुनर सिखाया जा रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश यात्रा के दौरान अपने ख़ास मेहमानों को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बनी गुलाबी मीनाकारी के उत्पादों को उपहार स्वरुप देते है। जिससे इस जीआई उत्पाद की मांग देश और विदेश में बढ़ती जा रही है। गुलाबी मीनाकारी से दूर हो रहे शिल्पी अब प्रशिक्षण लेकर एक बार फिर इस प्राचीन कला से जुड़ रहे है। जी.आई.उत्पाद और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट में शामिल गुलाबी मीनाकारी की ख़ूबसूरती कायल पूरी दुनिया होती जा रही। सहायक निदेशक हस्तशिल्प अब्दुल्ला ने बताया कि सरकार गुलाबी मीनाकारी का हुनर सिखाने के लिए 'समर्थ' नाम से प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है। जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है। समर्थ नाम से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम 65 दिनों का होता है। जिसमें सरकार प्रशिक्षुओं को 300 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि भी देती है। ये प्रशिक्षण कार्यक्रम वस्त्र मंत्रालय द्वारा कराया जा रहा है।

हमीरपुर और ललितपुर में मिले दहाई अंक में नए केस

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के नये मामलों में तेजी आने से सरकार ने सख्ती बरतने के निर्देश दिये हैं। पिछले 24 घंटे में हमीरपुर और ललितपुर में कोरोना के दस से अधिक मरीज मिले हैं।
आधिकारिक सूत्रों ने सोमवारको बताया कि वर्तमान में प्रदेश में कुल 1567 एक्टिव केस हैं। इसमें 1487 लोग घर पर ही स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं और उनमें से कोई भी गंभीर नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज उच्चस्तरीय बैठक में आला अधिकारियों को टेस्टिंग की संख्या को तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हमीरपुर और ललितपुर में भी दहाई अंक में नए केस की पुष्टि होने पर सीएम ने इन दोनों जिलों में भी इनके कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और ट्रैवल हिस्ट्री का आंकलन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आला अधिकारियों से कहा कि जिन जिलों में केस अधिक मिल रहे हैं वहां सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाया जाना अनिवार्य करें और इसका प्रभावी अनुपालन कराएं।
बीते 48 घंटों में प्रदेश में 305 नए संक्रमण के मामलों की पुष्टि हुई, जिसमें गौतमबुद्ध नगर में 124, गाजियाबाद में 41, लखनऊ में 23, आगरा में 20 नए केस शामिल हैं। इस बीच 771 संक्रमितों ने संक्रमण को मात दी है। उत्तर प्रदेश में अब तक कोविड टीके की 31 करोड़ 77 लाख डोज दी जा चुकी है। जबकि यूपी में 11 करोड़ 21 लाख से अधिक कोविड टेस्ट भी किए जा चुके हैं। 18 से अधिक आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज दी जा चुकी है, जबकि 89 प्रतिशत वयस्क लोगों को दोनों खुराक दी जा चुकी है।

स्टार्टअप लाइये, सरकार आपके साथ खड़ी है : भानुप्रताप

झांसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना नगरी झांसी स्थित बुंदेलखंड विश्वविद्यालय(बुंविवि) में सोमवार को मेधावी छात्रों को टेबलेट वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय एमएसएमई मंत्री भानुप्रताप सिंह वर्मा ने कहा कि आप अपने स्टार्ट अप लाइये,सरकार आपके साथ खड़ी मिलेगी।
यहां आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनो के अनुरूप युवा शक्ति को डिजिटल संसाधनों से जोड़ कर नए भारत के निर्माण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। बुंदेलखंड मेरी कर्मभूमि है इस परिसर में मेरा विशेष लगाव है ।उत्तर प्रदेश सरकार की डिजिटल योजना निश्चय ही युवाओं को नवाचार के लिए प्रेरित करेंगी और विश्व स्तर पर अपनी उपस्थिति को दर्ज कराएगी। वर्तमान

सरकार भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए कृत संकल्पित है। डिजिटल क्रांति के द्वारा सरकार दुनिया में भारत की उपस्थिति को मजबूती के साथ रखना चाहती है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक तकनीकी शिक्षण प्रणाली और जन उपयोगिता की नियमित सत्र एक बड़ी उपलब्धि है। प्रवेश, अध्ययन, परीक्षा और दीक्षांत की नियमितता और शुचिता इस विश्वविद्यालय को बहुत ही खास बनाती है।
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मुकेश पाण्डेय ने कहा कि तकनीकी ही वह माध्यम है जिससे दुनिया से बहुत आसानी से जुड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार को मोबाइल एवं टैबलेट योजना युवाओं को तकनीक से जोड़ने की एक बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है। इसके दीर्घकालीन परिणाम बहुत अच्छे आएंगे।
इस समारोह के विशिष्ट अतिथि झांसी के सांसद, वैद्यनाथ समूह के अध्यक्ष और इस विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष अनुराग शर्मा ने कहा कि बुंदेलखंड को लेकर शुरू किए जाने वाले प्रत्येक परियोजना में वह सहयोग के लिए तैयार हैं। उन्होंने पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष के रूप में 10 लाख रुपये के अनुदान की घोषणा करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय के छात्र बुंदेलखंड के विकास को लेकर परियोजनाएं लाये, उन्हें हर प्रकार का सहयोग अवश्य मिलेगा।
सभी का उद्देश्य एक विकसित भारत का निर्माण करना है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी देश के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा आगे आएं और सरकार के कदमों से कदम मिलाकर चलें जिससे जल्दी ही भारत एक विकसित राष्ट्र बन सके।
इस अवसर पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी वसी मोहम्मद, परीक्षा नियंत्रक राजबहादुर, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ मुन्ना तिवारी, सभी विभागों के आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुंबई में रह रहे यूपी के उद्यमियों के लिये खुलेगा दफ्तर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निवेश के नये नये विकल्प तलाशने में जुटी योगी सरकार जल्द ही महाराष्ट्र की राजधानी मुबंई में एक नया कार्यालय स्थापित करेगी जिसका मकसद मुंबई में रह रहे उप्र के निवासियों को अपने प्रदेश में निवेश करने, उनके हितों की रक्षा व उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना होगा।
आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उप्र सरकार द्वारा प्रस्तावित इस कार्यालय के माध्यम से उन तमाम उप्र के निवासियों से जुड़ना संभव होगा जो या तो लंबे समय से मुंबई में नौकरी या व्यवसाय के लिए रह रहे हैं, या वे, जो हर वर्ष रोजगार की तलाश में मुंबई जाते हैं और समय समय पर (या किसी आपदा की स्थिति में) उप्र वापस आते हैं।
एक अनुमान के अनुसार, मुंबई की 1 करोड़ 84 लाख जनसंख्या में लगभग 50 से 60 लाख उत्तर भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जिनमे उप्र से आने वालों की संख्या सर्वाधिक है। मुंबई में ये लंबे समय से रह रहे हैं और समय समय पर अपने घर उत्तर प्रदेश के अलग जिलों में आते रहते हैं। मुंबई में उद्योग, सेवा क्षेत्र, खुदरा व्यापार, ट्रांसपोर्ट, खाद्य व्यवसाय, फैक्ट्री या मिल जैसे कई क्षेत्रों में उप्र के लोगों का उल्लेखनीय योगदान है। ऐसे कई क्षेत्र हैं जहां मुंबई के निवासियों के जीवन में इनकी बड़ी भूमिका है। उद्योग व स्टार्टअप के क्षेत्र में भी उप्र के निवासी मुंबई में उल्लेखनीय कार्य रहे हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्म, टेलिविज़न, मैन्यूफैक्चरिंग, फाइनैन्स, खाद्य प्रसंस्करण आदि उद्योगों में उप्र के उद्यमियों का बड़ा योगदान है।
इसके साथ, असंगठित क्षेत्र में भी उप्र के कामगार बड़ी संख्या में मुंबई में काम कर रहे हैं। पिछले दो वर्षों में कोविड आपदा व लॉकडाउन के कारण बड़ी संख्या में इन्हे मुंबई से वापस अपने गृह राज्य उप्र आना पड़ा था, और उस समय योगी सरकार द्वारा एक विशाल योजना के अंतर्गत न केवल इन्हे सकुशल उप्र लाया गया बल्कि उन्हे उनके गृह जिलों तक भी भेजा गया था।
सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित कार्यालय के माध्यम से मुंबई में रह रहे उप्र वासियों को उत्तर प्रदेश में पर्यटन, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं से अवगत करा कर उन्हे यहाँ उद्यम लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। साथ ही, उनसे विचार-विमर्श करके उनके लिए यहाँ एक अनुकूल व आकर्षक बिजनस एनवायरनमेंट भी तैयार किया जाएगा। उन्हें यह बताया जाएगा कि उप्र में उनके उत्पादों या सेवाओं के लिए एक विशाल बाजार व मांग है, जिसकी वजह से उनके लिए यहाँ निवेश करना लाभप्रद होगा।
उन्होने बताया कि अन्य कामगारों के लिए इस प्रस्तावित कार्यालय द्वारा उनके हित की योजनाएं बनाई जाएंगी, जिससे उनके लिए किसी संकट की स्थिति में उप्र आना सुलभ हो और उन्हे यहाँ उनके अनुभव व क्षमता के अनुरूप काम या रोजगार मिल सके। असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए भी इसी प्रकार के कदम उठाए जाएंगे जिससे उनके हितों की रक्षा की जा सके और उन्हे नई संभावनाओं से परिचित किया जा सके।
सूत्रो का दावा है कि उप्र सरकार की इस अभिनव पहल से मुंबई में रह रहे उन लाखों उप्र के निवासियों के हितों की रक्षा तो होगी ही, उन्हे अपने गृह राज्य में निवेश करके यहाँ से जुडने और यहाँ की समृद्धि में योगदान करने का एक बड़ा मौका भी मिलेगा।

शार्ट न्यूज

रुपया 54 पैसे टूटकर 77.44 रुपये के निचले स्तर पर

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में रही तेजी के दबाव आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 54 पैसे फिसलकर अब तक रिकार्ड निचले स्तर 77.44 रुपये प्रति डॉलर पर लुढ़क गया। पिछले दिवस रुपये 76.90 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 27 पैसे की गिरावट लेकर 77.17 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका आज का उच्चतम स्तर भी रहा। इस दौरान यह 77.52 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतरा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 54 पैसे टूटकर 77.44 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

एचडीएफसी बैंक ने पेश की 30 मिनट में कार ऋण की योजना

नयी दिल्ली। देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकिंग सेवा प्रदाता एचडीएफसी बैंक ने सोमवार को एक्सप्रेस कार लोन (जल्द कार ऋण) सेवा पेश की जिसमें ग्राहकों को आधे घंटे के अंदर कार खरीदने के लिए कर सुविधा मंजूर करने का वादा है। बैंक ने एक बयान में कहा कि इस उद्योग में एक्सप्रेस कार लोन अपने तरह की पहली सुविधा है, जिसमें कार खरीदारों के लिए एक व्यापक, तेज, अधिक सुविधाजनक और समावेशी डिजिटल यात्रा तैयार की गयी है। मौजूदा ग्राहकों के साथ-साथ गैर-ग्राहकों के लिए पूर्ण रूप से डिजिटल तौर पर कार के लिए ऋण दिया जाएगा। एचडीएफसी बैंक ने बताया कि यह सुविधा कार खरीद प्रक्रिया को सरल बनाने और अर्द्धशहरी और ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश भर में कार बिक्री को बढ़ावा देने में मदद करेगी। एचडीएफसी बैंक के खुदरा ब्रिकी विभाग के देश के प्रमुख अरविंद कपिल ने कहा, डिजिटल नवाचारों में एचडीएफसी बैंक अग्रणी रहा है। एचडीएफसी बैंक का एक्सप्रेस कार लोन हमारी सभी शाखाओं, डीलरशिप और अंतत: तीसरे पक्ष के समूहक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा। एचडीएफसी बैंक शुरुआत में एक्सप्रेस कार लोन का लाभ उठाने के लिए 20-30 प्रतिशत ग्राहकों की परिकल्पना कर रहा है। यह सुविधा वर्तमान में चार पहिया वाहनों के लिए दी जा रही है और इसे धीरे-धीरे दोपहिया ऋण के लिए शुरू किया जाएगा।

कीमती धातुओं पर दबाव, चाँदी एक हजार रुपये तक टूटी

मुंबई। वैश्विक स्तर पर डॉलर पर आयी तेजी के कारण कीमती धातुओं पर बने दबाव का असर आज घरेलू स्तर पर भी दिखा जिससे सोना और चाँदी में गिरावट देखी गयी। इस दौरान चाँदी एक हजार रुपये प्रति किलो तक टूट गयी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 1.08 प्रतिशत टूटकर 1862.66 डॉलर प्रति औंस पर और अमेरिका सोना वायदा 1.42 प्रतिशत की गिरावट लेकर 1854.40 डॉलर प्रति औंस पर रहा। इस दौरान चाँदी 2.01 प्रतिशत उतरकर 21.89 डॉलर प्रति औंस बोली गयी। घरेलू स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 158 रुपये टूटकर 51185 रुपये प्रति 10 ग्राम पर और सोना मिनी 172 रुपये फिसलकर 51209 रुपये प्रति दस ग्राम पर रहा। इस दौरान चाँदी 1077 रुपये फिसलकर 61450 रुपये प्रति किलोग्राम पर और चाँदी मिनी 1050 रुपये की गिरावट लेकर 61840 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही।

रिलायंस ब्रांड्स अब बेचेगी इटली के मशहूर लग्जरी ब्रांड टॉड्स के सामान

मिलान/मुंबई। रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड (आरबीएल) ने इटली के फुटवियर, हैंड-बैग और जीवनशैली से जुड़े अन्य लग्जरी उत्पादों का वैश्विक स्तर पर कारोबार करने वाले टॉड्स ब्रांड के साथ एक दीर्घकालिक समझौता किया है। इस समझौते के तहत आरबीएल भारत में टॉड्स ब्रांड के उत्पादों की खुदरा बिक्री करेगा। कंपनी की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया, आरबीएल, भारतीय बाजार में फुटवियर, हैंडबैग और अन्य उत्पादों सहित सभी श्रेणियों में टॉड्स का आधिकारिक विक्रेता बन गया है। वर्ष 2008 से टॉड्स भारत में नयी दिल्ली और मुंबई के कुछ चुनिंदा एकल ब्रांड खुदरा स्टोर में अपने उत्पाद बेच रही है। इस समझौते के बाद टॉड्स के इन मौजूदा बिक्री कड़ियों का हक आरबीएल के पास होगा। आरबीएल के प्रबंध निदेशक दर्शन मेहता ने कहा, ''टॉड्स ने वैश्विक लग्जरी बाजार में अपनी एक अनूठी जगह बनायी है। टॉड्स का नाम जीवन-शौली से जुड़े चमड़े के सामानों की सुंदरता को दर्शाता है। हम असाधारण गुणवत्ता, शिल्प कौशल और सहज सुगढ़ता के मूल मूल्यों को बनाए रखने वाले इस ब्रांड के साथ भारतीय बाजार के लिए साझेदारी करके रोमांचित हैं। टॉड्स के जनरल ब्रांड-प्रबंधक कार्लो अलबर्तो बेरेता ने कहा, हम भारत के अग्रणी लग्जरी विक्रेता के साथ साझेदारी करके प्रसन्न हैं। क्योंकि हम मानते हैं कि गुणवत्ता और आधुनिक और परिष्कृत जीवन शैली के लिए हमारा जुनून हमें इस महत्वपूर्ण साझेदारी की क्षमता को पूरी तरह से निभाने का अवसर देगा।

सान्या मल्होत्रा बनी शॉपर्स स्टॉप के प्राइवेट ब्रांड के ब्रांड एंबेसडर

नयी दिल्ली। प्रीमियम फैशन एवं ब्यूटी उत्पाद रिटेल नेटवर्क शॉपर्स स्टॉप ने चुनिंदा प्राइवेट ब्रांड के लिए सान्या मल्होत्रा को ब्रांड एंबेसडर बनाया है।कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इससे शॉपर्स स्टॉप द्वारा अपने प्राइवेट ब्रांड पर लगातार ध्यान देने की योजना को और बल मिलेगा, जो शुरुआत से ही इसकी रणनीति का अहम हिस्सा रहे हैं। यह कदम शॉपर्स स्टॉप की महिला ग्राहकों के साथ जुड़ाव को मजबूत करने के साथ-साथ उनके प्राइवेट ब्रांड पोर्टफोलियो का निर्माण करने की रणनीति के अनुरूप है। उसने कहा कि सान्या का हँसमुख, उत्साह से भरा और जिंदादिल व्यक्तित्व सही मायने में एक ब्रांड के रूप में शॉपर्स स्टॉप की छवि के अनुरूप है। सान्या की सामाजिक उपस्थिति, उनके चंचल और खुशदिल स्वभाव के साथ-साथ उनके स्टाइल से शॉपर्स स्टॉप को अपने प्राइवेट लेबल के जरिए विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में ग्राहकों से बेहतर तरीके से जुड़ने में मदद मिलेगी।

अमेज़न ने लॉन्च किया 'बैक टू स्कूल' स्टोर

नयी दिल्ली। स्कूलों के खुलने और ऑफलाइन कक्षाओं की शुरुआत के साथ ऑनलाइन मार्केट प्लेस अमेज़न ने बैक टू स्कूल स्टोर शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह बच्चों की खरीदारी से जुड़ी सभी जरूरतों को आसान बनाने के लिए एक वन स्टॉप डेस्टिनेशन है। खास तौर पर तैयार किया गया यह स्टोर स्कूल की जरूरत के सभी सामान उपलब्ध कराने के साथ माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों की मदद करने के लिए पेश किया गया है। यहां खास ऑफर के साथ स्टेशनरी, लैपटॉप, टैबलेट, मोबाइल फोन, पीसी, हेडसेट और स्पीकर, प्रिंटर, अमेजन डिवाइस, होम फर्निशिंग जैसे उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश की जा रही है। इस स्टोर के साथ अमेजन की कोशिश है कि स्कूल में पढ़ाई करने और नया सीखने का एक बेहतरीन वातावरण तैयार हो सके। ऑफ़र और डील्स 12 जून 2022 तक उपलब्ध रहेंगी।

अडानी एयरपोर्ट्स ने हवाईअड्डों के विकास के लिए 25 करोड़ डालर जुटाए

मुंबई। अडानी समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने सोमवार को बताया कि उसने देश के छह हवाईअड्डों के विकास के लिए 25 करोड़ डालर की राशि जुटायी है। कंपनी ने विदेशी वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) सुविधा के तहत तीन वर्ष की अवधि के लिए गारंटी सुधा 25 करोड़ डालर ऋण जुटाया है। यह ऋण उसे स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) और बार्कलेज बैंक ने मिलकर दिया है। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने शेयर बाजार को बताया कि इन बैंकों ने कंपनी को 20 करोड़ डालर और कर्ज उठाने की सुविधा दी है। इस धन का इस्तेमाल पूंजीगत व्यय और उसके नियंत्रण वाले छह हवाईअड्डों के विकास पर खर्च किया जाएगा। कंपनी ने प्रवक्ता ने कह,हम भौतिक और डिजिटल दोनों तरीके से अपने ग्राहकों को उच्च स्तर की अवरंचना सुविधा देने को प्रतिबद्ध है।

शक्कर में मांग, खाद्य तेल मजबूत, दलहनों में सुधार, दाल- चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग बताई गई। खाद्य तेल मजबूती लिए रहे। आज मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड में पूछपरख रही। दलहन मजबूत बताए गए। दालों में ग्राहकी रही। चावल में खरीदी बढ़त लिए रही।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव बताया गया। आज शक्कर में कामकाज 3620 से 3660 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 14 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला तथा बूरा मांग बताई गई। हल्दी में उठाव रहा।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में मजबूती रही। आज मूंगफली तेल तथा सोयाबीन रिफाइंड में पूछपरख बताई गई। तिलहन में सरसों में प्लान्टो की लिवाली रही।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मजबूत बताए गए। दालों में लिवाली रही। चावल में उठाव बना बताया गया।

किराना

शक्कर 3630 से 3630 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 205 से 225 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2250 से 4000 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 115 से 175 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4600 से 5300, पैकिंग में 5600 से 5800

रुपये प्रति क्विंटल।
सरसों निमाड़ी 6500 से 6600, रायडा 6300 से 6400 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1630 से 1650, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1580 से 1585, सोयाबीन साल्वेंट 1555 से 1560, पाम तेल 1565 से 1570 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

तुअर निमाड़ी 5500 से 6100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6200 से 6300, तुअर (कर्नाटक) 6500 से 6600, चना (कांटा) 4825 से 4850, मसूर 6600 से 6650, मूंग 6600 से 6700, मूंग हल्की 6000 से 6500, उड़द 6900 से 7000, उड़द मीडियम 5500 से 6200, उड़द हल्की 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6000 से 6500, तुअर दाल सवा नंबर 8300 से 8400, तुअर दाल फूल 8500 से 8700, तुअर दाल नई 9000 से 9700, आयातित तुअर दाल 8000 से 8100, मसूर दाल 7850 से 8150, मूंग दाल 8300 से 8600, मूंग मोगर 8700 से 9000, उड़द दाल 8300 से 8600, उड़द मोगर 9100 से 9500 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1400 से 1410, मैदा 1350 से 1360, आटा 1310 से 1320, चना बेसन 3225 से 3250 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

जिंसों के भाव स्थिर

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार में जारी गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा तीन रिंगिट फिसलकर 7055 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का मई वायदा 0.21 सेंट गिरकर 80.69 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ में स्थिरता रही। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में भी टिकाव रहा। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : चना 4600-4700,दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8700-8800, मूंग दाल 9000-9100, उड़द दाल 9950-10050, अरहर दाल 8300-8400 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज :(भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल : 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3740-3840, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3300-3400 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 19341 रुपये, मूंगफली तेल 20879 रुपये, सूरजमुखी तेल 20879 रुपये, सोया रिफाइंड 19047 रुपये, पाम ऑयल 17582 रुपये और वनस्पति तेल 19047 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

विमान ईंधन की आसमान छूती कीमतों से एयरलाइनों को संकट : इकरा

नयी दिल्ली। निवेश सूचना एवं क्रेडिट रेटिंग सेवाएं देने वाली एक फर्म के अनुसार रूस-यूक्रेन संघर्ष से विमानन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तेजी इस समय विमानन सेवा क्षेत्र की दशा में सुधार की प्रक्रिया के सामने बड़ा खतरा बनकर खड़ी हुयी है।

इंवेस्टमेंट इंफोर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया (इकरा) ने सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा है,%% मई 2022 में एटीएफ की कीमतों में वार्षिक आधार पर 89 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। रूस के यूक्रेन पर हमले के कारण उत्पन्न भू-राजनैतिक तनावों के चलते कच्चे तेल के दामों में उछाल आया है जिससे व्यवसाय जगत के सामने चुनौतियां पैदा हुयी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, एटीएफ की बढ़ती कीमत चालू वित्त वर्ष में उड्डयन उद्योग के कारोबार पर बड़ा असर डाल सकती हैं। सामान्य स्थिति बहाल होने पर कुल मिलाकर विमानों में भरी सीटों का अनुपात सुधरेगा जिससे एयरलाइन कंपनियों के राजस्व में सहायता मिलेगी। लेकिन वित्त वर्ष 2022-23 में एटीएफ की कीमतों में तेजी का भारतीय विमानन कंपनियों की आय पर असर होगा। रेटिंग्स एजेंसी ने कहा कि अप्रैल 2022 में घरेलू विमान यातायात कोरोना से पहले के समय की तुलना में पांच प्रतिशत कम रहा पर माह के दौरान घरेलू एयरलाइनों की अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर यात्रियों की संख्या कोरोना से पहले के स्तर को पार कर गयी। घरेलू मार्गों पर विमान यात्रियों की संख्या अप्रैल 2022 में एक साल पहले इसी माह की तुलना में 83 प्रतिशत बढ़कर 1.05 करोड़ रही और यह कोरोना के पूर्व के समय से सिर्फ पांच प्रतिशत कम है। अप्रैल 2019 में यह संख्या 1.1 करोड़ थी। इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 18.5 लाख रही जो कोरोनाकाल से पूर्व की संख्या को पार कर चुकी है।

इकरा के उपाध्यक्ष और क्षेत्र प्रमुख सुप्रीयो बनर्जी ने कहा,उड़ानों का औसत दैनिक प्रस्थान अप्रैल 2022 में 2,726 रहा जो अप्रैल 2021 में 2,000 के औसत दैनिक प्रस्थान से अधिक है। मार्च 2022 में यह 2,588 था।

गत 27 मार्च को भारत से अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए नियमित उड़ानें शुरू होने और विभिन्न देशों के साथ उड़ानों की क्षमता के बारे में द्वपक्षीय समझौतों के संसोधन के बाद अप्रैल में भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 18.5 लाख यात्रियों को सेवाएं दी। अप्रैल 2019 में यह संख्या 18.3 लाख थी।

समाज के अंतिम व्यक्ति को अब जन सुरक्षा की मिल रही है सुविधा: सीतारमण

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तीन सामाजिक सुरक्षा (जन सुरक्षा) योजनाओं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की 7 वीं वर्षगांठ पर आज कहा कि कम लागत वाली बीमा योजनाएं और गारंटी युक्त पेंशन योजना यह सुनिश्चित कर रही है कि समाज के अंतिम व्यक्ति को अब जन सुरक्षा की सुविधा मिल रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में 9 मई 2015 को कोलकाता में पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई को लॉन्च किया गया था। इन सात वर्षों में पीएमजेजेबीवाई के लिए कुल पंजीकरण 12.76 करोड़ से अधिक हो चुका है। इसी तरह से पीएमएसबीवाई के लिए भी कुल पंजीकरण 28.37 करोड़ के पार और एपीवाई के लिए 4 करोड़ से अधिक ग्राहकों ने पंजीयन कराया है।

ये तीन तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाएं अप्रत्याशित जोखिमों / नुकसानों और वित्तीय अनिश्चितताओं से मानव जीवन को सुरक्षित करने की आवश्यकता की पहचान करते हुए नागरिकों के कल्याण के लिए समर्पित हैं। देश के असंगठित क्षेत्र के लोगों को आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने दो बीमा योजनाएं शुरू कीं - प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) तथा इसके साथ ही वृद्धावस्था में जरूरतों को पूरा करने के लिए अटल पेंशन योजना (एपीवाई) की शुरुआत की गयी।

पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई लोगों को कम लागत वाली जीवन/दुर्घटना बीमा कवर की सुविधा देतीं हैं, जबकि एपीवाई बुढ़ापे में नियमित पेंशन प्राप्त करने के लिए वर्तमान में बचत करने का अवसर प्रदान करती है।

इन योजनाओं की 7वीं वर्षगांठ पर श्रीमती सीतारमण ने 卐 प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त, 2014 को घोषित एवं वित्तीय समावेश पर आधारित राष्ट्रीय मिशन के मुख्य उद्देश्यों में से एक था - बीमा और पेंशन के दायरे का विस्तार करना, ताकि समाज के गरीब और कमजोर समुदाय के लोगों को किफायती उत्पादों के माध्यम से अत्यधिक आवश्यक वित्तीय सुरक्षा प्रदान की जा सके। वित्त मंत्री ने कहा कि तीन जन सुरक्षा योजनाओं ने बीमा और पेंशन को आम आदमी की पहुंच में ला दिया है। पिछले सात वर्षों में उपरोक्त योजनाओं में पंजीकृत और इनसे लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या इनकी सफलता का प्रमाण हैं। कम लागत वाली बीमा योजनाएं और गारंटी युक्त पेंशन योजना यह सुनिश्चित कर रही हैं कि वित्तीय सुरक्षा, जो पहले कुछ चुनिंदा लोगों को ही उपलब्ध थी, अब समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है।

गरीब लोगों को सुविधाएं प्रदान करने का उल्लेख करते हुये वित्त मंत्री ने कहा कि आज, गरीब से गरीब व्यक्ति भी पीएमजेजेबीवाई के तहत 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रति दिन 1 रुपया से कम पर और पीएमएसबीवाई के तहत 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा भी प्रति दिन एक रुपया से कम पर प्राप्त कर सकता है। 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के सभी नागरिक न्यूनतम 42 रुपये प्रति माह का भुगतान करके 60 वर्ष की आयु के बाद पेंशन प्राप्त कर सकते हैं।

पीएमजेजेबीवाई के माध्यम से नागरिकों को विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान सुविधा के साथ सुरक्षा प्रदान करने के बारे में श्रीमती सीतारमण ने कहा कि पीएमजेजेबीवाई के तहत, योजना की शुरुआत से अब-तक 12.76 करोड़ व्यक्तियों ने जीवन बीमा के लिए पंजीकरण कराया है और 5,76,121 व्यक्तियों के परिवारों को योजना के तहत कुल 11,522 करोड़ रुपये मूल्य के दावे प्राप्त हुए हैं।

यह योजना महामारी के दौरान कम आय वाले परिवारों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुई है, क्योंकि वित्त वर्ष 2021 में, भुगतान किए गए कुल दावों में लगभग 50 प्रतिशत कोविड-19 से हुई मौतों से सम्बंधित थे। महामारी की अवधि के दौरान दावों के त्वरित और आसान निपटान के लिए दावा निपटान प्रक्रिया में बड़े बदलाव किये गए। दावों के आसान निपटान के लिए शुरू किये गये ये बदलाव अभी भी जारी हैं। महामारी की शुरुआत के बाद से एक अप्रैल, 2020 से 23 फरवरी, 2022 तक, कुल 2.10 लाख दावों के लिए 4,194.28 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया गया। दावों को निपटाने की दर 99.72 प्रतिशत रही।

वित्त मंत्री ने कहा कि इसी तरह, पीएमएसबीवाई के शुभारंभ के बाद से 28.37 करोड़ लोगों ने दुर्घटना कवर के लिए पंजीकरण कराया है और 97,227 दावों के लिए 1,930 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। 4 करोड़ से अधिक लोग एपीवाई योजना के सदस्य बने हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड ने सभी बैंकों और बीमा कंपनियों को इन योजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए बधाई देते हुये उनसे अनुरोध किया कि वे उसी उत्साह और समर्पण के साथ इन योजनाओं के लिए काम करना जारी रखें, जब-तक कि अंतिम व्यक्ति को कवर नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ते हुए, जैसा कि माननीय प्रधानमंत्री ने पिछले स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में घोषणा की थी, हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि देश में प्रत्येक पात्र व्यक्ति को बीमा और पेंशन की इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत कवर किया गया है।

पीएमजेजेबीवाई एक साल की जीवन बीमा योजना है, जिसका नवीकरण प्रत्येक वर्ष होता है और यह किसी भी कारण से होने वाली मौत के लिए कवरेज प्रदान करती है।

9 यूनिकॉर्न्स ने 10 करोड़ डॉलर की जुटायी पूंजी

नयी दिल्ली। स्टार्टअप को शुरूआती चरण में वित्त उपलब्ध कराने और उनको आगे बढ़ाने के लिए काम करने वाले अर्ली-टू-ग्रोथ स्टेज एक्सेलरेटर फंड 9यूनिकार्न्स ने अपने पहले 10 करोड़ डॉलर के फंड जुटाए जाने की घोषणा की है।

फंड ने अब तक 110 से अधिक आइडिया और प्रॉडक्ट स्टार्टअप में निवेश किया है, जिसमें वेदांतु, शिपरॉकेट, शॉपकिराना जैसे कुछ ग्रोथ स्टेज / सीरीज सी कंपनियां शामिल हैं। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस फंड को 2020 के अंत में 5 करोड़ डॉलर की पूंजी के साथ लॉन्च किया गया था और भारतीय स्टार्टअप परितंत्र में मौजूद समग्र सकारात्मक भावना के दम पर फंड के वर्तमान पोर्टफोलियो प्रदर्शन ने 9यूनिकॉर्न्स की फंडिंग को दोगुना करते हुए इसे 10 करोड़ डॉलर के स्तर पर पहुंचा दिया।

एक्सेलरेटर फंड ने अब तक 110 से अधिक सौदों में निवेश किया है। यह आइडिया स्टेज में 500 हजार से 10 लाख डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है और इस वर्ष उच्च-विकास चरण सीरीज सी और उससे ऊपर के स्टार्टअप में 20 लाख डॉलर तक का निवेश करने की योजना है। फंड ने वेदांतु, मेलोरा, शिपरॉकेट, रेशमांडी, बिडानो, ब्लूस्मार्ट, आईजीपी डॉटकॉम , फार्म्स, इंस्टोरिड और गोकी जैसे स्टार्टअप में निवेश किया है।

इस फंड का फोकस डीपटेक, एंटरप्राइज सास, वेब 3.0, फिनटेक, मीडिया, इंश्योरटेक, हेल्थटेक, एडुटेक और डी2सी स्टार्टअप पर केंद्रित है।

9यूनिकॉर्न के प्रबंध निदेशक और संस्थापक डॉ. अपूर्व रंजन शर्मा ने कहा, आइडिया स्टेज फंडिंग को फिर से परिभाषित करने के हमारे अनूठे दृष्टिकोण ने हमारी रणनीति में विश्वास करने वाले कई प्रमुख एलपी के साथ फंड आकार में वृद्धि की है। इसके अलावा, पिछले साल फंडिंग की बहुलता के साथ स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए सबसे अच्छे समय में से एक था। हमने 2021 में 101 सौदों में निवेश किया और इस साल उस राशि को दोगुना करने की योजना बनाई है। हम अगले साल के मध्य तक निवेश की प्रक्रिया को पूरी कर लेंगे, जिसके बाद हम अपने दूसरे फंड को लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं।

गार्मिन ने लांच किया वीवोमूव स्पोर्ट हाइब्रिड स्मार्टवॉच

नयी दिल्ली। गार्मिन इंडिया ने भारतीय बाजार में अपना नया वीवोमूव स्पोर्ट हाइब्रिड टचस्क्रीन स्मार्टवॉच को नायका डॉटकॉम पर ऑनलाइन लॉन्च करने की घोषणा की जिसकी कीमत 18990 रुपये है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इसे एक्सक्लूसिव रूप से नायका डॉटकॉम, नायका फैशन और नायका मैन पर लॉन्च किया गया है। गार्मिन के लगातार बढ़ते पोर्टफोलियो में यह नवीनतम संकलन रियल टिकिंग हैंड्स के साथ आएगा। उसने कहा कि वीवोमूव स्पोर्ट गार्मिन इंडिया की एक ट्रेंडी और स्टाइलिश पेशकश है, जिसमें स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती से जुड़ी सभी खूबियां हैं, जिनके लिए ब्रांड जाना जाता है। हालांकि, यह इन्हीं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें बॉडी बैटरी एनर्जी मॉनिटरिंग, पूरे दिन के लिए स्ट्रेस ट्रैकिंग, बेहतर स्लीप मॉनिटरिंग और अन्य सुविधाओं के बीच कनेक्टेड जीपीएस के साथ बिल्ट-इन स्पोर्ट्स एप्लिकेशन भी शामिल हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने की आंशका में गिरा शेयर बाजार

एजेंसी

मुंबई। दुनिया में ब्याज की ऊंची दरें और चीन में कोरोना की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन से वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने की आशंका में विदेशी बाजारों में आई गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली से आज कारोबारी सप्ताह के पहले दिन सेंसेक्स और निफ्टी आधे प्रतिशत से अधिक गिर गए।

बीएसई की तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 364.91 अंक टूटकर दो माह के निचले स्तर 54470.67 अंक पर आ गया। इससे पूर्व 08 मार्च को यह 54647.33 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 109.40 अंक उतरकर 16301.85 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 1.89 प्रतिशत का गोता लगाकर 22,692.18 अंक और स्मॉलकैप 1.67 प्रतिशत गिरकर 26,641.21 अंक पर आ गया।

बीएसई में कुल 3614 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2418 में गिरावट जबकि 1048 में तेजी रही वहीं 148 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह 31 कंपनियां लाल जबकि 18 हरे निशान पर रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे। इस दौरान बीएसई के 16 समूहों में बिकवाली जबकि तीन में लिवाली हुई। पावर समूह को सबसे अधिक 2.47 प्रतिशत का नुकसान हुआ। इसी तरह बेसिक मैटेरियल्स 1.41, सीडीजीएस 1.46, ऊर्जा 2.27, एफएमसीजी 1.56, इंडस्ट्रियल्स 1.49, यूटिलिटीज 2.46, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.89, धातु 1.98, तेल एवं गैस 2.03 और रियल्टी समूह के शेयर 1.38 प्रतिशत टूटे।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मंदी का रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएससी 1.10, जर्मनी का डैक्स 0.97, जापान का निक्केई 2.53 और हांगकांग का हैंगसेंग 3.81 प्रतिशत लुढ़क गया वहीं चीन का शंघाई कंपोजिट गिरावट से उबरकर 0.09 प्रतिशत की बढ़त पर टिकने में सफल रहा।

कारोबारी की शुरुआत में सेंसेक्स 647 अंक की बड़ी गिरावट लेकर 54,188.21 अंक पर खुला और बिकवाली होने से 53,918.02 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद शुरू हुई लिवाली से समर्थन पाकर यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 54,795.47 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा लेकिन इस ऊंचाई के बचा नहीं पाया। अंत में पिछले दिवस के 54,835.58 अंक की तुलना में 0.67 प्रतिशत गिरकर 54,470.67 अंक पर आ गया।

इसी तरह निफ्टी की शुरुआत भी कमजोर रही और यह 184 अंक गिरकर 16,227.70 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 16,142.10 अंक के न्यूनतम जबकि 16,403.70 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,411.25 अंक के मुकाबले 0.67 प्रतिशत टूटकर 16,301.85 अंक पर रहा।

सेंसेक्स की 17 कंपनियों में बिकवाली जबकि 13 कंपनियों में लिवाली हुई। इस दौरान रिलायंस को सबसे अधिक 3.97 प्रतिशत का नुकसान हुआ वहीं पावरग्रिड के शेयर 2.83 प्रतिशत की तेजी में रहे। इनके अलावा टाटा स्टील 2.48, टेक महिंद्रा 2.33, एसबीआई 1.79, आईटीसी 1.42, एक्सिस बैंक 1.36, आईसीआईसीआई बैंक 1.29, एलटी 0.44, विप्रो 0.39 और एनटीपीसी के शेयर 0.03 प्रतिशत की गिरावट पर रहे।

शार्ट न्यूज

आईपीएल 2022 से बाहर हुए चोटिल सूर्यकुमार यादव

मुम्बई। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की वर्तमान सीज़न में मुश्किलें बढ़ती जा रही है। उनके स्टार बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव चोट के कारण आईपीएल 2022 से बाहर हो गए हैं। सूर्यकुमार को बाएं हाथ की मांसपेशी में चोट लगी है। यह चोट उन्हें गुजरात टाइटंस के विरुद्ध मुंबई इंडियंस के पिछले मुक़ाबले में लगी थी। यह इस सीज़न में उन्हें लगी दूसरी चोट है। इससे पहले वह अंगूठे के फ़्रैक्चर के चलते सीज़न के शुरुआती मैचों से बाहर रहे थे। इस सीज़न में सूर्यकुमार मुंबई इंडियंस के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज़ों में से एक रहे थे। उन्होंने आठ मैचों में 43.29 की औसत से 303 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाए।

भारत थॉमस कप के क्वार्टरफाइनल में

बैंकॉक। भारतीय बैडमिंटन टीम ने सोमवार को थॉमस कप के ग्रुप –सी के अपने दूसरे मुकाबले में कनाडा को 5–0 से क्लीन स्वीप कर क्वार्टरफ़ाइनल में प्रवेश कर लिया। लक्ष्य सेन के स्थान पर टीम की अगुवाई कर रहे वर्ल्ड चैम्पियनशिप के पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत ने ब्रायन यंग के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 20–22, 21–11, 21–15 से जीतकर भारत को 1–0 की लीड दिलायी। श्रीकांत ने मैच के बाद कहा, वह (यांग) पहले गेम के दौरान वास्तव में अच्छा खेले। उन्होंने दूसरे और तीसरे गेम में भी अच्छा प्रयास किया। मैं बस और अधिक सुसंगत होना चाहता था और खुश था कि मैं ऐसा करने में सक्षम रहा। भले ही मैं पहला गेम हार गया, मैं यांग की जीत से पहले 20–18 से आगे चल रहा था। मुझे महसूस हुआ कि मैं अच्छा खेल रहा था और आसानी से कोई पॉइंट न देने के लिए थोड़ा और कंसिस्टेंट होने की ज़रूरत थी। इसके बाद भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सत्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने कनाडा के जेसन एंथनी हो–शू और केविन ली को 21–12, 21–11 से लगातार गेमों में हराकर भारत की बढ़त को 2–0 तक पहुंचा दिया। दूसरे एकल गेम में एच एस प्रणय ने कनाडा के लिए खेलने वाले भारतीय–मूल के बीआर संकीर्थ को 21–15, 21–12 से हराया और भारत को 3–0 की अपराजेय बढ़त दिला दी। अंतिम दो मैचों में भारत के पुरुष युगल कृष्ण गर्ग और विष्णुवर्धन पंजला ने डोंग एडम और निल यकुरा को 21–15, 21–11 से हराया जबकि प्रियांशु राजावत ने 17 वर्षीय विक्टर लाई को 21–13, 20–22, 21–14 से मात देकर कनाडा को 5–0 से क्लीन स्वीप कर दिया। इसी के साथ भारत क्वार्टरफ़ाइनल में पहुंच गया है।

राजस्थान रॉयल्स और श्नाइडर इलेक्ट्रिक पहला कार्बन न्यूट्रल क्रिकेट मैच आयोजित करेंगे

नयी दिल्ली। ऊर्जा प्रबंधन और स्वचालन के डिजिटल परिवर्तन में अग्रणी, श्नाइडर इलेक्ट्रिक और आईपीएल फ्रेंचाइजी, राजस्थान रॉयल्स ने क्रिकेट प्रेमियों के लिए अपने तरह का अनूठा सस्टेनेबल मैच लाने की आज घोषणा की। आईपीएल की अग्रणी टीम राजस्थान रॉयल्स ने ग्रीन योद्धा बनने और क्रिकेट को पर्यावरण के अनुकूल खेल में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का वादा किया। एक सामान्य आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान लगभग 10,000 टन कार्बन डाइ–ऑक्साइड के बराबर का उत्सर्जन होता है, और श्नाइडर इलेक्ट्रिक 11 मई, 2022 को दिल्ली कैपिटल्स के साथ राजस्थान रॉयल्स के मैच के दौरान उत्पन्न इस कार्बन फुटप्रिंट का प्रतिसंतुलन यानि कि क्षतिपूर्ति लगभग 17,000 पेड़ लगाकर करेगा। ग्रीन योद्धा, श्नाइडर इलेक्ट्रिक द्वारा की गई एक सस्टेनेबिलिटी पहल है जिसका उद्देश्य जागरूक नागरिकों, संगठनों और व्यवसायों की एक टीम का निर्माण करना है जो सामूहिक जलवायु के अनुकूल कार्यों और समाधानों को अपनाने में एकजुट हों। दुनिया भर में क्रिकेट की लोकप्रियता और दर्शक क्षमता को देखते हुए पिछले कुछ वर्षों में कार्बन फुटप्रिंट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रशंसकों और टीमों द्वारा बिजली की खपत में की गई कई वृद्धि के परिणामस्वरूप कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि हुई है। ट्रांसफॉर्मिंग सोसाइटी थ्रू क्रिकेट के विजन के साथ राजस्थान रॉयल्स ने कार्बन न्यूट्रल मैच के अनुरूप कदम के साथ इस कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए श्नाइडर इलेक्ट्रिक के साथ साझेदारी की है।

विलियमसन जल्द ही अपनी छाप छोड़ेंगे : टॉम मूडी

मुम्बई। उन सभी बल्लेबाज़ों में, जिन्होंने इस सीज़न कम से कम 150 गेंदों का सामना किया है, केन विलियमसन 100 से कम के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले इक़लौते बल्लेबाज़ हैं। 11 पारियों के बाद वह 20 के कम की औसत से बल्लेबाज़ी कर रहे हैं। रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा दिए गए 193 के लक्ष्य का पीछा करने के लिए जब सनराइज़र्स हैदराबाद की सलामी जोड़ी मैदान में उतरी, विलियमसन बिना कोई गेंद खेले ही रन आउट हो गए। वह करो या मरो के मुक़ाबले में 67 रनों से हार गए। प्लेऑफ़ में पहुंचने के लिए उन्हें अब अपने बाक़ी बचे तीनों मुक़ाबलों में जीत दर्ज करनी होगी। विलियमसन की फ़ॉर्म और उनके बल्लेबाज़ी स्थान में बदलाव की गुंजाइश को लेकर टीम के मुख्य कोच टॉम मूडी उतने चिंतित दिखाई नहीं देते। उन्हें भरोसा है कि विलियमसन जल्द ही इस सीज़न में अपना प्रभाव छोड़ेंगे। विलियमसन की जगह राहुल त्रिपाठी से पारी की शुरुआत कराने के सवाल पर मूडी ने कहा, हमने इस बारे में सोचा ज़रूर था, लेकिन हमें लगा कि त्रिपाठी, एडन मारक्रम और निकोलस पूरन तीन–चार और पांचवें नंबर पर हमारी बल्लेबाज़ी को अधिक मज़बूती प्रदान कर सकते हैं। आज केन ने एक भी गेंद का सामना नहीं किया, लिहाज़ा आज के बिनाह पर उनके फ़ॉर्म को लेक सवाल खड़ा करना कतई उचित नहीं है। हम उन्हें बैक करते हैं, वह एक वर्ल्ड क्लास प्लेयर हैं। इस सीज़न में ज़रूर एक पल आएगा जब वह अपनी छाप छोड़ जाएंगे। फ़ॉर्म को लेकर सिर्फ़ विलियमसन पर ही सवाल खड़े नहीं हो रहे हैं। हैदराबाद के तेज़ गेंदबाज़ उमरान मलिक जिन्होंने अपनी गति से सभी को प्रभावित किया है, वह पिछले तीन मुक़ाबलों में डाले दस ओवरों में एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। इस दौरान उन्होंने 125 रन लुटाए हैं। मूडी ने उमरान की फ़ॉर्म को लेकर धैर्य बरतने की बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले और जारी सीज़न के बीच उमरान ने सिर्फ़ एक लिस्ट ए मैच और सात टी20 मुक़ाबले ही खेले थे।

बहुत जल्द भारत के लिए खेलते हुए दिखेंगे तिलक, बदौनी और उमरान : रणवीर सिंह

मुम्बई। बॉलीवुड सुपरस्टार रणवीर सिंह ने टाटा आईपीएल के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स के साथ खास बातचीत में आईपीएल के इस संस्करण में अपने पसंदीदा युवा खिलाड़ियों के बारे में खुलकर चर्चा की। रणवीर ने कहा कि मुम्बई इंडियंस के तिलक वर्मा, लखनऊ सुपर जाएंट्स के आयुष बदौनी और सनराइजर्स हैदराबाद के उमरान मलिक उनके पसंदीदा युवा खिलाड़ी हैं और ये तीनों अपनी प्रतिभा के दम पर जल्द ही भारत के लिए खेलते हुए दिखेंगे। स्टार स्पोर्ट्स के शो– क्रिकेट लाइव में बतौर मेहमान कमेंटेटर आये रणवीर ने न सिर्फ अपनी एक्सपर्ट कमेंटरी से सबका मन मोहा बल्कि विराट कोहली से लेकर फाफ डु प्लेसिस और तिलक वर्मा से लेकर हार्दिक पांड्या तक, सबके बारे में खुलकर अपने विचार साझा किए। सबसे पहले रणवीर ने अपने युवा पसंदीदा खिलाड़ियों–तिलक वर्मा, उमरान मलिक और आयुष बदौनी के बारे में बात की, जो अपने खेल से इस साल सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहे हैं। खासतौर पर तिलक, जिन्होंने मुश्किल दौर से गुजर रही मुम्बई इंडियंस के लिए विषम परिस्थितियों में कई आकर्षक पारियां खेलीं। रणवीर ने क्रिकेट लाइव शो में कहा,तिलक वर्मा, उमरान मलिक और आयुष बदौनी बहुत बड़े फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट हैं। उनको खेलते हुए देखना बड़ा रोमांचक होता है। इनकी प्रोग्रेस देखकर मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि ये फ्चूयर के इंडियन क्रिकेटर हैं। खासतौर पर तिलक, जिन्होंने मुश्किल हालात में टीम के लिए अच्छी और मैच्योर इनिंग खेलीं। मैं इन तीनों को बहुत जल्द भारत के लिए खेलता हुआ देख रहा हूं।

मैं खुद को रिटायर्ड आउट करने के बारे में सोच रहा था: डुप्लेसी

एजेंसी

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फ़ाफ़ डुप्लेसी ने कहा है कि सनराइज़र्स हैदराबाद के ख़िलाफ़ मैच के दौरान वह पारी का अंत आते–आते थक गए थे और ख़ुद को रिटायर्ड आउट करने का सोच रहे थे ताकि दिनेश कार्तिक मैदान पर आ सकें। हालांकि 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर उनके साथी ग्लेन मैक्सवेल ही आउट हो गए और इसके बाद दिनेश कार्तिक ने आकर आठ गेंदों में 30 रन की पारी खेली। इससे बेंगलुरु 192 के एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंच गया।

डुप्लेसी ने कहा, अगर कार्तिक इसी तरह से छक्के लगाते रहे, तो कोई भी दूसरे छोर से उनको बल्लेबाज़ी करते देखना चाहेगा। वह अपनी भूमिका को लेकर बहुत ही स्पष्ट हैं। मैं बीच में कोशिश भी कर रहा था कि मैं आउट हो जाऊं ताकि कार्तिक बल्लेबाज़ी के लिए आ सके। मैं बहुत थक भी गया था और जब वह बल्लेबाज़ी करने आएं तो मैंने उन्हें बताया कि मैं रिटायर्ड आउट होने की सोच रहा था। डुप्लेसी ने इस पारी में 50 गेंदों पर 73 रन बनाए।

हर्षा भोगले ने उनसे दो बार पूछा कि क्या वह रिटायर्ड आउट होने की सोच रहे थे? डुप्लेसी ने कहा, हां रिटायर्ड आउट, लेकिन तभी हमने विकेट खो दिया। हालांकि एक दूसरी सोच यह भी थी कि इस पिच पर बल्लेबाज़ी करना आसान नहीं है और शॉट खेलने से पहले बल्लेबाज़ों को कुछ गेंद समझना पड़ रहा था। इसलिए मैं सोच रहा था कि अगर कार्तिक आएंगे तो उन्हें भी हाथ खोलने से पहले कुछ गेंद लगेगा। हालांकि ऐसा नहीं हुआ और उन्होंने पहली गेंद से ही शॉट खेलें। उनका एक कैच भी छूटा, जिसका हमें फ़ायदा मिला। पिछले महीने लखनऊ सुपर जायंट्स के ख़िलाफ़ राजस्थान रॉयल्स केरविचंद्रन अश्विन रिटायर्ड आउट हुए थे ताकि अंतिम कुछ गेंदों पर रियान पराग आकर खुल के शॉट खेल सकें। ऐसा आईपीएल में पहली बार हुआ था।

डुप्लेसी ने अपने भारतीय युवा बल्लेबाज़ों सुयश प्रभुदेसाई, रजत पाटीदार और महिपाल लोमरोर की तारीफ़ की और कहा कि वे भाग्यशाली हैं कि उन्हें टीम संतुलन को बिठाने के लिए कुछ युवा प्रतिभाशाली भारतीय बल्लेबाज़ मिले हैं।

पांच विकेट लेने वाले वनिंदु हसरंगा के बारे में उन्होंने कहा, मैं वानी (हसरंगा) के लिए बहुत ख़ुश हूं। वह किसी ऐसे मैच की तलाश कर रहे थे, जब वह पूरी बल्लेबाज़ी को तहस–नहस कर दें। अच्छा लगा कि ऐसा मैच आ ही गया। वह ना आपको केवल महत्वपूर्ण चार ओवर देते हैं बल्कि पारी के अंत में आकर कुछ महत्वपूर्ण रन भी बना सकते हैं।

रायन कैंपबेल को अस्पताल से मिली छुट्टी

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज़ और वर्तमान में नीदरलैंड्स पुरुष टीम के मुख्य कोच रायन कैंपबेल को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। डॉक्टरों के द्वारा उनकी जो जांच की गई थी, उससे यह पता चला है कि उनके दिल में किसी तरह की समस्या नहीं है।

50 वर्षीय कैंपबेल को 16 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद वह कोमा में चले गए थे। उन्हें यूके के रॉयल स्टोक यूनिवर्सिटी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया था, जहां वह लगातार डॉक्टरों की निगरानी में थे। अस्पताल के डॉक्टरों ने यह भी कहा कि ऐसा हो सकता है कि कैंपबेल को किसी संक्रमण के कारण दिल का दौरा पड़ा था। कैंपबेल फ़रवरी 2022 में कोरोना संक्रमित हुए थे और नवंबर 2021 में निचले श्वास नली में उन्हें संक्रमण भी हुआ था।

डॉक्टरों ने यह भी कहा है कि कैंपबेल कुछ हफ़्तों में पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे और नीदरलैंड्स की टीम में शामिल भी हो जाएंगे। कैंपबेल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन द्वारा जारी किए गए एक बयान में कहा, मैं इस अवसर पर रॉयल स्टोक अस्पताल के क्रिटिकल केयर यूनिट के डॉक्टरों और नर्सों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं बेसी बैसेट को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे तुरंत सीपीआर दिया। उनके साहस और त्वरित हस्तक्षेप ने मेरी जान बचाई।

मेरी पत्नी भी मेरे साथ थी और सभी को मेरी तबियत के बारे में सूचित कर रही थी। वह अपने रास्ते में आने वाली हर कठिनाई के सामने बहादुरी से डटी रही। लेओन्टिना, मैं आपको धन्यवाद देता हूं और मैं आपको प्यार करता हूं।आख़िरी में मैं दुनिया भर के अपने सभी शुभचिंतकों को धन्यवाद कहना चाहता हूं। मुझे और मेरे परिवार को जो प्यार और समर्थन मिला, वह अदभुत था। कैंपबेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए दो वनडे मैच खेले हैं और 2016 टी20 विश्व कप में हॉन्ग–कॉन्ग की टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने 44 साल की उम्र में दो टी20 मैच खेले थे। वह 2017 से नीदरलैंड्स के मुख्य कोच हैं।

आफरीदी ने मुझे इस्लाम कबूलने के लिए मजबूर किया: कनेरिया

नयी दिल्ली। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने सोमवार को कहा कि पूर्व कप्तान शाहिद आफरीदी ने उन्हें धमकी दी थी कि यदि उन्होंने इस्लाम नहीं कबूला तो उनका करियर तबाह कर दिया जाएगा।

आफरीदी ने कनेरिया द्वारा भारतीय मीडिया को दिये गये साक्षात्कार में लगाये गये आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा था कि वह पैसे और शोहरत कमाने के लिए यह आरोप लगा रहे हैं, जिसके जवाब में ट्वीट करते हुए कनेरिया ने यह बात कही।

आफरीदी ने यह भी कहा कि भारत पाकिस्तान का दुश्मन मुल्क है और उसे साक्षात्कार देने से धार्मिक भावनाएं भड़क सकती हैं।

कनेरिया ने सोमवार को कहा, भारत हमारा दुश्मन नहीं है। हमारे दुश्मन वे लोग हैं जो लोगों को धर्म के नाम पर भड़काते हैं। अगर आप भारत को दुश्मन मानते हैं तो फिर कभी किसी भारतीय मीडिया चैनल पर मत जाइएगा।

उन्होंने अगले ट्वीट में कहा, जब मैंने जबरन धर्मांतरण के ख़िलाफ़ अपनी आवाज़ उठाई, तो मुझे धमकी दी गयी कि मेरा करियर तबाह किया जा सकता है। कनेरिया ने इससे पहले ज़ी न्यूज़ को दिये गये साक्षात्कार में कहा था, शाहिद आफरीदी अकेले खिलाड़ी थे जिन्होंने मुझे नीचा दिखाना चाहा। हम एक ही विभाग के लिए साथ खेला करते थे। वह मुझे बेंच पर ही रखते और एकदिवसीय टूर्नामेंट नहीं खेलने देते थे।

उन्होंने कहा, हां, आफरीदी मुझसे अक्सर इस्लाम कबूलने के लिए कहते थे, लेकिन मैंने कभी उन्हें संजीदगी से नहीं लिया। मैं अपने धर्म में विश्वास रखता हूं और यह क्रिकेट पर निर्भर नहीं है। इसके जवाब में आफरीदी ने पाकिस्तान न्यूज़ इंटरनेशनल को कहा , जो व्यक्ति यह सब कह रहा है, उसके किरदार को देखो। वह पैसे और शोहरत कमाने के लिए मुझपर इल्ज़ाम लगा रहे हैं।

आफरीदी ने कहा, कनेरिया मेरे छोटे भाई की तरह था और मैं उसके साथ कई साल विभाग के लिए खेल चुका हूं। अगर मेरा रवैया बुरा था तो उसने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड या विभाग के अधिकारियों को मेरी शिकायत क्यों नहीं की? वह हमारे दुश्मन मुल्क को साक्षात्कार दे रहा है जिससे धार्मिक भावनाएं भड़क सकती हैं।

पीएम के इस्तीफे के बाद भी हिंसा जारी, सांसद की मौत; मंत्री का घर फूंका

जकार्ता। श्रीलंका में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। पीएम महिंद्रा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद भी लोगों का गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा बल्कि गुस्साई भीड़ अब हिंसक हो गई है। उग्र भीड़ ने माउंट लवीनिया इलाके में सोमवार को पूर्व मंत्री जॉनसन फर्नांडो और सांसद सनथ निशांत के घर में आग लगा दी। कर्फ्यू के बावजूद हजारों की संख्या में भीड़ कोलंबो की सड़कों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। उग्र भीड़ महिंद्रा राजपक्षे के समर्थकों को एक–एक कर निशाना बना रही है।

इस बीच खबर है कि उग्र भीड़ ने कुरुनागला के मेयर तुषारा संजीव के घर में भी आग लगा दी है। बताया जा रहा है कि महिंद्रा राजपक्षे के इस्तीफे के बाद सरकार समर्थक और सरकार विरोधी गुट आपस में भिड़ गए हैं। जानकारी के मुताबिक इस उग्र हिंसा में एक सांसद समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 150 से ज्यादा लोग घायल हैं।

गौरतलब है कि सोमवार को ही भारी दवाब के बाद श्रीलंका के पीएम महिंद्रा राजपक्षे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। रविवार को देश में राजनीतिक संकट को लेकर एक अहम बैठक हुई थी जिसमें श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने अपने भाई महिंद्रा राजपक्षे से इस्तीफा देने को कहा था।

श्रीलंका पिछले एक महीने से ज्यादा समय से भयानक मंदी की मार झेल रहा है। देश में खाने–पीने की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं। सरकार का विदेशी राजस्व खत्म हो चुका है और वो अर्थव्यवस्था को संभालने में नाकाम साबित हो रही है। सरकार के सभी मंत्री अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। लोग सड़कों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। देश में इमरजेंसी लगाए जाने के बावजूद लोग सरकार के खिलाफ उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। देश के लगभग सभी मजदूर और व्यापारी संगठनों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए हड़ताल कर रखी है।

पाकिस्तान ने चीनी निर्यात पर लगायी पूर्ण पाबंदी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को घरेलू मांग को देखते हुए देश से चीनी निर्यात पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई है। शरीफ ने ट्वीट किया, घरेलू मांग के मद्देनजर मैंने चीनी के निर्यात पर पूर्ण पाबंदी लगाने का आदेश दिया है। तस्करी और जमाखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने वालों के लिए जीरो टॉलरेंस नीति को अपनाया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह आदेश चीनी की कीमतों और स्टॉक को स्थिर करने और देश में बढ़ती मांग को नियंत्रित करने के लिए लाया गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया है कि श्री शरीफ ने चीनी की कृत्रिम कमी पैदा करने में शामिल जमाखोरों, अवैध मुनाफाखोरों और अन्य कारकों से सख्ती से निपटने के लिए इससे संबंधित विभागों को भी आदेश जारी किए हैं। गौरतलब है कि उपभोक्ता पिछले महीने से यूटिलिटी स्टोर पर चीनी और आटे की कमी की शिकायत कर रहे हैं।

चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के विरोध को कुचल रही पाक सेना, प्रदशनकारियों के खिलाफ लगाए जिहादी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान में अलगाववादी समूहों को निशाना बनाने के लिए जिहादी एसेट्स का इस्तेमाल कर रही है, जो प्रांत के संसाधनों का दोहन करने और स्थानीय लोगों को किसी भी हिस्से से वंचित करने के लिए चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का विरोध कर रहे हैं।

कराची मिनीबस हमले में हाल ही में तीन चीनी श्रमिकों की हत्या संयोग नहीं है। यह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के प्रांत के लिए स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ने के व्यापक उद्देश्य का हिस्सा है।

26 अप्रैल को पाकिस्तान के कराची विश्वविद्यालय के परिसर के अंदर बीएलए से जुड़ी एक 31 वर्षीय महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा किए गए कार विस्फोट में तीन चीनी नागरिकों और एक पाकिस्तानी वैन चालक की मौत हो गई।

चीनी भाषा केंद्र जिसे बीएलए ने निशाना बनाया था, वह चीनी आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विस्तारवाद का प्रतीक था। बीएलए पाकिस्तान के साथ चीनी संबंधों का विरोध करता रहा है और कराची मिनीबस हमला कोई नई बात नहीं है। इससे पहले, बीएलए ने बलूचिस्तान में खनन और शिपिंग उद्योगों में कार्यरत चीनी श्रमिकों को भी निशाना बनाया और मार डाला।

बीएलए और पाकिस्तानी सेना के बीच पुराना विवाद

बीएलए और पाकिस्तानी सेना के बीच दरार विवाद की एक और हड्डी है। बीएलए ने इस फरवरी में बलूचिस्तान के पंजगुर और नोशकी जिलों में अपने सबसे घातक हमलों की शुरुआत की, जिसका इरादा तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान की चीन यात्रा को लेकर विरोध जताना था।

बीएलए का दावा- 100 पाकिस्तानी सैनिकों को मारा

ब्रिटेन स्थित मीडिया आउटलेट के अनुसार, बीएलए ने फरवरी के हमलों में 100 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया था, भले ही पाकिस्तानी सेना ने कहा कि उसके केवल दस लोग मारे गए थे, जिसमें 20 बीएलए सदस्य सैन्य अभियान में मारे गए थे।

चीन के शिनजियांग क्षेत्र में अपने ही मुस्लिम नागरिकों के साथ चीन के ऐसे बर्ताव से स्थिति और बिगड़ गई है। बीजिंग के खिलाफ एक और मोर्चा खोलने के लिए उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न से कई इस्लामवादियों को प्रेरित किया गया है, पाकिस्तानी तालिबान जैसे जिहादी समूहों ने भी चीन को निशाना बनाया है।

जेलेंस्की की जैकेट 90 हजार पाउंड में हुई नीलाम

लंदन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की द्वारा पहनी गयी और हस्ताक्षरित एक ऊनी जैकेट लंदन में यूक्रेन के लिए पैसे जुटाने की एक मुहीम (फंडरेजर) में 90 हजार पाउंड (1,11,000 डॉलर) में नीलाम हुई। ब्रिटेन स्थित यूक्रेनी दूतावास ने ट्विटर पर पोस्ट किये गये एक वीडियो में कहा, आज, पूरा विश्व साधारण ऊनी जैकेट पहने हुए एक आदमी की ओर देख रहा है। और अब यहां व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति जेलेंस्की द्वारा हस्ताक्षरित यह प्रतिष्ठित वस्तु रखी गयी है।दूतावास ने कहा कि पांच मई को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य (यूक्रेनी) बहादुरी की कहानियों को बताना था जो युद्ध के दौरान सामने आये। साथ ही इस बहादुरी का समर्थन करने के लिए धन जुटाना भी इस कार्यक्रम का मकसद था।सीएनएन के अनुसार, लंदन की टेट मॉडर्न आर्ट गैलरी में यूक्रेनी दूतावास ने 'ब्रेव यूक्रेन' फंडरेजर का आयोजन किया था, जिसमें बिक्री के लिए रखी गयी चीजों में यूक्रेन की प्रथम महिला ओलेना जेलेंस्का द्वारा दान किये गये खिलौने और दिवंगत फोटोग्राफर मैक्स लेविन की तस्वीरों के साथ श्री जेलेंस्की की जैकेट भी शामिल थी। यूक्रेन के लिए 10 लाख डॉलर से अधिक की रकम जुटायी गयी। दूतावास ने एक ट्वीट में कहा, अधिकांश धनराशि का उपयोग पश्चिम यूक्रेनी विशेष बाल चिकित्सा केंद्र के उन्नयन के लिए किया जाएगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा, मेरे मित्र वोलोदिमीर जेलेंस्की के बारे में बोलना कितना सम्मानजनक है, जो वास्तव में आधुनिक समय के सबसे अविश्वसनीय नेताओं में से एक हैं। सीएनएन ने बताया कि श्री जॉनसन ने श्री जेलेंस्की की ऊनी जैकेट के लिए 50 हजार पाउंड या लगभग 61 हजार डॉलर की शुरुआती बोली पर 'बहुत अधिक बोली' लगाने का आह्वान किया।

पाकिस्तान में ओमिक्रॉन वैरिएंट का नया मामला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सोमवार को ओमिक्रॉन के सब–वैरिएंट का एक नया मामला सामने आया। इस्लामाबाद में राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) की जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एनआईएच ने ट्वीट किया, ओमिक्रॉन के सब–वैरिएंट के पहले मामले की पुष्टि की गयी। अब तक कई देशों में इस नए वैरिएंट के मामलों की संख्या बढ़ चुकी है। गौरतलब है कि एनआईएच ने लोगों को कोरोना टीकाकरण और बूस्टर डोज लेने की भी सलाह दी है।

यूक्रेन हमले में दूसरे विश्वयुद्ध जैसी बनी स्थिति : ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले में दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान उभरे फांसीवाद और अत्याचार की ही पुनरावृत्ति हुई है। राष्ट्रीय सैन्य संग्रहालय पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिट्रेन के रक्षा मंत्री बेन वैलेस ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अतीत को वर्तमान में लाना चाहते हैं और युद्ध की विभीषिकाऔर अंधकार को पुनः साकार करना चाहते हैं। रूस पर आरोप लगाया कि यूक्रेन हमले को सही साबित करने के लिए वह अपने 'गौरवशाली' इतिहास का इस्तेमाल कर रहा है। श्री वैलेस ने कहा पुतिन और उनके नजदीकी लोग तथा जनरल 70 साल पहले विश्वयुद्ध के दौरान हुए अनाचार और फांसीवाद की ही झलक यूक्रेन युद्ध में दिखा रहे हैं। वह यूक्रेन पर रूसी हमले को सही बताने के लिए अपने पूर्वजों के 'गौरवशाली' इतिहास का इस्तेमाल कर रहे हैं और जवानों को इस बडे उद्देश्य (यूक्रेन हमला) के लिए बलिदान देने को प्रेरित कर रहे हैं। बीबीसी ने रक्षा मंत्री के हवाले से कहा कि रूसी सेना की ऐसी कार्रवाई दूसरे विश्व युद्ध के दौरान बलिदान देने वाले जवानों का निरादर है और रूसी जनरलों से यूक्रेन में उनके अवैध हमले के खिलाफ कार्रवाई में कोर्ट मार्शल के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने रूस के इतिहास और भविष्य दोनों को बरबाद करने के लिए राष्ट्रपति पुतिन की आलोचना की। अपने ट्वीट में श्री वैलेस ने कहा रूस का जनरल स्टाफ फेल हुआ है और यह बात वह जानते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

समर वेडिंग के लिए परफेक्ट हैं फ्लोरल लहंगे

गर्मी का मौसम शुरु हो गया है। इस मौसम में अगर आपको किसी शादी में जाना हो तो सबसे पहले मन में यही ख्याल आता है कि इतनी गर्मी में डीप कलर के हेवी लहंगे या साड़ियां पहनी कैसे जाएंगी। तो आपकी इस समस्या का हल है फ्लोरल लहंगे। लाइट और ब्राइट कलर्स के फ्लोरल लहंगे समर वेडिंग के लिए परफेक्ट चॉइस है।

ट्रडिशनल अवतार

लाइट पिंक कलर की चिकनकारी वर्क वाली स्कर्ट के साथ पतले स्ट्रैप वाली ब्लाउज और फ्लोरल दुपट्टा...यह लुक इस लुक को अपनी किसी दोस्त या रिश्तेदार के शादी में ट्राई कर सकती हैं।

लॉन्ग फ्लोरल लहंगे के लुक वाली स्कर्ट संग मैचिंग केप डिजाइन वाली क्रॉप टॉप और खुले बाल में बेहद खूबसूरत लगेंगी। ब्राइस्डमेड के तौर पर भी आप इस लुक को गर्मी के मौसम की शादियों में ट्राई कर सकती हैं।

ऑफ वाइट कलर का फ्लोरल लहंगा स्कर्ट, मैचिंग दुपट्टा और डीप ग्रीन कलर की ब्लाउज। गर्मियों में जब लाइट और ब्राइट कलर्स का ट्रेंड रहता है, ऐसे में यह लहंगा परफेक्ट चॉइस है।

सिंपल लुक

अगर आपको भी लाइट कलर्स पसंद हैं तो किसी दोस्त या रिश्तेदार की समर वेडिंग में इस लुक को ट्राई कर सकती हैं। पाउडर ब्लू कलर और पिंक कलर का यह लहंगा देखने में भले ही बेहद सिंपल हो लेकिन यह आपको अलग और डिफरेंट लुक देगा।

ब्राइडल लुक को और खास बना देंगे नथ के ये डिजाइन

भारतीय दुल्हन के श्रृंगार में चार चांद लगाने का काम करती है नथ जो चेहरे की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती है। अगर आप भी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली हैं तो नथ लेते समय इसके नए डिजाइंस के बारे में एक बार जरूर जान लें।

दुल्हन बनने की तैयारी कर रहीं हैं और कपड़ों के साथ ही सही ज्वैलरी डिजाइंस को चुनना जरुरी है। ज्वैलरी का सबसे खास हिस्सा होता है नाक की नथ और इसके कई सारे डिजाइन आपको बाजार में मिल जाएंगे।

रिंग वाली नथ- अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं।

जड़ाऊ नथ- जड़ी हुई नथ शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लंहगे के साथ पहन सकती है।

मल्टीपल चेन वाली नथ- अगर आप ज्वैलरी डिजाइन के साथ प्रयोग करना चाहती हैं तो तीन चैन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी। इसके साथ हैवी मांगटीका भी बहुत अच्छा लगता है।

ब्रांज नथ- इसे प्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का सा डल लुक देता है।

हूप नथ- बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

त्वचा की हर समस्या का समाधान रखता है शहद, जानिए इसके फायदे

जब भी स्किन केयर की बात होती है तो हम नेचुरल आइटम्स पर अधिक फोकस करना पसंद करते हैं। इनसे स्किन को किसी भी तरह के नुकसान होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। वहीं, दूसरी ओर यह नेचुरल इंग्रीडिएंट्स हर तरह की स्किन के लिए अच्छे माने जाते हैं। इन्हीं स्किन केयर इंग्रीडिएंट्स में से एक है शहद। शहद को लंबे समय से कभी स्किन केयर पैक तो कभी यूं ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें गजब के मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं, जो आपकी स्किन को अधिक स्वस्थ और बेहतर बनाते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको शहद से स्किन को मिलने वाले कुछ गजब के फायदों पर चर्चा कर रहे हैं-

मिलती है ग्लोइंग स्किन

अगर आप अपनी स्किन को नेचुरली हेल्दी व ग्लोइंग बनाना चाहती हैं तो इसके लिए शहद से अधिक बेहतर उपाय और कोई नहीं है। शहद में त्वचा को चमकदार बनाने के गुण होते हैं और यह उपयोग के बाद यह आपके फेस पर चमक के साथ-साथ नमी भी बनाए रखता है। रूखी स्किन की महिलाएं तो इसे इस्तेमाल करती हैं ही, साथ ही साथ यह ऑयली, एक्ने और अन्य स्किन के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है।

निशानों को करे हल्का

शहद में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो घाव भरने और निशानों को मिटाने में मदद करते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी स्किन पर किसी तरह के निशान को हल्का करना चाहते हैं तो ऐसे में शहद के इस्तेमाल से वह धीरे-धीरे मिटने लगते हैं। आप एक्ने के दाग-धब्बों को मिटाने के लिए शहद का इस्तेमाल स्पॉट ट्रीटमेंट के रूप में कर सकते हैं।

एजिंग के साइन्स को करे रिवर्स

अगर आप अपनी स्किन को अधिक लंबे समय तक जवां-जवां बनाए रखना चाहती हैं तो ऐसे में शहद का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। शहद में मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करते हैं। शहद चेहरे पर झुर्रियों और महीन रेखाओं की उपस्थिति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इतना ही नहीं, शहद को चेहरे पर लगाने से स्किन की इलास्टिसिटी बेहतर होती है, जिससे वह जवां और चमकदार दिखती है। आप हर सप्ताह शहद का मास्क लगा सकती हैं और अपनी स्किन को अधिक यंगर बना सकती हैं।

सनबर्न से राहत

अगर आपकी स्किन पूरे दिन धूप में रहने के कारण डैमेज हो रही है तो ऐसे में शहद आपकी मदद कर सकता है। धूप से झुलसी त्वचा के कारण स्किन में रेडनेस, सूखापन और जलन महसूस होती है। ऐसे में अपनी स्किन को ठंडक प्रदान करने के लिए आप एक भाग कच्चे शहद को दो भाग एलोवेरा जेल के साथ मिक्स करें और सीधे प्रभावित जगह पर लगाएं। याद रखें कि आप मिश्रण को रगड़ें नहीं, बल्कि इसकी लेयर लगाकर ऐसे ही छोड़ दें। यह उपाय ना केवल सनबर्न से राहत दिलाएगा, बल्कि आपकी स्किन के रंग-रूप में भी सुधार करने में मदद करेगा।

खूबसूरत बाल के लिए अपनायें ये उपाय

आजकल प्रदूषण और सही डाइट ना लेने के कारण कम उम्र में ही बाल सफेद होने लगते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाकर आप बालों की समस्याओं से राहत पा सकती हैं। कई बार ध्यान न देने की वजह से लोगों के बाल रूखे-सूखे और बेजान होने के साथ कम उम्र में ही झड़ने लगते हैं। ऐसे में अपने बालों को फिर से लंबे और खूबसूरत बनाने के लिए आयुर्वेद नुस्खे अपना सकती हैं।

मेथी दाना- मेथी दाने में भरपूर मात्रा में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन के और विटामिन सी पाया जाता है। इसमें प्रोटीनऔर निकोटीन एसिड भी पाया जाता है, जिससे झड़ते बालों की समस्या दूर हो जाती है। स्कैल्प हेल्दी रहती है और बाल डैमेज नहीं होते हैं। इसके लिए आप अपनी डाइट में भी मेथी दाना शामिल कर सकते हैं। रात में 2 चम्मच मेथी दाने को पानी में भिगो दें। अगली सुबह वो पानी पी लें। बचे हुए मेथी दाने को पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को जड़ों में लगाकर 20 मिनट बाद बाल धोलें। बाल जल्दी घने, लंबे और मजबूत बनेंगे।

आंवला- डाइट में विटामिन सी की कमी के कारण भी बाल झड़ने लगते हैं और बालों में डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। लेकिन आंवले के सेवन और बालों में आंवले के तेल से मालिश करने से बालों की सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही बाल लंबे समय तक काले रहते हैं।

दही- दही में कूलिंग प्रॉपर्टीज होने के साथ प्रोटीन भी पाया जाता है। प्रोटीन स्कैल्प की हेल्थ और नए फोलिसल्स की ग्रोथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। अपने बालों पर दही से मसाज करें और 15 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद शैंपू से सिर धो लें। बालों पर दही लगाने से बाल मजबूत होने के साथ कोमल और मुलायम भी बनते हैं।

बालों के झड़ते बालों की समस्या को दूर करने के लिए छाछ, दालचीनी, तरबूज, अंगूर आदि चीजों का सेवन करना चाहिए। इनके सेवन शरीर को जरूरी पोषक मिलते हैं, जो बालों को सेहतमंद बनाने के लिए जरूरी होते हैं।

इस प्रकार सुंदर और लंबे होंगे नाखून

लड़कियों को लंबे-लंबे नाखून रखना पसंद होता है, लेकिन इन्हें लंबा करना कोई आसान काम नहीं होता। अगर आसान होता तो हर किसी के हाथ में लंबे नाखून देखने को मिलते। कई लड़कियों के नाखून लंबे होते है तो सुंदर नहीं होते। नाखूनों को सुंदर और लंबा इस प्रकार बनायें।

बहुत सारी महिलाओं के नाखून बढ़ते तो हैं लेकिन कमजोर होने के चलते जल्दी टूट जाते हैं। ऐसा हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है, इसलिए सबसे पहले आपको अपनी डाइट में बदलाव करना होगा। आपको कुछ ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना होगा जिनसे आपको पोषक तत्व मिलें।

संतरे का रस

संतरे के रस को दस मिनट तक अपने नाखूनों पर लगाएं। इसके बाद अपने हाथों को गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन तक ऐसा करने से आपके नाखून कुछ दिनों में बढ़ने लगेंगे।

ऑलिव ऑयल

नाखून लंबे करने के लिए रोजाना ऑलिव ऑयल से नाखूनों की मालिश करें। विटामिन ई से भरपूर ऑलिव ऑयल नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

लहसुन

नाखूनों को बढ़ाने के लिए लहसुन एक बेहतरीन उपाय माना जाता है। लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर उसे 10 मिनट तक अपने नाखूनों पर रगड़ें। ऐसा करने से आपके नाखून कुछ ही दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे।

गर्मी में डेनिम वियर से मिलेगी राहत

गर्मी के मौसम में खानपान के साथ ही पहनावे का भी भी विशेष ध्यान रखना पड़ता है। इस मौसम में गरमी से राहत पाने के साथ ही स्टाइलिस दिखने के लिए आप डेनिम कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह कपड़े घर बाहर और ऑफिस सब जगह पहने जा सकते हैं।

डेनिम पैंट- डेनिम पैंट का हर समय चलन रहता है पर गरमी के मौसम में डेनिम पैंट आपके लिए काफी आरामदायक रहती है।

डेनिम शर्ट और कुर्ती - गर्मी में आप डेनिम की शर्ट और कुर्ती पहन सकती हैं। ये परिधान इस मौसम में आरामदायक होने के के साथ देखने में अच्छे भी लगते हैं।

डेनिम मिडी स्कर्ट- इस गर्मी के मौसम में आप डेनिम का मिडी स्कर्ट ट्राई कर सकती हैं। यह मिडी स्कर्ट आपको गर्मी से राहत दिलाएगी और काफी हद तक स्टाइलिस भी है।

डेनिम जैकेट- धूप से बचने के लिए आप डेनिम जैकेट को पहन सकती हैं। यह आपको स्टाइलिस लुक देने के साथ ही गरमी की तपिश से बचाएगा।

CMYK CMYK CMYK CMYK